शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● बुधवार, 01 नवंबर 2023 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 04, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 195

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

www.lagatar.in

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	30.6	20.2
जमशेदपुर	31.6	19.2
डालटनगंज	32.4	18.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

इंटरनेशनल

- इमरान के खिलाफ सुनवाई 7 नवंबर तक स्थगित
- ब्रिटेन ने इजराइल-गाजा के प्रदर्शनों को कहा नफरती मार्च
- चीन के पूर्व प्रधानमंत्री ली क्विंग की अंत्येष्टि दो नवंबर को
- पाक पत्रकार की हत्या केस में केन्या की पुलिस पर मुकदमा

नेशनल

- महाराष्ट्र में सीएम व नेताओं के घरों की सुरक्षा बढ़ी
- जोखिम से निपटने में भारत बेहतर स्थिति में : आरबीआई
- योगी और धामी ने कंगना संग देखी 'तेजस' फिल्म
- 4.61 लाख सड़क हादसों में 1.68 लाख लोगों की जान गई

स्टेट

- मुड़मा जतरा मेले के समापन में शामिल हुए सीएम हेमंत
- हाईकोर्ट में दारोगा रूपा तिर्की मौत केस का ट्रायल शुरू होगा
- राज्यभर में रन फॉर यूनिटी के मौके पर कार्यक्रम आयोजित
- जेएसएससी : लगातार तीन परीक्षाएं सवालों के घेरे में

स्पोर्ट्स

- आठवीं बार मेस्सी ने जीता बैलोन डी' ओर
- विश्व कप : पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराया
- निशानेबाज श्रियांका साडंगी ने हासिल किया ओलंपिक कोटा
- नीमैन को हराकर विदित संयुक्त रूप से शीर्ष पर

सुर्खियां

आक्रोश : धनबाद कोयलांचल में अपराध बढ़े, व्यवसायी गुस्से में

आज से बेमियादी बंद

■ दवा से लेकर राशन दुकानें तक बंद रहेंगी ■ चिकित्सक भी ओपीडी में इलाज नहीं करेंगे

संवाददाता। धनबाद

कोयलांचल में बढ़ते अपराधों से व्यवसायी गुस्से में हैं. रंगदारी के लिए व्यवसायी को गोली मारनेवाले अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होने से पुलिस के खिलाफ गुस्सा है. बढ़ती वारदातों पर रोक लगाने में पुलिस की विफलता से गुस्साए व्यवसायियों ने बुधवार (एक नवंबर) से धनबाद की दुकानें अनिश्चितकाल के लिए बंद रखने का निर्णय लिया है.

धनबाद कोयलांचल की दुकानें बंद रहेंगी, बाजार भी बंद रहेंगे. फेडरेशन ऑफ धनबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स ने रंगदारी एवं गिरती विधि व्यवस्था के खिलाफ बंद का आह्वान किया है. मंगलवार को बैंक मोड़ स्थित चैंबर कार्यालय में चैंबर के पदाधिकारियों ने बढ़ते अपराध के विरोध में जोरदार आंदोलन चलाने की घोषणा की. मीडिया से बात करते हुए चैंबर अध्यक्ष चेतन गोयनका ने कहा कि धनबाद में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है. आपराधिक वारदातों में पुलिस के हाथ खाली हैं.अब व्यवसायियों ने उग्र आंदोलन खड़ा कर आर-पार की लड़ाई लड़ने के लिए कमर कस ली है.

सामाजिक-राजनीतिक, व्यावसायिक संगठनों का समर्थन

व्यवसायियों के आंदोलन का पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के साथ ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन, मारवाड़ी सम्मेलन के साथ ही साथ दर्जन भर से ज्यादा सामाजिक-राजनीतिक संगठनों ने भी समर्थन किया है.आईएम के चिकित्सकों ने ओपीडी सेवा बंद रखने की घोषणा की है. मरीजों का इलाज ओपीडी में बंद रहेगा. बंदी को लेकर मार्केट, चौक-चौराहो पर पोस्टर व बैनर भी लगाए गए. धनबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष चेतन गोयनका ने कहा कि आये दिन अपराधी व्यवसायियों को निशाना बना रहे हैं, लेकिन पुलिस के हाथ खाली हैं. व्यापारी आखिर कब तक डरे- सहमे रहेंगे. उन्होंने दावा किया कि बेमियादी बंद शत-प्रतिशत सफल रहेगा. कहा कि अब व्यवसायियों के समक्ष करो या मरो की स्थिति आ गयी है. जब तक पुलिस प्रशासन अपराधियों को गिरफ्तार नहीं करता और 100 प्रतिशत सुरक्षा की गारंटी नहीं देता, तब तक व्यवसायी पीछे नहीं हटेंगे. बंद जारी रहेगा.

दुकानों व चौक-चौराहों पर पोस्टर चिपकाए गए

धनबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स, पार्क मार्केट, हीरापुर द्वारा बंद के समर्थन में प्रतिष्ठानों, चौक- चौराहों पर पोस्टर लगाये गये. हर छोटी-बड़ी दुकान में पोस्टर लगाये गये. सभी दुकानदारों ने बंद को सफल करने की बात कही. मुख्य सड़क, कोर्ट मोड़, विनोद मार्केट, न्यू पार्क मार्केट, माधव अपार्टमेंट, विवेकानंद चौक, पार्क क्लीनिक मार्केट सहित बाजारों को को पोस्टरों से पाट दिया गया है. चैंबर ने दुकानदारों से आग्रह किया कि बुधवार से सभी अपने-अपने प्रतिष्ठान को बंद रखें.

सभी 1600 दवा दुकानें बंद रहेंगी, नहीं मिलेंगी दवाएं

बेमियादी बंद का जिला ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट संघ ने भी समर्थन दिया है. संघ ने दवा दुकानें बंद रखने की घोषणा की है. यानी बाजार बंद-दुकानें बंद रहेंगी. बंदी के दिनों में दवाएं भी नहीं मिलेंगी. बुधवार को दवा की सभी 1600 दुकानें बंद रहेंगी. धनबाद जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित अग्रवाल ने कहा कि दवा आवश्यक सेवा में आती है. बुधवार को धनबाद जिले की सभी दवा दुकानें बंद रहेंगी. जरूरत पड़ी, तो दवा दुकानें भी बेमियादी हड़ताल पर चली जाएंगी. आगे भी दवा दुकानें बंद ही रखी जाएंगी.

पेट्रोलियम डीलर्स का समर्थन

व्यवसायियों के बंद के आह्वान का पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने भी नैतिक समर्थन किया है. एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि व्यवसायियों के साथ खड़े हैं और उनके हर आंजोलन में उनका साथ देंगे. चूंकि पेट्रोलियम आवश्यक सेवा में आती है, लिहाजा पहले नैतिक समर्थन दिया जाएगा. इसके बाद भी अपराधियों को गिरफ्तार नहीं किया गया और पुलिस की ओर से व्यवसायियों को सुरक्षा की गारंटी नहीं मिली, तो पेट्रोल पंपों को भी बेमियादी बंद कर दिया जाएगा.

रघुवर दास ने ओडिशा के 26वें राज्यपाल के रूप में ली शपथ

राजभवन के दरवाजे गरीब जनता के लिए 24 घंटे खुले रहेंगे
-रघुवर दास

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने मंगलवार को ओडिशा के 26वें राज्यपाल के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली. ओडिशा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस विद्युत रंजन सारंगी ने उन्हें शपथ दिलाई. भुवनेश्वर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में रांची के सांसद संजय सेठ, जमशेदपुर सांसद विद्युतवरण महतो, विधायक बिरंची नारायण, झारखंड विधानसभा के पूर्व स्पीकर दिनेश उरांव, भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष गंगोत्री कुजूर और रघुवर दास की पत्नी व पुत्र समेत झारखंड के कई नेता शामिल हुए.

पूजा सिंघल को सुप्रीम कोर्ट से बेल नहीं मिली

रांची/दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग की आरोपी निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की जमानत अर्जी पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. पूजा की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने अपना पक्ष रखा. वहीं ईडी की ओर से एएसजी एसवी राजू ने बहस की. सिद्धार्थ लूथरा ने कोर्ट से पूजा को बेल देने का आग्रह किया. जिसका ईडी के अधिवक्ता ने पुरजोर विरोध किया. इसके बाद जस्टिस संजय किशन कौल व जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 1 दिसंबर की तिथि दे दी. यह जानकारी पूजा सिंघल के अधिवक्ता ने दी. बता दें कि पूजा सिंघल ने 12 अप्रैल को को ईडी की विशेष कोर्ट में सरेंडर किया था. तब से वह जेल में हैं. खूंटी में मनरेगा घोटाला मामले में ईडी ने पूजा सिंघल को 11 मई 2022 को गिरफ्तार किया था.

मुकेश अंबानी को फिर धमकी, मांगे 400 करोड़

मुंबई। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी को 400 करोड़ की रंगदारी के साथ जान से मारने की धमकी मिली है. एक हफ्ते में मुकेश अंबानी को तीसरी बार मारने की धमकी मिली है. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि धमकी वाली ईमेल आईडी वही है, केवल रंगदारी वसूली की रकम बढ़ती है. मेल आईडी का पता बेल्जियम का है. इस धमकी के बाद अंबानी के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. अंबानी को भेजे मेल में लिखा है कि अब रकम 400 करोड़ है, पुलिस मुझे ट्रैक या गिरफ्तार नहीं कर सकती. चाहे आपकी सुरक्षा कितनी भी अच्छी क्यों न हो, हमारा एक स्नाइपर ही आपको मार सकता है. इससे पहले भी मुकेश अंबानी को जबरन वसूली और जान से मारने की धमकी मिली थी. जिसमें 20 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं करने पर गोली मारने की चेतावनी दी गई थी.

किसने क्या कहा

- कोई भी क्षेत्र स्वतंत्रता संग्राम से अछूता नहीं रहा, देश ने अमृत महोत्सव को सबका महोत्सव बनाया- **नरेंद्र मोदी**
- सिंगूर के लिए मुआवजे का आदेश बंगाल की जनता के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा - **दीपंकर भट्टाचार्य**
- मुड़मा मेला आदिवासी संस्कृति का समागम स्थल बन चुका है
  -**हेमंत सोरेन**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,100
चांदी (किलो)	75,000

ब्रीफ खबरें

मणिपुर में पुलिस अफसर की हत्या

इंफाल। मणिपुर में बीते छह महीनों से जारी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है. इस हिंसा में अब तक कई लोग अपनी जान गंवा चुके है. अब एक नया मामला सामने आया है. आतंकवादियों ने एसडीपीओ की गोली मारकर हत्या कर दी. पुलिस ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि तेंगनौपाल के मोरेह में एसडीपीओ की हत्या की गई है. एसडीपीओ चिंगथम आनंद गोली लगने से घायल हो गए थे, जिनकी अस्पताल में मौत हो गई.

सचिन पायलट और सारा का तलाक

जयपुर। टोंक से कांग्रेस प्रत्याशी सचिन पायलट ने मंगलवार को नामांकन भरा. इस बीच सचिन के एफिडेविट में बड़ा खुलासा हुआ है. उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में भरे नामाकंन के एफिडेविट में पत्नी के नाम के आगे तलाकशुदा दर्शाया है. पायलट के दो बच्चे हैं. उनकी शादी 19 साल पहले सारा अब्दुल्ला से हुई थी. पायलट की ओर से पेश शपथ पत्र के बाद दोनों के तलाक का सच सामने आया है. लेकिन ये पता नहीं है कि तलाक कब हुआ? हालांकि इसको लेकर लोगों में चर्चा आम है.

युवा सौगात पलामू के रोजगार मेला में सीएम ने 5132 नौजवानों को सौंपा ऑफर लेटर

चारों ओर से खुले रोजगार के दरवाजे: सीएम

शुभम संदेश टीम। पलामू

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को यहां प्रमंडलीय रोजगार मेले में 5132 युवाओं के बीच ऑफर लेटर बांटे. इस मौके पर सीएम ने कहा कि चारों ओर से रोजगार के दरवाजे खुले हैं. सरकारी विभागों में खाली पदों पर नियुक्तियां हो रही है. पिछड़े ढाई महीने में प्रमंडलीय रोजगार मेले के जरिए 27,000 युवाओं को ऑफर लेटर दिए गए.

18 अगस्त को चाईबासा में 10,020 युवाओं को ऑफर लेटर दिया गया. 11 सितंबर को हजारीबाग में 11,850 को और अब पलामू में 5132 युवाओं को ऑफर लेटर दिया जा रहा है. खुशी की बात यह है कि 27,000 युवाओं में से 25,000 स्थानीय हैं. वहीं जेपीएससी, जेएसएससी और अन्य माध्यमों से लगभग 40 हजार पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया तेजी से चल रही है.

-शेष पेज 10 पर

27,000

युवाओं को मिल चुका है ऑफर लेटर पिछले ढाई महीने में

- 40 हजार पदों के लिए तेजी से चल रही है नियुक्ति प्रक्रिया

आपके अपने आशियाना का सपना करेंगे पूरा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अबुआ आवास योजना शुरू करने का निर्णय लिया है. इस योजना के तहत 8 लाख लोगों के अपने आशियाना का सपना को पूरा करेंगे. वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों को शहर और जिला मुख्यालय से सीधा संपर्क और सुलभ आवागमन के लिए मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना भी शुरू की जा रही है. इस योजना के तहत लगभग एक करोड़ लोग निःशुल्क यात्रा कर सकेंगे.

नियुक्तियों का सिलसिला जारी रहेगा : सीएम ने कहा कि राज्य के युवाओं को रोजगार दिलाना सरकार की प्राथमिकता है. हर स्तर पर युवाओं को रोजगार से जोड़ रहे हैं. यह सिलसिला जारी रहेगा. हम सिर्फ युवाओं को रोजगार नहीं दे रहे हैं, बल्कि उन्हें प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के साथ-साथ मेडिकल, इंजीनियरिंग और लॉ जैसे कोर्सेज करने के लिए सरकारी मदद भी कर रहे हैं. इसके अलावा युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है. हमारी कोशिश है कि यहां के युवाओं को अपने ही राज्य के अंदर रोजगार उपलब्ध करा सकें.

एप्पल हैकिंग अलर्ट पर सियासी बवाल

राहुल बोले- जासूसी से हम नहीं डरेंगे | सरकार ने कहा- निराधार हैं आरोप

एजेंसियां (नई दिल्ली) ।एप्पल की तरफ से हैकिंग को लेकर आए अलर्ट ने सियासत में नया भूचाल खड़ा कर दिया है. समूचा विपक्ष जहां सरकार पर जासूसी करने का आरोप लगा रहा है, तो वहीं सरकार का कहना है कि ये पूरी तरह से निराधार बातें हैं. कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, आप नेता राघव चड्ढा और टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा सहित अन्य नेताओं ने आरोप लगाए हैं कि सरकार जासूसी कर रही है. सरकार डर कर ये सब कर रही है. वहीं, केंद्र सरकार ने पलटवार करते हुए कहा कि हम मामले की जांच कराएंगे, सारे आरोप निराधार है. इस बीच एप्पल ने भी पूरे मामले पर बयान जारी कर सफाई दी है.

राहुल गांधी क्या बोले

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मामले में केंद्र सरकार पर जमकर हमला किया. उन्होंने कहा, इधर तोते की गर्दन पकड़ी, उधर क्रूर राजा तड़प रहा है ! जितनी जासूसी करनी है कर लो - हम डरने वाले नहीं, लड़ने वाले हैं. उन्होंने कहा कि जब भी अडाणी से जुड़ा मामला उठाया जाता है, तो एजेंसियों को जासूसी में लगा दिया जाता है. अरे मेरा फोन हैक क्यों करते हो, मेरा मोबाइल ही ले लो.

सरकार ने दिए जांच के आदेश

आरोपों के बीच केंद्र सरकार ने जांच के आदेश दे दिए हैं. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, मामले की तह तक जाने के लिए जांच करेंगे, लेकिन विपक्षी दलों को प्रगति से परेशानी है. विपक्षी दलों के पास जब भी सरकार की आलोचना के लिए कोई मुद्दा नहीं होता तो ये लोग निगरानी की बात करते हैं. इससे पहले ऐसे ही आरोप लगाए गए थे लेकिन कुछ नहीं मिला. विपक्ष देश की प्रगति को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा. ऐसा परामर्श एपल ने 150 देशों में जारी किया है.

एप्पल ने क्या कहा

उधर, एप्पल ने सफाई देते हुए कहा है कि खतरे की सूचनाओं के लिए किसी विशिष्ट सरकार-प्रायोजित हमलावर को जिम्मेदार नहीं ठहराता. कंपनी ने कहा कि सरकार प्रायोजित हमलावर आर्थिक और तकनीकी रूप से बहुत मजबूत होते हैं और उनके हमले समय के साथ विकसित होते हैं. कंपनी ने कहा, ऐसे हमलों का पता लगाना खतरे के खुफिया संकेतों पर निर्भर करता है, जो अक्सर अपूर्ण और अधूरे होते हैं. यह संभव है कि एप्पल के खतरे संबंधी कुछ सूचनाएं गलत चेतावनी हो सकती हैं या कुछ हमलों का पता नहीं चल पाता, हालांकि, एप्पल ने इस बारे में बताने से इनकार कर दिया कि टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा समेत अन्य भारतीय नेताओं को किस वजह से चेतावनियां मिलीं.

नया प्रयोग घाटशिला के 12वीं के छात्र ने बनाया सॉफ्टवेयर, नाम रखा आई कांटेक्ट माउस कर्सर

अब दिव्यांग भी आंख से चला सकेंगे कंप्यूटर

रतन सिंह। जमशेदपुर

कम उम्र के बच्चे भी अपने प्रयोगों के जरिए सामाजिक बदलाव ला सकते हैं. कुछ ऐसा ही एक प्रयोग घाटशिला के छात्र ने किया है. 12वीं के छात्र सुमित डान ने एक नया सॉफ्टवेयर विकसित किया है, जिसके सहारे लैपटाप या कंप्यूटर को आंखों से ही कंट्रोल किया जा सकता है. इससे दिव्यांग भी आंख की पुतली के सहारे लैपटॉप या कंप्यूटर चला पाएंगे.

इस सॉफ्टवेयर का नाम आई कांटेक्ट माउस कर्सर है. जल्द ही यह सॉफ्टवेयर बाजार में लांच हो जाएगा. इसमें खास बात यह है कि आंख झपकाते ही माउस कर्सर क्लिक होगा और आंख की पुतली ऊपर-नीचे करने पर कर्सर स्क्रॉल होगा.

वायस-माड्यूलेशन व वर्चुअल की-बोर्ड भी

सुमित बताते हैं कि आई कांटेक्ट माउस कर्सर नामक सॉफ्टवेयर पेन ड्राइव में मिलेगा. इस पेनड्राइव को कंप्यूटर या लैपटॉप में लगाना होगा. इसके ऑन होते ही इसमें इन्स्टॉल हो जाएगा इसके वेब कैमरे आंखों को रीड करेंगे. रीड होते ही सॉफ्टवेयर काम करना शुरू कर देगा. सिर को बाईं या दाईं ओर घुमाने से कर्सर भी मूव होता रहेगा. आंख झपकाते ही कर्सर क्लिक होगा और आंख की पुतली ऊपर-नीचे करने पर कर्सर स्क्रॉल होगा.

डाटा साइंटिस्ट बनना चाहता है सुमित, एआई पर कर रहा काम

- एमओयू के लिए कई कंपनियों ने किया संपर्क, छात्र ने खुद के नाम से कराया पेटेंट

दोस्त को देख आया आइडिया

एक सड़क दुर्घटना में सुमित के खास आईटी प्रोफेशनल दोस्त ने हाथ-पैर खो दिया था. उसके बाद वो डिप्रेशन में चला गया. यह देख सुमित ने इस सॉफ्टवेयर को बनाने का मन बनाया. काफी प्रयास के बाद वह इसमें सफल भी हुआ. इसमें उसके माता पिता ने भी काफी मदद की. कई बार कंप्यूटर खराब हो गया, लेकिन उसके अभिभावकों ने उसका मनोबल कम नहीं होने दिया. सुमित के अनुसार वह डाटा साइंटिस्ट बनने के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के हाई लेवल तक पहुंचना चाहता है. सुमित के अनुसार स्टेम इंडिया, जर्मनी की सेलटू क्राउड, फिनलैंड समेत पांच कंपनियों ने इस सॉफ्टवेयर को बाजार में उतारने (एमओयू) के लिए उससे संपर्क में है. किस कंपनी के साथ वह डील फाइनल करेगा, यह उस पर निर्भर है. सुमित ने इस सॉफ्टवेयर का पेटेंट अपने नाम कर रखा है और खुद की स्टार्टअप कंपनी आंजनेय इंटरप्राइजेज भी बनाई है.

सुमित डान ने बताया कि वह अपने प्राजेक्ट का प्रदर्शन 17 से 19 अक्टूबर तक बेंगलुरु में हुई अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में कर चुका है. उक्त प्रदर्शनी में 200 से अधिक देश-विदेश की कंपनियों ने भाग लिया था. सभी ने इस सॉफ्टवेयर की सराहना की थी.

ट्रेन- ट्रैक्टर की भिड़ंत में 3 लोगों की मौत, 6 घायल

संवाददाता। हजारीबाग

बड़ा हादसा

- चरही में रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान हुई दुर्घटना
- 6 घायल, पांच अलग-अलग अस्पतालों में इलाजरत

जिले के चरही सरबाहा-23 दहुदाग दलदलिया में बरकाकाना-कोडरमा ट्रेन और ट्रैक्टर के बीच भिड़ंत हो गई. इस हादसे में ट्रैक्टर सवार दो महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई. छह लोग घायल हो गए. मृतकों की पहचान रमेश गंझू, झुनिया देवी के रूप में हुई है. वहीं, गंभीर रूप से घायल द्रौपदी की रांची के अस्पताल में इलाज के क्रम में मौत हो गई. घायलों में लालो देवी, सुबासो देवी, सावित्री देवी, करण महतो और संगीता देवी शामिल हैं. इनमें दो घायलों का इलाज सदर अस्पताल और तीन का अलग-अलग निजी अस्पतालों में चल रहा है. वहीं, एक अन्य घायल का गांव में ही इलाज चल रहा है.

इधर, पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दो मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया था. रेलवे के आलाधिकारियों ने मौके पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया है और घटना की जांच की जा रही है. जानकारी के मुताबिक, सभी मृतक व घायल सरबाहा गांव के थे. ये लोग दूधी मिट्टी लेकर वापस घर लौट रहे थे. इसी दौरान ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक हादसा हो गया. स्थानीय ग्रामीणों और स्थानीय प्रतिनिधियों ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की है.

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी : इग्नू केंद्र में 19 अक्टूबर से चल रहा 12 दिवसीय बीएड प्रोग्राम हुआ संपन्न

प्रशिक्षुओं ने दिये फीड बैक, नाटक व फाइन आर्ट्स के प्रशिक्षु पुरस्कृत

संवाददाता । जमशेदपुर

कुलपति को सम्मानित करते को-ऑर्डिनेटर व प्रशिक्षु.

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के इग्नू केंद्र में पिछले 19 अक्टूबर से चल रही 12 दिवसीय कार्यशाला-2 (बीएड प्रोग्राम) मंगलवार को संपन्न हुई. कार्यशाला के अंतिम दिन के प्रथम सत्र की शुरुआत इग्नू बीएड स्टडी सेंटर की प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ त्रिपुरा झा ने प्रार्थना सभा के साथ की. हरियाणा, बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, बिहार, झारखंड से आये सभी शिक्षार्थियों से पूर्व में किए गए ईपीसी 3 से संबंधित सभी क्रिया-कलापों के प्रतिवेदन जमा लिए गए. सत्र विशेषज्ञ नेहा सुरुचि मिंज ने ईपीसी चार से संबंधित प्रशिक्षण से इंटर्नशिप के दौरान किए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी ली. तीसरे एवं चौथे सत्र में सत्र विशेषज्ञ डॉ त्रिपुरा झा ने 'स्व की समझ तथा योग' में किए गए प्रयोग क्रिया-कलापों का आंकलन किया. सत्र के समापन पर प्रतिपुष्टि एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यशाला के सभी रिसोर्स पर्सन को प्रशिक्षु छात्रों ने पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया.

बंगाल से आये केंद्रीय विद्यालय के शिक्षक विकास साव, सुजय कुमार, मुनमुन मित्तल, बिहार के मुकेश कुमार, झारखंड से तन्मय सिंह सोलंकी ने कार्यशाला का फीडबैक दिया. कार्यक्रम प्रभारी डॉ त्रिपुरा झा एवं सभी प्रशिक्षु छात्रों ने जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ अंजिला गुप्ता से मुलाकात कर उन्हें भी गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया. कुलपति डॉ गुप्ता ने शिक्षार्थियों से कार्यशाला की जानकारी लेते हुए उन्हें शिक्षण के विभिन्न बिंदुओं यानी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, कक्षा-कक्ष प्रबंधन, संप्रेषण कौशल पर उनका मार्गदर्शन किया एवं शुभकामनाएं दी. सत्र की प्रायोगिक कक्षा के दौरान नाटक एवं फाइन आर्ट्स के प्रशिक्षुओं को पुरस्कृत किए गए. इनमें अभिषेक कुमार, अफरोज, नेहा, मुनमुन मित्तल, मुकेश कुमार सिंह, शताब्दी विषयी, सोनाली कुंडू व मोहसिना मरियम प्रमुख थे. धन्यवाद ज्ञापन नेहा सुरुचि मिंज ने किया. समापन समारोह में अजीत कुमार दुबे, सोनी कुमारी, वीरू पक्ष महतो, डॉ संजय भुइयां, गीता महतो, उपेंद्र शर्मा एवं प्रभाकर राव उपस्थित थे. राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला संपन्न हुई.

खास बातें

- योग में किए गए प्रयोगों का आकलन किया गया
- सत्र के समापन पर विदाई समारोह का आयोजन

आपकी बात

"13 साल के करियर में गरीब, असहाय और बेबस लोगों की आवाज को कभी दबने नहीं दिया"

नाम : दिवाकर कु. उपाध्याय
पेशा : अधिवक्ता
विशेषज्ञ : जनहित मामले
निवास : रांची

गरीब और जरूरतमंद लोगों को न्याय दिलाना ही मेरा मुख्य उद्देश्य है. यह बातें झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता दिवाकर कुमार उपाध्याय ने कहीं. इन्होंने साल 2010 में वकालत की शुरुआत दिल्ली से की थी. इन्होंने अपना पहला केस फोन टैपिंग का लड़ा था. दिल्ली प्रवास के दौरान इन्होंने वहां अक्सर जरूरतमंद, बेबस और गरीब लोंगो को अदालत में चक्कर काटते देखा. उस वक्त दिवाकर के मन में ये बातें घर कर गईं. इन्हें भीतर ही भीतर तकलीफ होती थी कि मैं उनलोगों के लिए कुछ भी नहीं कर पा रहा. उस दिन से इन्होंने मन बना लिया कि अब चाहे जो कुछ भी हो, मैं उन गरीबों अथवा जरूरतमंदों की मदद करूंगा, जिनके पास वकील को फी देने के लिए पैसा नहीं है. वक्त बीतता गया और चार साल बाद साल 2014 में दिवाकर रांची लौट आए. इसके बाद झारखंड हाईकोर्ट में ये वकालत कर रहे है. यहां पर दिवाकर उपाध्याय ने सिख दंगा के पीड़ित को मुआवजा, देवघर एयरपोर्ट, देवघर एम्स जैसे जनहित मामले को लेकर न्यायिक लड़ाई लड़ी. इनका कहना है कि जनहित से जुड़ी जो भी मामले है उसके लिए न्यायिक लड़ाई लड़ने के हम हमेशा तत्पर रहेंगे. दिवाकर उपाध्याय ने कहा कि मैंने अपने 13 साल के करियर में गरीब, असहाय और बेबस लोगों के आवाज को कभी दबने नहीं दिया. हमेशा उनका साथ दिया. कई बार मेरे पास ऐसे व्यक्ति आए जिनके पास केस लड़ने के लिए पैसे नहीं थे. ऐसे लोगों के लिए मैंने बिना कोई शुल्क लिए उनका केस लड़ा और उन्हें न्याय दिलाने का काम किया और आगे यह कार्य करता रहूंगा.

ब्रीफ खबरें

अभाविप ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

धनबाद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पवन कुमार पोद्दार को 10 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा. इसमें बंद किये गए स्नातकोत्तर की पढ़ाई पुनः शुरू करवाने, विश्वविद्यालय परिसर और कॉलेजों में गर्ल्स कॉमन रूम की व्यवस्था करने, निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराने, लैब व लाइब्रेरी शुरू करवाने, यूजी के सत्र 2023-27 के रिक्त सीटों में नामांकन प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने, शिक्षकों के खाली पद पर नियुक्ति करने तथा अन्य की मांग की.

1 नवंबर से भरें बीएससी नर्सिंग का परीक्षा फॉर्म

धनबाद । बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने बीएससी नर्सिंग थर्ड ईयर सत्र 2020-24 और फोर्थ ईयर सत्र 2019-23 के परीक्षा के लिए परीक्षा प्रपत्र भरने और जमा करने की तिथि जारी कर दी है. नोटिफिकेशन के अनुसार बिना विलंब शुल्क के विद्यार्थी एक से चार नवंबर के बीच ऑनलाइन माध्यम से परीक्षा प्रपत्र भरकर जमा कर सकते हैं. वहीं, 500 रुपया विलंब शुल्क के साथ परीक्षा प्रपत्र भरने की तिथि पांच और छह नवंबर निर्धारित की गई है.

सहायक प्राध्यापकों ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

धनबाद। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के अंगीभूत कॉलेजों में कार्यरत आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यापकों ने कुलपति डॉ पवन कुमार पोद्दार को ज्ञापन सौंप कर यूजीसी द्वारा तय किए गए निर्देशों के अनुसार मानदेय भुगतान करने का मामला उठाया है. सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों ने कुलपति को बताया कि आवश्यकता आधारित सहायक शिक्षकों के लिए बीबीएमकेयू प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देश उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग के संकल्प पत्र के अनुकूल नहीं है.

छात्रा से छेड़खानी का आरोपी शिक्षक निलंबित

पाकुड़। छात्रा से छेड़खानी के आरोपी शिक्षक को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. आरोपी मॉडल हाई स्कूल के शिक्षक राजू नंदन साहा को विभाग ने निलंबित कर दिया है. जिला माध्यमिक शिक्षा स्थापना समिति के आदेश पर शिक्षक पर नगर थाना कांड संख्या 2003/23 पोक्सो एक्ट के मद्देनजर निलंबन की कार्रवाई की गई है. जानकारी के अनुसार, राजू ने 2019 में बीएसएफ छोड़कर शिक्षक की नौकरी ज्वाइन की थी.

भारत के प्रथम गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर हुए कई कार्यक्रम

रन फॉर यूनिटी में दौड़े आईआईटी के छात्र

रन फॉर यूनिटी रैली में शामिल आईआईटी आईएसएम के शिक्षक व छात्र.

संवाददाता । धनबाद

सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती के अवसर पर आईआईटी-आईएसएम में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया. यह आयोजन संस्थान के स्पोर्ट्स एंड फिजिकल एजुकेशन सेंटर के नेतृत्व में हुआ. दौड़ संस्थान के लोअर ग्राउंड से शुरू हुई और परिसर का भ्रमण कर वापस लोअर ग्राउंड में समाप्त हुई. डीन स्टूडेंट वेलफेयर (डीएसडब्ल्यू) प्रो बॉबी के एंटनी ने इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को एकता अखंडता और आंतरिक सुरक्षा की शपथ दिलाई. कार्यक्रम में एसोसिएट प्रोफेसर प्रशांत शर्मा, प्रो वीजीके विल्लुरी, फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स ऑफिसर डीएन आचार्य साथ दर्जनों विद्यार्थी व फैकल्टी मौजूद थे.

बहरागोड़ा महाविद्यालय के छात्रों ने मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा महाविद्यालय परिसर में मंगलवार को एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत भारत को एकता के सूत्र में बंधने वाले भारतरत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया. इस अवसर पर एनएसएस के प्रोग्राम ऑफिसर तिलेश्वर रविदास और डॉ. प्रवीण कुमार चंचल द्वारा उपस्थित स्वयंसेवकों को राष्टीय एकता दिवस की शपथ दिलाई गई. इस मौके पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य सह अनेक विद्यार्थी उपस्थित थे.

बीआईटी सिंदरी के सामने रन फॉर यूनिटी की शुरुआत करते शिक्षक व छात्र.

रन फॉर यूनिटी का नारा लगाकर शिक्षक व छात्रों ने निकाला जुलूस

संवाददाता । सिंदरी

भारत के प्रथम गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148 वीं जयंती को रन फॉर यूनिटी के रुप में बीआईटी सिंदरी परिसर में मनाया गया. इस दौरान संस्थान स्पोर्ट्स क्लब द्वारा मंगलवार को राष्ट्रीय एकता दिवस के लिए जुलूस निकाला गया. बीआईटी सिंदरी प्रो इंचार्ज डा आर के वर्मा, प्रो डी बी यादव और प्रो विनय कुमार के दिशा निर्देश में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल की वर्षगांठ पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए रन फॉर यूनिटी का नारा स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड से प्रशासनिक भवन तक जुलूस निकाला गया और इसमें रन फॉर यूनिटी के नारों से बीआईटी सिंदरी के छात्रों ने दौड़ लगाई. कार्यक्रम में स्पोर्ट्स क्लब चेयरमैन राहुल कुमार, शिवाजी, तनुप्रिया, आशीष, उपासना, नवनीत, विवेक, उत्कर्ष, आकाशदीप, आदर्श, सुमन, तेज़ प्रकाश, मनीषा, आकांक्षा, राहुल, अभिषेक, प्रिंस, प्रिया, सतीश, पुजा, प्रियांशु , सचिन, आदर्श सिंह, शांभवी झा, राखी कुमारी, सुष्मिता मंडल, संध्या रानी सहित स्पोर्ट्स क्लब के अन्य सदस्य मौजूद थे.

सरदार वल्लभ भाई पटेल स्कूल में धूमधाम से मनायी गयी पटेल जयंती

जमशेदपुर। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148वीं जयंती छोटा गोविंदपुर के पटेल स्कूल में धूमधाम से मनायी गयी. इस अवसर पर बच्चों के बीच टॉफी का वितरण किया गया. विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष रामाश्रय प्रसाद ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोने का काम किया है. इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य डॉ परितोष सिंह ने कहा कि अपने देश को एक करने में सरदार वल्लभ भाई पटेल का बहुत बड़ा योगदान रहा है. हमें अपने देश की एकता और अखंडता को बरकरार रखना है. इस अवसर पर चंद्र सिंह, वृंदा प्रसाद, नरेश कुमार सिंह, शत्रुघ्न प्रसाद, शिवबालक प्रसाद, प्रधानाध्यापक जयकुमार महतो, प्रधानाध्यापिका सरिता जायसवाल, उपेंद्र सिंह, छात्र-छात्राएं, शिक्षकेतर कर्मचारी समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

एनएसएस वोलेंटियर्स ने ली राष्ट्रीय एकता व अखंडता की शपथ

जमशेदपुर । जमशेदपुर के साकची स्थित करीम सिटी कॉलेज की एनएसएस इकाई की ओर से मंगलवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनायी गयी. इस अवसर पर समारोह का आयोजन कर राष्ट्रीय एकता व अखंडता की शपथ ली गयी. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहम्मद रियाज, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ आले अली, एनएसएस समन्वय सैयद साजिद परवेश एवं एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित हुए. प्राचार्य डॉ मोहम्मद रियाज ने बताया कि राष्ट्रीय एकता एक भावना है, जो किसी राष्ट्र अथवा देश के लोगों में अपनत्व का भाव प्रदर्शित करती है.

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मनाई सरदार पटेल की जयंती :

पाकुड़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती के अवसर पर बैंक कॉलोनी स्थित सरदार पटेल की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विश्वविद्यालय संयोजक बम भोला उपाध्याय ने उनके जीवनी पर प्रकाश डाला. कहा कि सरदार पटेल का भारत को एक सूत्र में बांधने में महत्वपूर्ण योगदान रहा. हमारे देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार पटेल कि आज 148वीं जयंती है. जब भारत से अंग्रेज गए तो हमारा देश खंड-खंड में विभक्त था. आजादी मिलने के कुछ दिन बाद 550 से ज्यादा रियासतों को एकता के धागे में पिरोने का काम पटेल ने किया.

बीपीएम प्लस टू उच्च विद्यालय में याद किये गये सरदार वल्लभ भाई पटेल

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बर्मामाइंस स्थित बीपीएम प्लस टू उच्च विद्यालय में मंगलवार को छात्र-छात्राओं की ओर से राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया. इस अवसर पर छात्र-छात्राओं की ओर से विशेष प्रार्थना की गयी. तत्पश्चात छात्र-छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ ली. इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन वृत्त पर चर्चा की व अपने विचार रखे. सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन से संबंधित विशेष क्विज का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया. इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया. इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाचार्य रंजीत गांधी, शिक्षिका सुदीप्ति कुमारी, गौरी पूर्ति, कुमुद ठाकुर समेत छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे.

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता । साहिबगंज

मंगलवार को उपायुक्त राम निवास यादव ने मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के रूप में चयनित बीडी उच्च विद्यालय सकरीगली का औचक निरीक्षण किया. बताते चलें कि जिले के चार विद्यालयों को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के रूप में चयनित किया गया है. इन सभी विद्यालयों में सीबीएसई पैटर्न पर अंग्रेजी मीडियम से पढ़ाई कराई जाएगी. जबकि इन विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, लाइब्रेरी,कंप्यूटर शिक्षा,साइंस लैब आदि की सुविधा भी उपलब्ध है.

उपायुक्त रामनिवास यादव ने विद्यालय का निरीक्षण करते हुए बच्चों के अध्ययन अध्यापन की जानकारी ली. बता दें कि पूर्व में भी उपायुक्त ने बच्चों से कहा थ. कि वह दोबारा विद्यालय का निरीक्षण करेंगे. जहां बच्चों से अभी तक पठन-पाठन की स्थिति के विषय में जानकारी लेंगे. इसी संबंध में उत्कृष्ट विद्यालय में अध्ययन अध्यापन कार्य एवं मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेने उपयुक्त पहुंचे.

खास बातें

- विद्यालयों में सीबीएसई पैटर्न पर पढ़ाई कराई जाएगी
- विद्यालय में स्मार्ट क्लासरूम के साथ कई सुविधाएं भी रहेंगी

खेलो झारखंड में धनबाद के स्कूली बच्चों ने लहराया परचम

संवाददाता । धनबाद

28 से 31 अक्टूबर के बीच रांची के खेल गांव में आयोजित खेलो झारखंड 2023-24 में धनबाद जिले के सरकारी स्कूल के नौ बच्चों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा साबित की है. इनमें डीएवी उच्च विद्यालय पाथरडीह की मोनिका कुमारी ने 3000 मीटर दौड़ और यूएम स्कूल मोदीडीह की डोली कुमारी ने 600 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया. वहीं प्लस टू हाई स्कूल बलियापुर के राहुल कुमार महतो ने 800 मीटर दौड़, यूपीजी हाई स्कूल सुंदर पहाड़ी पूर्वी टुंडी के अजय मुर्मू ने हाई जंप, जीएसए 2 स्कूल यादवपुर की पूजा कुमारी ने 80 मीटर हर्डल, जबकि यूपीजी 2 हाई स्कूल आमताल की करिश्मा प्रसाद ने 400 मीटर हर्डल रेस में दूसरा स्थान प्राप्त किया. इसके अलावा जीबीए 2 यादवपुर स्कूल के रोहित ने शॉट पुट, डीएवी उच्च विद्यालय पाथरडीह की किरण कुमारी ने 1500 मीटर दौड़ और प्लस टू हाई स्कूल बलियापुर के राहुल कुमार महतो ने 1500 मीटर दौड़ में तीसरा स्थान प्राप्त किया. गाइड शिक्षक के रूप में सिंधु कुमारी, अर्चना कुमारी, प्रियव्रत घोष, राजेश कुमार और प्रशांत कुमार रांची गए थे.

नियोजन चांडिल स्थित नियोजनालय में एक दिवसीय भर्ती शिविर आयोजित

भर्ती कैंप में 70 अभ्यर्थियों को किए गया शॉर्टलिस्ट

संवाददाता । चांडिल

भर्ती शिविर में पहुंचे अभ्यार्थी

चांडिल स्थित नियोजनालय सह मॉडल करियर सेंटर में आयोजित एक दिवसीय भर्ती शिविर में 70 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया. भर्ती शिविर में कुल 99 अभ्यर्थियों ने विभिन्न पदों के लिए चयन प्रक्रिया में भाग लिया. इनमें से 70 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के माध्यम शॉर्टलिस्ट किया गया. वहीं नियोजनालय चांडिल भर्ती शिविर में बेस्ट्स जॉब नियोजक के रूप में शामिल हुआ. शिविर में विभिन्न पदों के लिए आठवीं पास से लेकर इंजीनियर डिग्री वाले कुल 697 अभ्यर्थियों का चयन किया जाना था. चयनित अभ्यर्थियों का कार्य स्थल जमशेदपुर, रांची, हजारीबाग, बोकारो, धनबाद, डालटनगंज, आसनसोल, रामगढ़, पेटरवार, गोमिया, फुसरो और बेंगलुरु होगा.

भर्ती शिविर का लाभ उठायें युवा

इस संबंध में नियोजन पदाधिकारी चांडिल ने बताया कि चयन प्रक्रिया में स्थानीय नियोजन नीति के दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया गया. नियोजनालय चांडिल के माध्यम से नियमित रूप से भर्ती शिविर एवं रोजगार मेला का आयोजन किया जाता है. इसके जरिये शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर मिलता है. अब बेरोजगार युवाओं का नौकरी का सपना पूरा हो सकता है.

खास बातें

- 99 अभ्यर्थियों ने चयन प्रक्रिया में लिया भाग
- शिविर में विभिन्न पदों के लिए अभ्यर्थियों का चयन किया जाना था

योग्य अभ्यर्थियों से अपील है कि भविष्य में भी रोजगार मेला एवं भर्ती शिविर में भाग लेकर रोजगार के अवसर पायें. रोजगार मेला में नियोजन पदाधिकारी रवि कुमार, यंग प्रोफेशनल युनिस ओरिया, श्रीकांत लाल. प्रीतोश कुमार, बेस्ट्स जॉब नियोजक के प्रतिनिधि सहित अन्य उपस्थित रहे.

आईआईटी-आईएसएम में खादी महोत्सव का हुआ आयोजन

हथकरघा व कुटीर उत्पादों की लगी प्रदर्शनी

- ग्रामीणों तक पैसा पहुंचने से उनकी आय में हुई वृद्धि

संवाददाता । धनबाद

उत्पाद का अवलोकन करते मनोज सिंह व अन्य.

खादी और ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईआईटी-आईएसएम में खादी और ग्रामीण उद्योग कमीशन, मिनिस्ट्री ऑफ़ एमएसएमई और आईआईटी-आईएसएम के अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर के बैनर तले खादी महोत्सव का आयोजन किया गया.

इस दौरान आयोजित वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट कार्यक्रम के अंतर्गत आईटूएच बिल्डिंग में हथकरघा एवं कुटीर उद्योगों के उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई. इस दौरान खादी एंड विलेज इंडस्टरीज कमिशन मिनिस्ट्री ऑफ़ एमएसएमई के पूर्वी जोन के अध्यक्ष मनोज सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 में खादी ग्रामोद्योग की वार्षिक टर्नओवर 20-22 हजार करोड़ थी, जो की 9 वर्षों में बढ़कर 1.34 लाख करोड़ हो गई है. ग्रामीणों तक पैसा पहुंचने से ग्रामीणों की आय में वृद्धि हुई है, जिससे उनके रहन-सहन का स्तर भी सुधरा है. अब तकनीक व सहयोग से इसे 5 लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य है. आईआईटी के निदेशक प्रो जे के पटनायक ने बताया कि यह प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता का परिणाम है.

जेएसएससी परीक्षा में अनियमितता को लेकर किया प्रदर्शन, परीक्षा रद्द करने की मांग

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने सीएम का फूंका पुतला

संवाददाता। धनबाद

जेएसएससी परीक्षा में अनियमितता को लेकर मंगलवार को धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने धनबाद महानगर अध्यक्ष अमलेश सिंह की अध्यक्षता में झारखंड के मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया. साथ ही परीक्षा को रद्द करने की मांग की.

पुतला दहन में मौजूद भाजपा के धनबाद जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि जेएसएससी के ओएमआर शीट में कमी का छात्रों द्वारा किया जा रहा विरोध जायज है. भाजपा छात्रों के समर्थन में खड़ी है. अधिकारियों की मनमानी का विरोध

हर स्तर पर किया जायेगा. वहीं भाजयुमो जिलाध्यक्ष अमलेश सिंह ने कहा कि धनबाद के पुटकी में छात्रों द्वारा जेएसएससी की परीक्षा में अनियमितता, ओएमआर शीट में गड़बड़ी पर परीक्षा का बहिष्कार किया गया है, जिसे लेकर सरकार को जल्द से जल्द परीक्षा रद्द कर देनी चाहिए या मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए. क्योंकि हेमंत सरकार सभी मोर्चे में विफल साबित हुई है. पुतला दहन में रमेश राही, मानस प्रसून, रूपेश सिन्हा, मिल्टन पार्थसारथी, जयंत चौधरी, रवि मिश्रा, मुकेश पांडेय, अनिल सिन्हा, रंजीत प्रसाद व अन्य भाजयुमो के कार्यकर्ता उपस्थित थे.

खास बातें

- ओएमआर शीट में कमी का परीक्षार्थी कर रहे विरोध
- भाजयुमो के नेतागण छात्रों की मांग को जायज ठहरा रहे

सीएम के कार्यक्रम का राजद ने किया विरोध

पलामू। पलामू में मंगलवार को प्रमंडल स्तरीय रोजगार मेला सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का कार्यक्रम आयोजित किया गया है. रोजगार मेले में सीएम पलामू के 5000 युवाओं को नियुक्ति पत्र बांट रहे हैं. इधर कुर्सी नहीं मिलने पर राजद के पलामू जिला अध्यक्ष और गढ़वा जिला अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का विरोध किया. सभी मंच के सामने चले गये और हेमंत सोरेन मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे. हालांकि पलामू डीसी और एसपी के समझाने के बाद सभी शांत हुए. जिला परिषद सदस्य भी नाराज होकर सीएम के कार्यक्रम से चले गये.

आओ जानें

जगन्नाथपुर से कब कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	भाजपा	मधु कोड़ा
2005	निर्दलीय	मधु कोड़ा
2009	जेबीएसपी	गीता कोड़ा
2014	जेबीएसपी	गीता कोड़ा
2019	कांग्रेस	सोनाराम सिंकु

ब्रीफ खबरें

कांग्रेस नेताओं ने मनाया इंदिरा का शहादत दिवस

लातेहार। बालूमाथ प्रखंड कांग्रेस कमिटी के द्वारा प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में मंगलवार को भारत के प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की शहादत दिवस मनायी. साथ ही लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती भी मनायी गयी. कांग्रेसियों ने दोनों महापुरुषों को याद करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए कांग्रेस नेता मो. जुबैर ने संबोधित किया और दोनों नेताओं के योगदान याद दिलाए.

मंत्री हफीजुल हसन का स्वागत किया

महुदा। झारखंड मुक्ति मोर्चा के बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष ने झारखंड कैबिनेट के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन का स्वागत किया. मंत्री रांची से धनबाद सड़क मार्ग से जा रहे थे. इसी क्रम में महुदा मोड़ के समीप बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष अजमुल अंसारी ने गुलदस्ता देकर सम्मानित किया. मौके पर तारगा पंचायत के वार्ड सदस्य शमीम शेख, हाफिज सोहराब, रेजाबुल अंसारी, बाबू अंसारी गयासुद्दीन, डब्लू अंसारी आदि मौजूद रहे.

स्पीकर ने राज्यपाल को किया आमंत्रित

रांची। 22 नवंबर को झारखंड विधानसभा का 23वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा. इसे लेकर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और उन्हें स्थापना दिवस समारोह में आमंत्रित किया. इस दौरान स्पीकर और राज्यपाल के बीच राज्य के विकास और शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर भी चर्चा हुई.

कांग्रेसियों ने इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और सरदार पटेल की जयंती मनायी

इंदिरा गांधी-पटेल को किया नमन

धनबाद में इंदिरा गांधी और सरदार पटेल को श्रद्धांजलि देते कांग्रेसजन.

संवाददाता। धनबाद

जिला युवा कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनायी. इस अवसर पर कमेटी ने हाउसिंग कॉलोनी स्थित कांग्रेस जिला कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया. इससे पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी और जिला युवा कांग्रेस कमेटी के सभी सदस्य व कार्यकर्ताओं ने इंदिरा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके विचारों को सबके समक्ष रखा.

धनबाद जिला युवा कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुमार गौरव उर्फ सोनू सिंह ने कहा कि आज इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि है और सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती है. इस मौके पर जिला युवा कांग्रेस कमेटी ने 100 यूनिट ब्लड दान करने के लक्ष्य के साथ रक्तदान शिविर का आयोजन किया है, जिसमें जिला कांग्रेस कमेटी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया.

कांग्रेसियों ने इंदिरा गांधी का मनाया शहादत दिवस

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा पार्टी कार्यालय में कांग्रेसियों ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का शहादत दिवस मनाया. इसमें प्रदेश कांग्रेस के सदस्य तापस महापात्र ने उनके चित्र पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. साथ ही उनकी जीवनी पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला. वहीं उपस्थित प्रखंड कमेटी के सदस्यों ने भी बारी-बारी से पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर देवदत्त घोष, कमल सिंह, संतोष माल, सुधीर सीट, सत्य घोष सहित अनेक कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे.

राजद ने सरदार पटेल को श्रद्धासमुन अर्पित किया

रांची। प्रदेश राजद कार्यालय में मंगलवार को देश के प्रथम गृहमंत्री लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती मनायी गयी. राजद नेताओं ने उन्हें याद करते हुए तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की. साथ ही युवा राजद के राष्ट्रीय महासचिव स्व विशु विशाल यादव के लिए श्रद्धांजलि सभा की गयी. पुष्प माला अर्पित कर दो मिनट मौन रखकर प्रार्थना किया गया. इस अवसर पर युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता यादव, इरफान अंसारी, विजय राम, प्रदेश उपाध्यक्ष शौकत अंसारी, प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता क्षितिज मिश्रा, सुरेश गोप, महानगर अध्यक्ष कमलेश यादव, राजेश यादव, ममता कुजूर, उर्मिला सोरेंग, शालिग्राम पांडे समेत कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे.

इंदिरा गांधी और सरदार पटेल की याद में श्रद्धांजलि सभा

मुसाबनी। मुसाबनी प्रखंड कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई. उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया गया. साथ ही एक बैठक आयोजित कर पार्टी संगठन को मजबूत करने पर विचार विमर्श किया गया. प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय शाह, ग्रामीण जिलाध्यक्ष अमित राय, लक्ष्मण चंद्र बाग, मो मुस्तकीम, एंथोनी बास्टिन, मो इब्राहिम, मो साबीर, मो सलाउद्दीन, मो शाहनवाज, मलिन भकत, शत्रुघ्न प्रसाद, राजेंद्र पासवान, श्याम गोडसोरा, मंगल सोरेन, संजय नायक, हिमांशु पात्र, पूर्णो भकत, पोमा टुडू, नेहा हेंब्रम, तुलसी कर्मकार, आरके मेरीदास, वर्षा दास आदि उपस्थित थे.

कांग्रेसियों ने इंदिरा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल को किया याद

संवाददाता। चंदवा

प्रखंड कांग्रेस कमेटी ने प्रखंड कार्यालय में देश की पहली पूर्व महिला प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की शहादत दिवस और लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्मदिन मनाया. कांग्रेसियों ने इंदिरा गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि असगर खान ने कहा कि इंदिरा गांधी की हत्या उनकी ही सुरक्षा में लगे सुरक्षाकर्मियों ने उनके आवास पर 31 अक्टूबर, 1984 को कर दी थी. भुवनेश्वर में एक कार्यक्रम में स्व. इंदिरा गांधी ने अपने भाषण में कहा था कि मैं आज यहां हूं, कल शायद न रहूं, मुझे चिंता नहीं, मैं रहूं या न रहूं, मेरा लंबा जीवन रहा है और मुझे इस बात का गर्व है कि मैंने अपना पूरा जीवन अपने लोगों की सेवा में बिताया. मौके पर रामयश पाठक, श्रीराम शर्मा, निर्मल भारती, हरिनंदन दुबे, संजय दुबे, गंदरू उरांव, बाबर खान, मुकेश सिंह, गिदयोन खाखा, संतोष साहु, रामू उरांव, लक्ष्मण साहु, कैलाश बैठा, सरफुद्दीन मियां सहित अन्य शामिल रहे.

इंदिरा गांधी व सरदार पटेल को दी गयी श्रद्धांजलि

आदित्यपुर। जिले के कांग्रेसियों ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की शहादत पर श्रद्धांजलि दी. वहीं सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर इन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया. दोनों कार्यक्रम का नेतृत्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष अम्बुज कुमार ने किया. मौके पर प्रदेश सचिव सुरेश धारी, श्रीराम ठाकुर, खिरोद सरदार आदि मौजूद रहे.

सरदार पटेल को भाजपा महिला मोर्चा ने दी श्रद्धांजलि

मनोहरपुर। भाजपा महिला मोर्चा ने आज मंगलवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148वीं जयंती को एकता दिवस के रूप में मनाया. इस अवसर पर महिला मोर्चा की नेत्री सीमा मुंडारी व महिला कार्यकर्ताओं ने सरदार पटेल की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. सीमा मुंडारी ने वहां उपस्थित महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं व समर्थकों को देश की संप्रभुता और एकता की शपथ दिलायी. सीमा मुंडारी ने कहा कि देश की आजादी में बल्लभ भाई पटेल का अहम योगदान है.

पुल का नाम तिलका मांझी हो : प्रतुल

संवाददाता। रांची

भाजपा ने मयूराक्षी नदी पर बने पुल का नाम शिबू सोरेन के नाम पर किये जाने पर आपत्ति जताई है. भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सरकार मयूराक्षी नदी पर बने पुल का नाम स्वतंत्रता सेनानी बाबा तिलका मांझी के नाम पर करे. ऐसा होने से न सिर्फ यह पूरे संथाल परगना और झारखंड बल्कि देश के लिए गौरव का विषय होगा. कहा कि बाबा तिलका मांझी ने 1784 में ही आजादी का झंडा बुलंद किया था और तत्कालीन ब्रिटिश कमिश्नर अगस्तस क्लेवलैंड की गुलेल और तीर से मारकर हत्या कर उलगुलान की शुरुआत की थी. तिलका मांझी और उनके अनुयायियों ने जंगल से अनेक हफ्तों तक अंग्रेजों के छक्के छुड़ा कर रखे थे. बाद में धोखे से उन्हें पकड़ कर

खास बातें

- शिबू सोरेन के नाम पर किये जाने पर आपत्ति जताई
- योजनाओं का श्रेय लेने को लेकर भी आपत्ति जताई

फांसी पर चढ़ा दिया गया. प्रतुल ने कहा कि ऐसा करना तिलका मांझी की शहादत के प्रति छोटी सी श्रद्धांजलि होगी.

भाजपा सरकार की योजनाओं का श्रेय कब तक लेते रहेंगे सीएम :

प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आखिर कब तक भाजपा सरकार के समय शुरू की गई योजनाओं का उद्घाटन कर जबरदस्ती श्रेय लेने की कोशिश करते रहेंगे.

मुख्यमंत्री एक भी ऐसी योजना बताएं, जो उनकी सरकार के कार्यकाल में शुरू हुई हो और जिसका उद्घाटन भी इन्होंने किया हो. कहा कि मयूराक्षी नदी पर बने पुल का टेंडर 1 सितंबर 2017 को हुआ था और ठेकेदार ने 12 फरवरी 2018 को काम शुरू कर दिया था.

ढुल्लू महतो में सही को सही व गलत को गलत कहने की हिम्मत है: विजय

संवाददाता। मैथन

बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो के खिलाफ कांग्रेस जिला अध्यक्ष संतोष सिंह द्वारा की गई बयानबाजी से ढुल्लू समर्थकों में काफी नाराजगी देखी जा रही है. चिरकुंडा स्थित टाइगर फोर्स कार्यालय में मंगलवार को टाइगर फोर्स के नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कांग्रेस नेता की बयान का कड़ी निंदा की. टाइगर फोर्स के नेता विजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेता संतोष सिंह विधायक ढुल्लू महतो की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं, जिसकी हम कड़ी भर्त्सना करते हैं. विजय सिंह ने कहा कि धनबाद जिला में एकमात्र नेता ढुल्लू महतो हैं, जो सही को सही और गलत को गलत कहने की हिम्मत रखते हैं. ये हिम्मत कांग्रेस नेताओं में नहीं है, जो सही को सही और गलत को गलत कह सके. कहा कि झारखंड में कांग्रेस गठबंधन की सरकार है. उन्हें अगर लगता है कि विधायक ढुल्लू महतो गलत है, जांच करवा लें. उन्होंने कांग्रेस नेता को ऐसे बयानबाजी से बचने की सलाह दी. मौके पर विजय सिंह के साथ रंजीत रवानी, बाबन मित्रा, रेखा देवी, निकू शर्मा, वासूदेव राय, विकास पांडे, चिरंजीत सिंह, शंकर महतो, विक्की साव आदि मौजूद रहे.

जमशेदपुर से ओडिशा गए भाजपाई

संवाददाता। जमशेदपुर

ओडिशा के 26वें राज्यपाल के रूप में रघुवर दास ने मंगलवार को पद व गोपनीयता की शपथ ली. उन्हें ओडिशा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस विद्युत रंजन षाड़ंगी ने शपथ दिलाई. इससे पहले रघुवर दास ने भुवनेश्वर के लिंगराज मंदिर में जाकर महाप्रभु लिंगराज का दर्शन कर आशीर्वाद लिया. शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल को राजभवन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. शपथ ग्रहण समारोह में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, संजय सेठ, सीपी सिंह, बिरंची नारायण, समरी लाल, प्रकाश राम, आशा लकड़ा, शिवपूजन पाठक, आरती कुजूर, मनमोहन सामल, सुरमा पाढ़ी, डॉ लेखाश्री सामंत श्रृंगार, प्रो. अच्युता सामंत, बाबू सिंह,

शपथ ग्रहण

- रघुवर दास ने ओडिशा के 26वें राज्यपाल के रूप में ली शपथ
- रघुवर दास ने लिंगराज मंदिर में पूजा-अर्चना की

प्रसन्ना मिश्रा, नवीन राम, रंजन पटेल, शेखर अग्रवाल, कुणाल षाड़ंगी, गुंजन यादव, रामबाबू तिवारी, दिनेश कुमार, कमलेश सिंह, भूपेंद्र सिंह, पवन अग्रवाल, कुलवंत सिंह बंटी, सुशांत पांडा, राकेश सिंह, संजीव सिंह, कमलेश साहू, प्रेम झा, संतोष ठाकुर, सतवीर सिंह सोमू, अमित अग्रवाल, गौतम प्रसाद, बोलटू सरकार, बिमल बैठा, रॉकी सिंह, दिलीप पासवान, रंजीत सिंह, अमिश अग्रवाल, नरेंद्र सिंह पिंटू, ऋषव सिंह, दीपक सिंह समेत अन्य शामिल हुए.

पुनर्गठन | पूनम देवी को जिलाध्यक्ष, निशा हेम्ब्रम को जिला सचिव बनाया गया

झामुमो की बैठक में महिला मोर्चा कमेटी का विस्तार

संवाददाता। बोकारो

बोकारो के सेक्टर वन बी स्थित झामुमो जिला कार्यालय में जिला कमेटी की बैठक की गयी. बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष हीरालाल मांझी ने की. इस अवसर पर झामुमो महिला मोर्चा की जिला कमेटी का पुनर्गठन व विस्तार किया गया. इसमें सर्वसम्मति से नावाडीह की पूनम देवी को जिलाध्यक्ष, बालीडीह की निशा हेम्ब्रम को जिला सचिव, जरीडीह प्रखंड की अंबिका देवी को जिला उपाध्यक्ष, चास प्रखंड की बबीता देवी को कोषाध्यक्ष, चन्द्रपुरा की जाहिदा खातून, कसमार की बसंती देवी, जरीडीह की लीलावती देवी व नावाडीह प्रखंड की सुनीता देवी को जिला संगठन सचिव बनाया गया.

झामुमो की बैठक में शामिल नेता व कार्यकर्तागण.

वहीं सोनाली देवी, चिंता देवी, षष्ठी देवी समेत एक दर्जन महिला सदस्यों को महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी समिति का सदस्य बनाया गया. इस दौरान जिलाध्यक्ष हीरालाल मांझी ने कहा कि झामुमो ने हमेशा अपनी पार्टी में महिलाओं को सम्मान देने का काम किया है. उन्होंने नवगठित महिला मोर्चा की जिला कमेटी के पदाधिकारियों व सदस्यों को बधाई देते हुए संगठन विस्तार एवं 2024 के लोकसभा व विधानसभा चुनाव के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने का निर्देश दिया. मौके पर जिला सचिव जयनारायण महतो, जिला उपाध्यक्ष विजय रजवार, महानगर अध्यक्ष मंटू यादव, जिला कोषाध्यक्ष अशोक मुर्मू, जिला संगठन सचिव शेरे आलम, कसमार प्रखंड अध्यक्ष दिलीप हेम्ब्रम, लुदु मांझी सहित अन्य मौजूद रहे.

खास बातें

- जरीडीह प्रखंड की अंबिका देवी जिला उपाध्यक्ष बनीं
- चास प्रखंड की बबीता देवी को कोषाध्यक्ष बनाया गया

विधायक ने डुमरा माटीगढ़ पथ निर्माण की आधारशिला रखी

कतरास। पथ निर्माण विभाग पथ प्रमंडल, धनबाद अंतर्गत बाघमारा प्रखंड के डुमरा पोस्ट ऑफिस से माटीगढ़ डैम पथ का राइंडिंग क्वालिटी में सुधार व मजबूतीकरण कार्य का शिलान्यास मंगलवार के दिन लुती पहाड़ी मोड़ में बाघमारा के विधायक ढुल्लू महतो ने विधिवत फीता काटकर व नारियल फोड़कर शिलान्यास किया. मौके पर विधायक ने कहा की दो बार मंत्री रहने के बावजूद बाघमारा विकास के कार्यों से अधूरा रहा. उन्होंने कहा कि शीघ्र बाघमारा प्रखंड जाने वाले महत्वपूर्ण रोड का निर्माण डीएमएफटी योजना से कराया जायेगा. इस मौके पर लुती पहाड़ी पंचायत के मुखिया नरेश कुमार गुप्ता, डुमरा उत्तर पंचायत के मुखिया बिनोद महतो, रिझु दास, डब्लू महथा, वरुण पांडे मौजूद रहे.

राज्य सरकार की नीति के कारण पूरे राज्य में बढ़े अपराध : मंटू महतो

संवाददाता। धनबाद

जिले में व्यवसायियों से रंगदारी व गिरती कानून व्यवस्था के खिलाफ आजसू कार्यकर्ताओं ने धनबाद के रणधीर बर्मा चौक पर 31 अक्टूबर को आजसू के धनबाद जिला अध्यक्ष मंटू महतो के नेतृत्व में एक दिवसीय धरना दिया ओर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. धरना में मौजूद जिला अध्यक्ष मंटू महतो ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार की नीति के कारण आपराधिक घटनाएं पूरे राज्य में दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं, जिसमें धनबाद सबसे आगे है. आजसू पार्टी इन सभी मुद्दों को लेकर धरना के माध्यम से धनबाद उपायुक्त के जरिए राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपेंगी, ताकि जल्द से जल्द धनबाद सहित पूरे राज्य में विधि व्यवस्था दुरुस्त हो और व्यवसाय वर्ग भयमुक्त व्यवसाय कर सके.

स्वास्थ्य विभाग ने झारखंड स्वास्थ्य बीमा योजना को लागू करने के लिए कर्मचारियों के साथ की बैठक

स्वास्थ्य बीमा के लिए बनेगा हेल्थ पैकेज, 1924 बीमारियां होंगी शामिल

विशेष संवाददाता। रांची

हेमंत सोरेन सरकार राज्य सरकार के अफसरों एवं कर्मचारियों के लिए लागू किए जाने वाले झारखंड स्वास्थ्य बीमा योजना को धरातल पर उतारने की तैयारी में जुट गयी है. अब सरकार जल्द ही हेल्थ पैकेज तैयार करेगी. इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग ने झारखंड के कर्मचारियों के साथ बैठक की. जिसमें झारखंड अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के लोग शामिल हुए. बैठक की अध्यक्षता विभाग के उपसचिव ध्रुव कुमार ने की. बैठक में तय किया गया कि देश में सबसे अधिक बीमारी स्वास्थ्य बीमा में तमिलनाडु सरकार कर रही है. मगर झारखंड सरकार इस स्कीम के तहत कुल 1924 बीमारियों को कवर करेगी. जिसमें 9 बीमारी का खर्च सरकार उठाएगी, जबकि 21 बीमारियों के इलाज का खर्च एलआईसी के माध्यम से किया जाएगा. इसके अतिरिक्त अन्य बीमारियों की अनुशंसा सरकार की एजेंसी झारखंड राज्य आरोग्य सोसाइटी के माध्यम से किया जाएगा. बैठक में महासंघ की ओर से अध्यक्ष देव नारायण मुंडा, महामंत्री कुमार साह, उपाध्यक्ष कौशल प्रसाद सिन्हा, मुक्तेश्वर लाल, गणेश प्रसाद सिंह,संरक्षक, रंजीत कुमार सिन्हा, बिनोद कुमार, अनिल कुमार, आशिर्वाद महतो, अखिलेश कुमार अम्बष्ठ, सौरभ कुमार, प्रभाष कुमार, अशोक कुमार, सुधांशु गुप्ता, कारण गुप्ता, पंकज कुमार, पवन कुमार,सुरेश हाजरा, सनातन कुमार,मो आलमगीर आदि शामिल हुए.

104 टॉल फ्री नंबर होगा जारी : इस स्कीम का फायदा कर्मचारियों को पहुंचाने के लिए सरकार एक टॉल फ्री नंबर जारी करेगी ताकि किसी को किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े. यह टॉल फ्री नंबर 104 होगा.

5 लाख तक का इलाज होगा कैशलेस

पूरा स्वास्थ्य बीमा पैकेज 10 लाख का होगा. जिसमें 5 लाख रुपए का इलाज पूरी तरह से कैलेश होगा. इसके बाद होने वाले खर्च पर अनुशंसा झारखंड राज्य आरोग्य सोसाइटी करेगी. इस पैकेज के तहत स्टंट लगाने का खर्च अन्य राज्य सरकार 26 हजार रुपए करती है मगर झारखंड सरकार 2.16 लाख रुपए तक वहन करेगी.

फैमिली पेंशनधारी को नहीं मिलेगा लाभ

झारखंड सरकार द्वारा तैयार किए जाने वाले हेल्थ पैकेज में सभी कर्मचारी, उसके परिजन एवं पेंशनधारी शामिल होंगे, मगर अगर मुख्य पेंशनधारी का निधन हो जाता है, तो उसके आश्रित पेंशनधारी को इसका लाभ नहीं मिलेगा.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- किस आदिवासी आंदोलन में झूम खेती की तरफ लौटने का आह्वान किया गया – **टाना भगत आंदोलन**
- राजा ब्राह्मणों को छोड़कर सबका स्वामी है, यह विचार किसके थे – **गौतम**
- लाल डेड (लल्ला योगेश्वरी) किस पंथ की अनुयायी थीं – **कश्मीरी शैव धर्म**
- किस राज्य ने रोप वे के लिए पोमा ग्रुप के साथ समझौता किया – **उत्तराखंड**
- मुक्तिवाहिनी सेना के सेनापति कौन थे – **पांडेय गणपत राय**
- नाभिवर्ष किस देश का ऐतिहासिक नाम है – **भारत**
- किस राज्य ने 100% ओडीएफ प्लस कवरेज हासिल किया – **उत्तर प्रदेश**
- केरल में विषु नामक त्यौहार किस महीने में मनाया जाता है – **अप्रैल**
- किस हड़प्पा स्थल पर एक स्याहीदानी की खोज की गई – **चन्हुदड़ो**

ब्रीफ खबरें

ईसीआर हाजीपुर जोन के जीएम बने एके खंडेलवाल

धनबाद। 30 अक्टूबर को ईसीआर हाजीपुर जोन के जीएम अनुपम शर्मा के सेवानिवृत्त होने के बाद एके खंडेलवाल को नया महाप्रबंधक बनाया गया है. नए जीएम ने हीजापुर मुख्यालय में पदभार ग्रहण कर लिया है. इससे पहले रेलवे बोर्ड में प्रमुख कार्यकारी निदेशक (गति शक्ति) के पद पर थे. खंडेलवाल भारतीय रेलवे इंजीनियरिंग सेवा के 1987 बैच के अधिकारी हैं. एमएनआईटी जयपुर से सिविल इंजीनियरिंग संकाय में स्नातक और आईआईटी रूड़की से एमटेक की डिग्री हासिल किया. भारतीय रेलवे में 34 वर्षों से कार्य कर रहे हैं.

दुमका में कांपी धरती घरों से बाहर भागे लोग

दुमका। झारखंड की उपराजधानी दुमका में आज मंगलवार अहले सुबह 3.35 बजे भूकंप के झटके महसूस किये गये. रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 मापी गयी. हालांकि भूकंप के झटके आने से किसी तरह की कोई हताहत की सूचना नहीं है. लोग अहले सुबह भूकंप के झटके महसूस करने के बाद दहशत में आ गये. सभी घर से बाहर निकल गये. नेशनल सेंटर ऑफ सिमयोलॉजी के अनुसार, भूकंप का केंद्र दुमका जिले से 24 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पूर्व में जमीन से पांच किलोमीटर की गहराई पर था.

स्वास्थ्य मेले में 336 रोगियों का हुआ इलाज

बालूमाथ (लातेहार)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बालूमाथ परिसर में मंगलवार को प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य व आयुष्मान मेला का आयोजन किया गया. स्वास्थ्य मेला में चिकित्सा पदाधिकारी प्रकाश बड़ाइक ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह का निःशुल्क स्वास्थ्य मेला लगने से सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए लाभदायक है. स्वास्थ्य मेला में आने वाले रोगियों के लिए दंत चिकित्सा, त्वचा की जांच, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, परिवार नियोजन, एड्स नियंत्रण के लिए परामर्श, कुष्ठ, टीबी नियंत्रण, मलेरिया व आंख जांच के लिए स्टॉल लगाया गया.

लोकल फोर वोकल के लिए निकली खादी यात्रा

देवघर। जिला खादी ग्रामोद्योग की ओर से शहर में खादी यात्रा आयोजन किया गया. इस जागरूकता यात्रा में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया. यात्रा आर मित्रा स्कूल से शुरु होकर शहर के मुख्य मार्गों में का भ्रमण किया और फिर वापस आर मित्रा स्कूल में आकर समाप्त हुआ. समिति के जिला समन्वयक श्याम नंदन राय ने कहा कि बच्चों के बीच खादी वस्त्र समेत अन्य स्थानीय उत्पाद जैसे मिट्टी के दीपक के इस्तेमाल के प्रति जागरूकता फैलाने के उदेश्य से यह यात्रा निकाली गई थी.

अस्पतालों में ओपीडी सेवाएं रहेंगी बाधित

धनबाद। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने जिला के व्यवसायियों के द्वारा आहूत अनिश्चितकालीन हड़ताल को समर्थन देते हुए अस्पतालों में ओपीडी सेवा बंद रखने का निर्णय लिया है. आईएमए के डॉ. राकेश इंदर सिंह ने कहा कि व्यवसायी संघ की ओर से बंद का आहवाहन किया गया है. जिसे ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन ने भी समर्थन दिया है. ऐसे में जब दवा दुकानें ही बंद रहेंगी तो डॉक्टर ओपीडी में मरीजों को दवाएं कैसे प्रिस्क्राइब करेंगे. इस वजह से आइएमए ने सभी अस्पतालों को ओपीडी सेवा बंद रखने का आग्रह किया है.

पश्चिम बंगाल की टीम भी हाथियों को भगाने में चार दिनों से है असफल

हाथियों के उत्पात से त्राहिमाम

धान के खेत में जंगली हाथी.

संवाददाता। चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में जंगली हाथियों की समस्या विकराल रूप धारण कर लिया है. आए दिन जंगली हाथियों को उत्पात कहीं ना कहीं होते रहता है. ऐसे में लोग दहशत के साये में रहने को विवश हैं. जब भी जंगली हाथियों का झुंड आबादी वाले क्षेत्र में आ धमकते हैं, वन विभाग ग्रामीणों को पटाखा, टॉर्च आदि देकर हाथियों के पहुंचने की सूचना देने के साथ उनसे सुरक्षित रहने की हिदायत देते हैं. वर्तमान में जगली हाथियों को वापस जंगल क्षेत्र में पहुंचाने के लिए पश्चिम बंगाल से हाथी भगाओं दस्ता बुलाया गया है. पुरुलिया जिला के झालदा से दस सदस्यीय एलिफैंड ड्राईव टीम चार दिनों से जंगली हाथियों के झुंड का आबादी वाले क्षेत्र से भगाने का प्रयास कर रही है, लेकिन अबतक उसे सफलता नहीं मिली है. इस टीम को 40 वर्षों का अनुभव है, लेकिन पिछले चार दिनों से टीम जंगली हाथियों को भगाने में असफल रहा है. फिलहाल लोग इस आशा में है कि टीम को सफलता मिलेगी और उनके खेतों में लगी फसल सुरक्षित रहेगा.

धादकीडीह जंगल में डाला है डेरा : चांडिल वन क्षेत्र के अधीन लुपुंगडीह पंचायत के बाना और पितकी गांव के ग्रामीण किसान विगत एक सप्ताह से गजराजों के झुंड से परेशान हैं. गजराजों का झुंड अंधेरा होते ही किसानों के खेतों की ओर रूख कर रहा है और खेत में लगे धान की फसल को अपना आहार बनाकर और रौंदकर बर्बाद कर रहे हैं. धान की फसल तैयार होने वाली है ऐसे समय में हाथियों का झुंड फसल को नष्ट कर दे रहे हैं. हाथियों से फसलों की सुरक्षा करने के लिए ग्रामीण रतजगा कर रहे हैं. इस झुंड में एक बच्चा हाथी समेत कुल 19 हाथी हैं. फिलहाल हाथियों का झुंड धादकीडीह के निकट अपना डेरा जमाये हुए है. इसके पहले हाथियों का झुंड रसुनिया जंगल में अपना डेरा डाले हुए था.

ईचागड पहुंचा 45-50 की संख्या में हाथी : अनुमंडल क्षेत्र के ईचागढ प्रखंड के समीवर्ती क्षेत्र में बुंडू, तमाड़, राहे की ओर से 45 से 50 की संख्या में जंगली हाथियों का झुंड पहुंचा है. वन विभाग के अनुसार फिलहाल हाथियों का झुंड कुटाम जंगल क्षेत्र में है. हाथियों का झुंड जिस रास्ते गुजर रहा है वहां भारी क्षति हो रही है. ऐसे में लोगों को रोज नुकसान उठाना पड़ रहा है. बड़ी संख्या में हाथियों के झुंड के पहुंचने से आम लोगों का शाम ढलने के बाद घर से निकलना मुश्किल हो गया है. वन विभाग जंगली हाथियों के झुंड पर नजर बनाए हुए है. संख्या अधिक रहने के कारण विभाग भी हाथ पर हाथ धरे बैठा है.

खास बातें

- धादकीडीह के पास डेरा जमाए हुए है 19 हाथियों का झुंड
- ईचागढ़ के कुटाम जंगल में 45-50 की संख्या में हैं हाथी

15 एकड़ में लगे धान की फसल को हाथियों ने रौंदा

हाथियों द्वारा बर्बाद फसल को दिखाते हुए किसान.

संवाददाता। गढ़वा

वन प्रमंडल गढ़वा के रंका अनुमंडल क्षेत्र के सीमावर्ती क्षेत्र भंवरी ग्राम के पंडरा पानी में बीती रात 30 से 40 हाथियों के समूह ने लगभग 15 एकड़ में लगे धान के फसल को खाकर पूरी तरह से बर्बाद कर दिया. हाथियों की चिंघार से ग्रामीण दहशत में हैं. यहां के किसान राजनाथ चौधरी, शीतल चौधरी, इंदेश चौधरी, राजा चौधरी, शिव वरत चौधरी, कमल चौधरी, विनोद चौधरी तथा प्रेम चौधरी की खेत में लगे फसल को हाथियों ने बर्बाद कर दिया है. मुखिया प्रतिनिधि शंभू प्रसाद गुप्ता तथा मुखिया गीता देवी ने हाथियों द्वारा बर्बाद किए गए धान के फसल का मुहाना किया और किसानों को आश्वासन दिया कि प्रशासन और वन विभाग से उन्हें मुआवजा दिलाया जाएगा. इस संबंध में मुखिया प्रतिनिधि शंभू प्रसाद गुप्ता ने रंका अंचल पदाधिकारी शिवपूजन तिवारी से भी मोबाइल से बात कर हाथियों के उत्पात की जानकारी दी और मुआवजा दिलाने का आग्रह किया. इधर वन विभाग के फॉरेस्टर राजीव कुमार पांडे का कहना है कि हाथियों के द्वारा जितना भी नुकसान किया गया है, उसका दोगुना मुआवजा वन विभाग देने को तैयार है. साथ ही उन्होंने कहा कि यदि हाथी आपके क्षेत्र में प्रवेश करें तो आप उनके साथ छेड़छाड़ ना करें और शांत रूप से रहे, ताकि जान माल का नुकसान ना हो सके.

हाथियों के दल की एक मादा हाथी जखमी, तलाश में विभाग

संवाददाता। चाकुलिया

विगत सोमवार की रात्रि चाकुलिया नगर पंचायत कि मुस्लिम बस्ती के शेख पाड़ा के पास जंगली हाथियों का एक दल आ पहुंचा था. इसी दल की एक मादा हाथी के जख्मी होने की सूचना है. आशंका है कि करंट युक्त तार से सट जाने के कारण मादा हाथी जख्मी हुई है. मादा हाथी पिछले एक पर से लंगड़ा रही है. पैर को घसीट कर चल रही है. मंगलवार को मादा हाथी को हवाई पट्टी क्षेत्र के जंगल में होने की सूचना वन विभाग को मिली. इसके बाद वन विभाग की टीम उसकी तलाश में जुट गई. प्रभारी वनपाल कल्याण चंद्र महतो के नेतृत्व में वन विभाग की टीम उसकी तलाश की. वन विभाग की टीम ने हवाई हवाई पट्टी क्षेत्र के जंगलों में मादा हाथी की काफी तलाश की. परंतु घायल मादा हाथी कहीं नजर नहीं आयी. ग्रामीणों के मुताबिक मादा हाथी काफी तकलीफ में है. जख्मी मादा हाथी को हवाई पट्टी क्षेत्र में स्वर्ण रेखा परियोजना के कैनाल के सिटी पॉल के पास स्थित तालाब के पास देखा गया था. इसके बाद से व उसका कोई पता नहीं चला.

हाथियों के दल ने धान की फसल बर्बाद कर दी

चाकुलिया। चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र के कमारीगोड़ा स्थित पक्का घाट तालाब के पीछे सोमवार की रात जंगली हाथी आ पहुंचे. हाथियों ने गांव के गोकुल सीट के करीब दो बीघा खेत में खड़ी धान की फसल को पैरों तले रौंद कर और खाकर बर्बाद कर दिया. इससे किसान को भारी नुकसान हुआ है. ज्ञात हो कि विगत रात्रि हाथियों का एक दल मुस्लिम बस्ती से सटे शेखपाड़ा के पास आ पहुंचा था. गांव के लोग हाथी के भय से अपने घरों से बाहर निकल आए थे. ग्रामीणों ने मसाल जलाकर और पटाखे फोड़ कर हाथियों को भगाया. सूचना पाकर वन विभाग की क्विक रिस्पांस टीम भी पहुंची और हाथियों को खदेड़ने में ग्रामीणों की मदद की.

16 अफसरों- कर्मियों केंद्रीय गृह मंत्री का विशेष पदक सम्मान

संवाददाता। रांची

केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने मंगलवार को झारखंड पुलिस के 16 अधिकारियों व कर्मियों को केंद्रीय गृह मंत्री के विशेष अभियान पदक से सम्मानित किया गया है. इन 16 अधिकारियों और कर्मियों को वर्ष-2023 में विशेष अभियानों (नक्सल के खिलाफ कार्रवाई) को लेकर सरदार पटेल की जयंती पर सम्मानित किया गया है. सम्मानित होनेवालों में झारखंड के एडीजी संजय आनंद राव लाटकर और आईजी एवी होमकर एवं राजकुमार लकड़ा भी शामिल हैं. इसके अलावा रांची रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे एवं तीन एसपी रैंक के अधिकारी भी सम्मानित किए जाएंगे.

कौन-कौन होंगे सम्मानित

– एडीजी संजय आनंद राव लाटकर, आईजी एवी होमकर, आईजी राजकुमार लकड़ा, डीआईजी

अनूप बिरथरे, एसपी अंजनी कुमार झा, एसपी शिवानी तिवारी, एसपी अंजनी अंजन, असिस्टेंट कमांडेंट कमलेश कुमार, इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह, एसआई गौतम कुमार, एसआई जमील अंसारी, एसआई मनोहर राम, सेकेंड इन कमांड विवेकानंद सिंह, हवलदार राज कुमार उरांव, कांस्टेबल रतन कुमार यादव और कांस्टेबल विष्णु शंकर.

मुकेश बजाज के घर दूसरे दिन भी जमी रही आयकर विभाग की टीम

गोड्डा। ठेकेदार मुकेश बजाज के लहरी टोला स्थित आवास पर दूसरे दिन भी आयकर विभाग की टीम जमी रही. कार्रवाई देर शाम तक चलती रही. सोमवार की अहले सुबह आयकर विभाग की टीम गोड्डा पहुंची थी. सोमवार को दिनभर जांच होती रही. देर रात्रि के बाद सुरक्षाकर्मी वहीं डटे रहे, जबकि अधिकारी वहां से निकल गए. मंगलवार की सुबह पुनः अधिकारियों का दल पहुंचा और जांच शुरू हुई. आयकर विभाग की छापेमारी में अधिकारियों के हाथ क्या लगी इसकी कोई स्पष्ट जानकारी तो अधिकारियों के हवाले से नहीं मिल पाई, मगर सूत्रों से आई खबरों के अनुसार, भारी कैश मिलने की बात बताई जा रही है. जिसे गिनने के लिए दो मशीनें भी मंगवाई गई थी. हालांकि दोपहर के बाद भागलपुर से आयकर विभाग के वरीय अधिवक्ता भी अपने मुवक्किल को बचाव के लिए पहुंचे थे, मगर वह आवास के बाहर ही रहकर फ़ोन से संपर्क करते रहे.

खर्च हुए 60 लाख, तालाब फिर भी गंदा

संवाददाता। चाकुलिया

चाकुलिया नगर पंचायत के कमारीगोड़ा के पास स्थित पक्का घाट तालाब के सौंदर्यीकरण के नाम पर नगर पंचायत के तहत 60 लाख रुपये खर्च हुए. बावजूद यह तालाब कचरे और गंदगी से बजबजा रहा है. चाकुलिया- धालभूमगढ़ मुख्य सड़क से सटे इस तालाब में बिखरे कचरे सहज ही देखे जा सकते हैं. ज्ञात हो कि तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य पिछले साल दिसंबर माह में पूरा हुआ था. तालाब के चारों ओर पेवर्स ब्लॉक बिछाए गए थे. मगर आलम यह है कि बिछाए गए पेपर्स ब्लॉक पर लंबी-लंबी झाड़ियां उगी हैं. पेपर ब्लॉक से गुजरना मुश्किल है. तालाब के किनारे लगी स्ट्रीट लाइटें भी खराब पड़ी हैं. तालाब के किनारे निर्मित शौचालय का ताला आज तक खुला नहीं है. परंतु शौचालय की दीवार पर लगाए गए टाइल्स अज्ञात लोगों द्वारा तोड़े जा रहे हैं. शौचालय के पास से ही तालाब में कचरों का अंबार दिखाई पड़ता है. नगर पंचायत प्रशासन का ध्यान इस और नहीं है. नियमित रूप से साफ सफाई नहीं हो रही है. यही कारण है कि तालाब की स्थिति बद से बदतर हो गयी है. मालूम हो कि यह तालाब नगर पंचायत क्षेत्र का सबसे प्रमुख तालाब है. इस तालाब में रोजाना सैकड़ों पुरुष-महिलाएं और बच्चे नहाते हैं. विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के अवसर पर इसी तालाब से कलश में जल भरकर कलश यात्रा निकाली जाती है. विभिन्न पूजा संपन्न होने के बाद मूर्तियों का विसर्जन भी इसी तालाब में होता है.

खास बातें

- सौंदर्यीकरण का कार्य पिछले साल दिसंबर माह में हुआ पूरा
- तालाब के किनारे लगी स्ट्रीट लाइटें भी पड़ी हैं खराब

2 करोड़ से बनने वाले पुल का हुआ भूमि पूजन

गढ़वा। रंका अनुमंडल क्षेत्र के ग्रामीणों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी होगी. मंगलवार को 2 करोड़ 65 लख रुपये की लागत से बनने वाले पुल का भूमि पूजन झामुमो टीम के अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता ने नारियल फोड़ कर किया. रंका अनुमंडल क्षेत्र के दूधवल पंचायत अंतर्गत अनहर बान्दू चुतरु को जोड़ने वाली नदी पर 2 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से पुल का निर्माण होना है. झामुमो टीम के अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता ने कहा कि मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के निर्देश पर भूमि पूजन किया गया है. मंत्री मिथिलेश ठाकुर लोगों से किये अपने हर वादे को पूरा करने में लगातार जुटे हैं. झारखंड मुक्ति मोर्चा युवा अध्यक्ष दीपक कुमार सोनी ने कहा कि मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर चुनाव के समय ग्रामीणों से वादा किया था कि चुनाव जीतने के बाद पुल का निर्माण हमारी प्राथमिकता सूची में रहेगी.

खुशखबरी शहीद खुदीराम बोस पार्क का विधायक व जिप उपाध्यक्ष ने किया शिलान्यास

फाटक के पास पार्क निर्माण होने से बदलेगी तस्वीर

संवाददाता। जमशेदपुर

परसुडीह के मखदुमपुर फाटक के पास बनने वाले शहीद खुदीराम बोस पार्क का मंगलवार को शिलान्यास हुआ. जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी और जिला परिषद उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा ने नारियल फोड़ कर इसका शिलान्यास किया. इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य पूर्णिमा मल्लिक, समाजसेवी मानिक मल्लिक के साथ काफी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता व स्थानीय लोग मौजूद थे. पार्क का निर्माण हो जाने से परसुडीह, मकदमपुर समेत आसपास के हजारों लोगों को काफी सहूलियत होगी. बता दें कि फाटक के समीप सड़क किनारे लगे कचरे के ढेर से निकलने वाली बदबू से लोग परेशान रहते थे. सड़क पर चलना दूभर हो गया था. इसकी जानकारी स्थानीय लोगों ने विधायक को देते हुए समस्या का समाधान करने की मांग की थी. इस पर पहल करते हुए विधायक ने कचरे की सफाई करा कर यहां पार्क बनाने की घोषणा की. इधर, पार्क का शिलान्यास होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है.

कार्यक्रम में मौजूद विधायक व अन्य.

समिति करेगी रखरखाव : पार्क का नामकरण वीर शहीद खुदीराम बोस के नाम पर होगा और उनकी एक प्रतिमा भी यहां स्थापित की जाएगी. यहां लोग मॉर्निंग व इवनिंग वॉक कर सकेंगे. आकर्षक गार्डन के साथ लोगों के बैठने के लिए कुर्सियों के अलावा झूले इत्यादि भी यहां लगाए जाने की योजना है. इसके रख-रखाव के लिए खुदीराम बोस स्मारक समिति का गठन किया जाएगा. विधायक निधि से बनने वाले इस पार्क के निर्माण में लगभग 15-20 लाख रुपये का खर्च आएगा. छठ घाट भी इसमें बनाया जाएगा.

वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी : विधायक ने कहा कि स्थानीय लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है. आने वाले समय में क्षेत्र का और भी विकास किया जाएगा. 18 करोड़ की लागत से खासमहल-परसुडीह-गोविंदपुर सड़क का निर्माण होने जा रहा है. सड़क का टेंडर निकल चुका है, जल्द ही टेंडर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सड़क निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा. जिप सदस्य पूर्णिमा मल्लिक ने इसके लिए विधायक का धन्यवाद दिया और क्षेत्र के विकास में आगे भी कार्य जारी रखने की बात कही.

मखदुमपुर फाटक

- परसुडीह समेत आसपास के हजारों लोगों को मिलेगा लाभ
- मॉर्निंग व इवनिंग वॉक कर सकेंगे लोग, रहेंगे स्वस्थ

कर्मियों की कमी के बाद भी कैसे पास हुए 5000 नक्शे : हाईकोर्ट

संवाददाता। रांची

नगर निगम के पास दो अगस्त से लेकर अक्टूबर महीने तक नक्शा पास करने के लिए छह हजार लोगों ने आवेदन दिया था, जिसमें से पांच हजार आवेदन को मंजूरी प्रदान कर दी गयी. मंगलवार को रांची नगर निगम की ओर से हाईकोर्ट को यह जानकारी मौखिक रूप से दी गयी. निगम की ओर से यह जानकारी मिलने के बाद हाईकोर्ट के जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की बेंच ने हैरानी जाहिर करते हुए कहा कि नगर निगम और आरआरडीए में कर्मचारियों की कमी है. ऐसे में इतनी अधिक संख्या में नक्शे कैसे स्वीकृत हो गए ? अदालत ने नगर निगम और आरआरडीए को शपथपत्र दाखिल कर इसकी जानकारी देने का निर्देश

दिया है. अदालत ने नगर निगम और आरआरडीए को शपथपत्र दाखिल कर यह बताने को कहा है कि हाईकोर्ट की रोक हटने के बाद नगर निगम और आरआरडीए में नक्शा स्वीकृति के लिए कितने आवेदन आए. इसमें कितने आवेदन स्वीकृत हुए और कितने आवेदन अब तक लंबित हैं. अदालत ने निगम और आरआरडीए को कोर्ट के समक्ष विस्तृत ब्योरा पेश करने का निर्देश दिया है. स्वतः संज्ञान से दर्ज इस जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में अब अगली सुनवाई 8 नवंबर को होगी.

झारखंड के 70 वर्षीय चर्चित मांदर वादक हैं प्रोस्टेट की बीमारी से परेशान

आयुष्मान कार्ड के लिए ठोकरें खा रहे हैं प्रयाग महतो

शेखर शरदेंदु । बोकारो

आम आदमी या यूं कहें गरीबों के इलाज के लिए सरकार ने आयुष्मान योजना की शुरुआत की है. इस योजना का लाभ तभी मिल सकता है, जब राशन कार्ड में नाम दर्ज हो. बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के सुदूरवर्ती सिंहपुर गांव निवासी गरीब 70 वर्षीय प्रयाग महतो प्रोस्टेट ग्रंथि की बीमारी से पिछले दो माह से परेशान हैं.

कई निजी अस्पतालों में इलाज कराया लेकिन पैसे व मुफलिसी के कारण ऑपरेशन नहीं करा पा रहे हैं. आयुष्मान योजना से उनका निःशुल्क ऑपरेशन तो हो सकता है,

कसमार प्रखंड मुख्यालय में अपनी व्यथा सुनाते प्रयाग महतो.

लेकिन क्या करें, सरकारी बाबुओं ने उनका नाम अभी तक राशन कार्ड में जोड़ा ही नहीं. प्रयाग महतो भले ही गरीब सही, लेकिन वो झारखंड एवं खोरठा क्षेत्र के चर्चित मांदर वादक हैं. उन्होंने अब तक 7 से 8 बार आकाशवाणी से लेकर दूरदर्शन में अपनी मांदर की कला का प्रदर्शन किया है. एक साल पहले रामगढ़ में आयोजित खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद के वार्षिक सम्मेलन में खोरठा रत्न की भी उपाधि मिली है.

प्रोस्टेट की परेशानी बढ़ती जा रही है

प्रयाग महतो ने बताया कि उनके बेटे सुखदेव महतो के पास सरकारी राशन कार्ड है, जिसमें उनकी पत्नी से लेकर बेटे, बहु, पोता, पोती व बेटी का नाम दर्ज है, लेकिन कार्ड में उनका नाम नहीं है. इसको लेकर 17 जुलाई 2017 को ही आपूर्ति विभाग को नाम जोड़ने हेतु आवेदन दिया, लेकिन अब तक राशन कार्ड में नाम नहीं जुड़ पाया. इधर ऑनलाइन सर्च करने पर राशन कार्ड अप्रूव्ड भी दिख रहा है, लेकिन इसके बावजूद किन कारणों से उनका नाम राशन कार्ड में नहीं जुड़ पाया, ये समझ से परे है. फिलहाल स्थिति ऐसी है कि प्रोस्टेट की परेशानी बढ़ती जा रही है. समय रहते उनका इलाज व ऑपरेशन नहीं हो पाया, तो उनकी जान पर भी खतरा है. प्रोस्टेट के दर्द से रात भर तड़पने के बावजूद वे कसमार अंचल कार्यालय से लेकर जिला मुख्यालय अपने बेटे के साथ चक्कर लगा रहे हैं. उन्होंने स्थानीय विधायक, सांसद समेत सीएम से जान बचाने के लिए राशन कार्ड में नाम जोड़ने की गुहार लगायी है.

गोमिया सीओ से मिला विस्थापित संघर्ष समिति

बेरमो। विस्थापित संघर्ष समिति, गोमिया का एक प्रतिनिधिमंडल गोमिया के अंचलाधिकारी से मिला. प्रतिनिधिमंडल ने गोमिया के अंचलाधिकारी को दो सूत्री मांग पत्र सौंपकर गोमिया में प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने एवं ओवरब्रिज से होने वाले विस्थापितों के मुआवजा की प्रक्रिया को तेज करने की मांग की. प्रतिनिधिमंडल में शामिल विस्थापित संघर्ष समिति के सचिव राकेश कुमार ने कहा गोमिया में रेलवे ओवरब्रिज जिसकी मांग वर्षों से होती रही है. उसके निर्माण में काफी विलंब किया जा रहा है, जो गोमिया के लोगों के लिए एक चिंता का विषय है. उन्होंने गोमिया के अंचलाधिकारी से मिलकर ओवरब्रिज के निर्माण कार्य को शुरू करवाने एवं भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

किसकी रचनाओं में झारखंड शब्द का उल्लेख एक पद में आया है ?
– कबीर दास

झारखंड राज्य के किस ताम्रपाषाणकालीन स्थल से लोहे की आरी प्राप्त हुई है ?
– बसिया

किस जनजाति को झारखंड राज्य की सबसे प्राचीन जनजाति माना जाता है ?
– बिरहोर

झारखंड राज्य के किस नदी तट से खड़िया जनजाति की प्रथम बस्ती का प्रमाण मिलता है ?
– दक्षिण कोयल

किस झारखंडी भाषा की समानता कन्नड़ से पाई जाती है ?
– कुड़ुख

अमरकोश पुस्तक में चाईबासा शहर के लिए किस शब्द का प्रयोग किया गया है ?
– श्रीवास

'झारखंड इतिहास एवं संस्कृति' पुस्तक के लेखक कौन है ?
– डॉ. वीरोत्तम

राजमहल क्षेत्र स्थित कांकजोल से बुद्ध की मूर्तियों की खोज किसने की थी ?
– कनिंघम

किस राजवंश के सिक्के राँची के आस – पास के क्षेत्र से प्राप्त हुए हैं ?
– कुषाण

किस साहित्य से झारखंड में जैन धर्म के प्रभाव का विवरण मिलता है ?
– आचारांगसूत्र

ब्रीफ खबरें

रेखा का आंगनबाड़ी सेविका के लिए चयन

बेरमो। गोमिया पंचायत सचिवालय में आंगनबाड़ी सेविका चयन को लेकर मंगलवार को ग्राम सभा का आयोजन किया गया. इस ग्राम सभा में सीडीपीओ अलका रानी की उपस्थिति में पंचायत के चौधरी टोला के आंगनबाड़ी सेविका के पद पर रेखा कुमारी चुनी गई. शैक्षणिक योग्यता, उम्र आदि के मिलान के बाद रेखा कुमारी सबसे अधिक 38 अंक लाकर सेविका चुनी गई. सीडीपीओ अल्का रानी, मुखिया बलराम रजक, पंसस जनकदेव यादव, उप मुखिया अनिल कुमार यादव, प्रखंड बीस सूत्री सदस्य रामकिशुन रविदास व ऐनुल होदा आदि ने रेखा कुमारी को सेविका चयन का प्रमाण पत्र सौंपा. मौके पर राजकुमार यादव, रोहित यादव, विकास कुमार यादव, रघुनाथ चौधरी, ओमकिंकर स्वर्णकार, किशोर वर्मन, कोपेश्वर यादव, राजेश यादव, महेंद्र नायक आदि मौजूद थे.

आज 2 घंटे नहीं रहेगी बिजली, होगा मेंटेनेंस

गोविंदपुर। विद्युत शक्ति उपकेंद्र आमाघाटा से निकलने वाले 11 केवी गोविंदपुर बाजार फीडर से बुधवार दिन 11:00 बजे से 1:00 तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी. कनीय विद्युत अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि इस दौरान लाइन के आसपास के पेड़ों की कटाई-छटाई की जाएगी और लाइन मेंटेनेंस का कार्य किया जायेगा. इससे गोविंदपुर ऊपर बाजार, नीचे बाजार, मास्टर कॉलोनी, फकीरडीह, गांव भीतर, विलेज रोड, गांधी मेला पथ, छठ तालाब, कम्हारडीह, साहेबगंज रोड आदि इलाकों की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी.

सीओ के नेतृत्व में बालू लदा हाइवा किया जब्त

चाकुलिया। अंचल अधिकारी उपेंद्र कुमार के नेतृत्व में अंचल की टीम ने सोमवार देर रात्रि को श्यामसुंदरपुर थाना क्षेत्र में अवैध बालू के परिवहन के खिलाफ छापामारी अभियान चलाया. टीम ने राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या 18 पर बालू से लदे एक हाइवा को जब्त कर लिया. हाइवा को श्यामसुंदरपुर थाना के हवाले कर दिया गया. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है. अंचल की टीम की गई इस कार्रवाई से बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है.

सेवानिवृत्त हुए सीसीएल कर्मियों को दी गई विदाई

कथारा। सीसीएल कथारा क्षेत्र के विभिन्न परियोजनाओं के अलग-अलग विभाग से सेवानिवृत्त हुए 15 सीसीएल कर्मियों को कथारा क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय के सभागार में सम्मान समारोह आयोजित कर विदाई दी गई. विदाई सह सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सीसीएल कथारा क्षेत्र के एसओपी जयंत कुमार शामिल हुए. उन्होंने सभी सेवानिवृत्त हुए सीसीएल कर्मियों को माला पहनाकर स्वागत किया. सेवानिवृत्त कर्मियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया.

मनरेगा समेत कई योजनाओं की समीक्षा

पीरटांड़। प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार मरांडी की अध्यक्षता में मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में मनरेगा कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक की गई. बैठक में बीपीओ, रोजगार सेवक, पंचायत सेवक, कनीय अभियंता, जीआरएस कंप्यूटर आपरेटर आदि उपस्थित हुए. बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने मनरेगा व 15वें वित्त योजना सहित अन्य योजनाओं की बारी-बारी से समीक्षा की.

मनमानी : अधिकारी बता रहे कास्ट सर्टिफिकेट जरूरी, मंत्री बोले- जरूरी नहीं

जाति प्रमाण पत्र के बगैर नहीं बनेगा राशन कार्ड

प्रवीण कुमार । लातेहार

झारखंड में खाद्य सुरक्षा कानून का खुलेआम उल्लंघन कर भारी संख्या में राशन कार्ड आवेदन रिजेक्ट किए जा रहे हैं. राशन कार्ड के लिए किए गये आवेदनों को निपटाने का राज्य के अधिकारियों ने नया तरीका खोजा है. लंबित आवेदन को कम करने के लिए अधिकारी जाति प्रमाण पत्र नहीं होने की बात कहकर आवेदनों को रिजेक्ट कर रहे हैं. वहीं राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री रामेश्वर उरांव का कहना है कि जाति प्रमाण पत्र नहीं होने से किसी का आवेदन अस्वीकृत नहीं किया जा सकता. मगर अधिकारी इसी को आधार बनाकर राशन कार्ड के आवेदन को रिजेक्ट कर रहे हैं. जिला आपूर्ति पदाधिकारी लातेहार ने भी 58 राशन कार्ड के आवेदन बिना कारण बताए रिजेक्ट कर दिया है. वहीं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों द्वारा आवेदक का उम्र कम होना, मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं दिया जाना, बैंक पासबुक,आवेदक का आधार नहीं होने को कारण बताकर आवेदन रिजेक्ट किया जा रहा है.

कितने आवेदन किस कारण से किए गये रिजेक्ट : जिला के बालूमाथ प्रखंड में में 40 आवेदन, बरवाडीह में 28 राशन कार्ड आवेदन, लातेहार प्रखंड में 27 राशन कार्ड आवेदन, महुआडांड में 17 राशन कार्ड आवेदन, गारू में 16 राशन कार्ड आवेदन, बारियातू में 16 राशन कार्ड आवेदन एवं हेरहंज में 1 राशन कार्ड आवेदन जाति प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण रिजेक्ट किए गए हैं. मनिका एवं चंदवा में सभी राशन कार्ड आवेदन ब्लॉक स्तर पर पेंडिंग हैं. प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों ने राशन कार्ड के 11 आवेदन को आवेदक के कम उम्र होने का कारण बताकर, 5 आवेदन में पिता के मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं होने का कारण, 6 आवेदन बैंक पासबुक नहीं होने के कारण, 6 आवेदन आधार संबंधित समस्या के कारण और 10 आवदेन बिना किसी स्पष्ट कारण बताए रिजेक्ट किए गए हैं.

कैसे बनता है राशन कार्ड : राशन कार्ड बनवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना पड़ता है. ऑनलाइन आवेदन पहले बीएसओ लॉग इन के माध्यम से प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा स्वीकृत कर डीएसओ लॉग इन में भेजा जाता है. उसके बाद जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा स्वीकृति के बाद राशन कार्ड सूची में नाम जुड़ता है. वर्तमान में राशन कार्ड बनवाने के लिए ऑनलाइन करते समय फोन नंबर (आवेदक का या किसी अन्य का) आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं जाति प्रमाण पत्र मांगे जाते हैं लेकिन इनमें से सिर्फ आधार कार्ड एवं फोन नंबर देना अनिवार्य है. जाति प्रमाण पत्र एवं बैंक पासबुक देना अनिवार्य नहीं है. यानि कि अगर आपके पास सिर्फ आधार है तो आप ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत जाति प्रमाण पत्र का प्रावधान शुरू से है, लेकिन अनिवार्य नहीं है. पिछले 3 माह से जाति प्रमाण पत्र संलग्न नहीं होने के कारण भारी संख्या में राशन कार्ड आवेदन रिजेक्ट किए गए हैं. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत राशन कार्ड के लिए जाति प्रमाण पत्र अनिवार्य नहीं है. ऐसे में जाति प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण राशन कार्ड नहीं बनना खाद्य सुरक्षा कानून का उल्लंघन है.

क्या कहते हैं खाद्य आपूर्ति मंत्री ?

राशन कार्ड बनाने के लिए जाति प्रमाण पत्र की अनिवार्यता नहीं है. मामला मेरे संज्ञान में नहीं आया है. अधिकारी जाति प्रमाण पत्र के कारण राशन कार्ड को रिजेक्ट नहीं कर सकते हैं. रिजेक्ट करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होगी.

लातेहार में तीन माह में 310 राशन कार्ड के आवेदन कर दिये गये रिजेक्ट

लातेहार जिला में पिछले 3 महीना में ऑनलाइन किए गए 310 राशन कार्ड में 241 राशन कार्ड आवेदन को रिजेक्ट कर दिया गया है. 241 में से 145 राशन कार्ड आवेदन प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों द्वारा जाति प्रमाण पत्र नहीं होने का कारण बताकर रिजेक्ट कर दिया गया है. रिजेक्ट किए गए आवेदनों में से 10 आवेदन आदिम जनजाति परिवारों के, 115 आवेदन आदिवासी परिवारों के एवं 17 आवेदन दलित परिवारों के हैं.

केस स्टडी-1

सबिता देवी आदिवासी विधवा महिला हैं. पति दो साल पहले गुजर गए हैं. इनकी दो साल की बच्ची है. सबिता मजदूरी कर घर चलाती हैं. सबिता देवी कहती हैं कि वे अकेली महिला हैं, अगर राशन कार्ड नहीं बना तो क्या भूखे मरेंगी?

सबिता देवी, (पति स्व. धर्मेंद्र सिंह खरवार) ग्राम बरखेता, पंचायत लात, प्रखंड बरवाडीह

केस स्टडी-2

पति-पत्नी मजदूरी करके घर चलाते हैं. घर का मुश्किल से गुजारा होता है. काम नहीं मिलने पर भूखा रहना पड़ता है. कृति देवी का कहना है कि वे निरक्षर हैं उन्हें नहीं पता कि जाति प्रमाण पत्र क्या होता है, कैसे बनता है. कृति देवी का सत्ता से सवाल है क्या प्रमाण पत्र नहीं बनेगा तो बच्चे भूखे रहेंगे?

कृति देवी (पति राजनाथ परहिया) ग्राम मुर्गीडीह, पंचायत मंगरा, प्रखंड बरवाडीह

केस स्टडी-3

जाति प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण राशन कार्ड आवदेन रिजेक्ट कर दिया गया है.
रीता देवी (पति संजय परहिया) ग्राम हेंदेहास, पंचायत मंगरा, प्रखंड बरवाडीह

केस स्टडी-4

जाति प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण राशन कार्ड आवदेन रिजेक्ट कर दिया गया है.
केश्वर बैगा (पिता राम प्रसाद परहिया) ग्राम हेंदेहास,पंचायत मंगरा, प्रखंड बरवाडीह

धनबाद होकर चलेगी रांची-कटिहार पूजा स्पेशल

- छठ पूजा में बिहार जानेवाले यात्रियों को मिलेगी राहत, बुकिंग शुरू

संवाददाता। धनबाद

नियमित ट्रेनों में छठ पूजा तक काफी भीड़ और टिकटों की लंबी वेटिंग होने से यात्रियों की सुविधा के लिए पिछले कई महीनों से चल रही रांची-कटिहार-रांची पूजा स्पेशल ट्रेन का फेरा बढ़ाया गया है. रेलवे सूत्रों के अनुसार ट्रेन नंबर 05761 रांची-कटिहार स्पेशल हर शुक्रवार को रांची से सुबह 05:30 बजे खुलेगी, जो चंद्रपुरा होकर धनबाद 09:50 बजे पहुंचेगी. यहां ठहराव के बाद कुल्टी-चितरंजन के रास्ते जसीडीह, झाझा, बेगुसराय होकर कटिहार रात में 20:00 बजे पहुंचेगी. जबकि ट्रेन नंबर 05762 कटिहार-रांची स्पेशल हर गुरुवार को कटिहार से दिन के 14:00 बजे खुलेगी, जो जसीडीह होकर धनबाद देर रात 22:50 बजे पहुंचेगी. यहां रुकने के बाद चंद्रपुरा के रास्ते रांची तड़के 03:40 बजे पहुंचेगी. ट्रेन संख्या 05761 रांची-कटिहार 01 दिसंबर और ट्रेन संख्या 05762 कटिहार-रांची 30 नवंबर तक चलेगी.

जैनामोड़ रेफरल अस्पताल के आदेशपाल को हार्ट अटैक, मौत

संवाददाता। बोकारो

जरीडीह प्रखंड के जैनामोड़ स्थित रेफरल अस्पताल में कार्यरत आदेशपाल 56 वर्षीया हसीना बीबी का निधन मंगलवार को हार्ट अटैक से हो गया. निधन की सूचना मिलते ही अस्पताल में शोक की लहर दौड़ गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को हसीना बीवी हमेशा की तरह अपने स्टाफ क्वार्टर से ड्यूटी आई थी. दोपहर के समय उसकी तबियत खराब महसूस होने पर प्राथमिक उपचार करा कर अपने क्वार्टर में आराम करने गई थी. जहां दिल का दौरा पड़ने से उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने लगी. आनन फानन में अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. हसीना के निधन के बाद प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार ने बुधवार को पूरा दिन साधारण ओपीडी बंद रहने की घोषणा की है. जबकि आवश्यक चिकित्सा सुविधा बहाल रहेगी.

बोरिंग से टूटा जलापूर्ति का पाइप, 400 लोग प्रभावित

संवाददाता। तिसरी

खास बातें

- एक माह बाद भी मरम्मत नहीं होने से ग्रामीणों में रोष
- पीएचईडी ऑफिस में दी गई है खराबी की जानकारी

प्रखंड अंतर्गत चंदौरी पंचायत के मोदीबीघा-बगिया में नल जल योजना द्वारा किए जा रहे बोरिंग से पेयजलआपूर्ति की पाइपलाईन के टूटे एक माह बीत गए, फिर भी मरम्मत नहीं होने के कारण जलापूर्ति पूरी तरह बाधित है. जिससे लगभग 400 की आबादी प्रभावित है. इसको लेकर ग्रामीणों ने आक्रोश जताया है. मंगलवार को स्थानीय जलसहिया सविता देवी, देवंती देवी, किरण देवी, बेली देवी, रेखा देवी, जमीनी देवी, सुगनी देवी, गीता देवी आदि कई महिला व पुरुष ग्रामीणों ने टूटे हुए पाइपलाईन के जल्द मरम्मत की मांग की. इस संबंध में स्थानीय जलसहिया सविता देवी बताती हैं कि विभाग द्वारा पंचायत के नईटांड में पानी टंकी का निर्माण कराकर पाइपलाईन के माध्यम से जलापूर्ति शुरू की गई. जिससे ग्रामीणों को राहत मिलती थी लेकिन एक माह पूर्व नल जल योजना के तहत किए जा रहे बोरिंग से पाइप टूट गई. जिसके कारण जलापूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है. कहा कि उन्होंने पीएचईडी ऑफिस में फोन के माध्यम से इसकी जानकारी दी थी लेकिन एक माह बाद भी विभाग से कोई सार्थक पहल नहीं दिखी. वहीं इस संबंध में स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार दयाल ने कहा कि उन्होंने विभाग के जेई को इसकी जानकारी दी है. उन्होंने टूटे हुए पाइपलाईन की जल्द मरम्मत करवाने की बात कही.

आरोपी दारोगा कनौजिया की क्रिमिनल रिवीजन पर हाईकोर्ट में मंगलवार को हुई सुनवाई

रूपा तिर्की मौत केस का ट्रायल होगा शुरू

संवाददाता। रांची

साहिबगंज की दिवंगत महिला थाना प्रभारी रूपा तिर्की की आत्महत्या के आरोपी दारोगा शिव कुमार कनौजिया की क्रिमिनल रिवीजन पर झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई. अपनी याचिका में उन्होंने यह आग्रह किया था कि पुलिस ने इस केस में जो चार्जशीट दाखिल की है, उसे स्वीकार नहीं किया जाए. बल्कि सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार किया जाए. सुनवाई के दौरान अदालत ने ट्रायल पर लगी रोक हटाते हुए शिव कुमार कनौजिया की याचिका निष्पादित कर दिया. हाईकोर्ट के आदेश पर रूपा तिर्की की मौत के केस का ट्रायल रुका हुआ था. जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई. शिव कुमार की ओर से अधिवक्ता रोहितस्य रॉय और विभोर

मयंक ने बहस की. इस केस में साहिबगंज जिले के बोरियो थाना में मामला (कांड संख्या 127/2021) दर्ज किया गया है. शिव कुमार कनौजिया फिलहाल जमानत पर हैं. उन्हें झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत की सुविधा प्रदान की है.

पूरे मामले की जांच सीबीआई ने की है : साहिबगंज महिला थाना प्रभारी रूपा तिर्की आत्महत्या मामले में साहिबगंज पुलिस ने 2018 बैच के दारोगा शिव कनौजिया को नौ मई 2021 को गिरफ्तार किया था. इस पूरे मामले की जांच सीबीआई ने की है.

हाईकोर्ट ने रांची सिविल कोर्ट के रजिस्ट्रार से पूछा- प्रार्थी को नकल की कॉपी क्यों नहीं दी गई

रांची । रिटायर्ड आईएएस की पत्नी और निलंबित भाजपा नेता सीमा पात्रा की क्रिमिनल रिट पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने रांची सिविल कोर्ट के रजिस्ट्रार से यह जानकारी मांगी है कि चार्जशीट पर ट्रायल कोर्ट द्वारा लिए गए संज्ञान की नकल प्रार्थी को क्यों नहीं दी गई. अदालत ने इस संबंध में सिविल कोर्ट के रजिस्ट्रार को शपथ पत्र के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. झारखंड हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार को इस आदेश की कॉपी रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त को देने का निर्देश दिया गया है. जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई. अदालत अब इस मामले में 6 नवंबर को सुनवाई करेगी.

युवती को बंधक बनाकर रखने का है आरोप : बता दें कि 31 अगस्त को सीमा पात्रा को गिरफ्तार किया गया था. उन पर आदिवासी युवती की प्रताड़ना का आरोप है. दरअसल, अशोक नगर स्थित रोड नंबर एक में रहने वाली बीजेपी नेत्री सीमा पात्रा के खिलाफ आईपीसी की धारा 323, 325, 346 और 374 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है. उन पर अपने आवास पर लंबे समय से एक युवती को बंधक बनाकर रखने का आरोप है. जिसे पुलिस ने मुक्त कराया था. हाईकोर्ट में दाखिल क्रिमिनल रिट में उन्होंने अपने ऊपर दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग की है. उनकी ओर से अधिवक्ता राखी रानी पक्ष रख रही हैं.

सिविल कोर्ट के कर्मी ने पुलिस वालों को दी गाली

रांची। रांची सिविल कोर्ट के एक पेशकार पर पुलिस के साथ बदतमीजी करने का आरोप लगा है. कांके थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर बीरेन्द्र कुमार मेहता ने सिविल कोर्ट के पेशकार विकास कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए, उसकी लिखित शिकायत सिविल कोर्ट के रजिस्ट्रार को दी है. अपनी शिकायत में सब इंस्पेक्टर बीरेन्द्र कुमार मेहता ने कहा है कि वह ड्यूटी के दौरान रात्रि गश्ती पर थे. इसी दौरान उन्होंने देखा कि एक गाड़ी डिवाइडर पर चढ़ गई है. जब उन्होंने गाड़ी चालक को रुकने के लिए कहा, तो उसने अपनी गाड़ी नहीं रोकी और कार लेकर भागने लगा. पुलिस ने पीछा कर कार को रुकवाया. कार में एक युवक और दो युवतियां सवार थी. चालक नशे की हालत में था. जैसे ही पुलिस कार के पास पहुंची कार चला रहे युवक विकास कुमार गश्ती में तैनात पुलिसकर्मियों के साथ उलझ गया और उन्हें यह कह कर धमकाने लगा कि वह सिविल कोर्ट का कर्मचारी है.

विदाई | अपर नगर आयुक्त बोले, अगर भवन बना तो उद्घाटन समारोह में जरूर आऊंगा

नगर प्रशासनिक भवन नहीं बनने का है मलाल

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर के अटल स्मृति सभागार में सोमवार की देर शाम आयोजित अपने विदाई समारोह में अचानक अपर नगर आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद का दर्द छलक उठा. वे बोले कि मुझे आदित्यपुर में नगर प्रशासनिक भवन नहीं बनने का अब भी मलाल है. मैं तो जा रहा हूं, लेकिन नगर प्रशासनिक भवन का फंड अब भी उपलब्ध है और मुझे पूरा भरोसा है कि नए प्रशासक आलोक कुमार जरूर मेरे ड्रीम प्रोजेक्ट को पूरा करेंगे. अगर नगर प्रशासनिक भवन बना तो उसके उद्घाटन समारोह में मैं जरूर आऊंगा. हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि मैंने 15वें वित्त

विदाई समारोह में बोलते अपर नगर आयुक्त

आयोग में 40 करोड़ रुपये की योजना भेजी है. वर्तमान में आदित्यपुर का विकास प्लिंथ तक आ पहुंचा है, अब आदित्यपुर को सुंदर और सुसज्जित बनाने की बारी है.

नगर प्रशासनिक भवन का पुरेंद्र ने किया है विरोध : बता दें कि जागृति मैदान को क्षेत्र के लोगों के लिए एकमात्र खेल का मैदान होने की बात कहकर नगर पर्षद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह ने विरोध किया था. उन्होंने जागृति मैदान में नगर प्रशासनिक भवन बनाने का न सिर्फ विरोध किया था, बल्कि मैदान में कार्यक्रम आयोजित कर यहां सरकार के दो-दो मंत्री बन्ना गुप्ता और चंपई सोरेन को बुलाकर जागृति मैदान को स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव भी भेजा है. हालांकि 2 वर्ष बीत जाने के बाद भी अब तक जागृति मैदान का सौंदर्यीकरण और स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव सरकार ने कैबिनेट में नहीं लाया है, जिसका इंतजार आदित्यपुर वासियों को बेसब्री से है. हालांकि पुरेंद्र नारायण सिंह ने कहा कि वे नगर प्रशासनिक भवन बनने का विरोध नहीं कर रहे हैं, शहर के बीच बची एकमात्र खेल के मैदान को बचाने के लिए विरोध किया था और आज भी करता हूं. उन्होंने कहा कि नगर निगम में 35 वार्ड हैं.

नगर निगम नगर प्रशासनिक भवन को किसी दूसरे वार्ड में उपयुक्त जगह देखकर बनाए. मैं इसका स्वागत करूंगा. उन्होंने कहा कि मैं जल्द नए प्रशासक से इस प्रस्ताव को लेकर मिलूंगा और आदित्यपुर के विकास में अपनी सहभागिता निभाऊंगा. जहां तक जागृति मैदान के सौंदर्यीकरण की बात है तो हाल ही में मंत्री चंपई सोरेन से बात हुई है.

खास बातें

- मंत्री ने मैदान को स्टेडियम बनाने का भेजा है प्रस्ताव
- जागृति मैदान में भवन बनाने का पूर्व उपाध्यक्ष ने किया था विरोध

डीसी ने की समाज कल्याण विभाग की समीक्षा, दिये निर्देश

संवाददाता। धनबाद

धनबाद डीसी वरुण रंजन की अध्यक्षता में मंगलवार को समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी. इस दौरान डीसी ने विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की. साथ ही उन्होंने पदाधिकारियों को कई निर्देश दिये. डीसी ने आंगनबाड़ी के बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा देने के लिए महिला पर्यवेक्षकों की टीम बनाने को कहा. साथ ही डीसी ने पोषण ट्रैक्टर एप की मदद से कुपोषित बच्चों के लिए अभियान चलाने का निर्देश दिया. बच्चों के स्वास्थ्य की निगरानी करने के लिए नियमित रूप से उनका हेल्थ चेकअप करने पर भी जोर दिया. डीसी ने कहा कि आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों को पढ़ना-लिखना आना चाहिए. जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने डीसी को बताया कि धनबाद सदर के लिए जिन सेविका एवं सहायिका का चयन हुआ है, इसका प्रस्ताव अभी तक सीडीपीओ ने नहीं भेजा है.

ब्रीफ खबरें

अभियान चला तोड़ी गईं देसी शराब की भट्ठियां

डुमरिया। डुमरिया थाना अंतर्गत ढोड़ासाई और जोजोबेड़ा गांव के आसपास मंगलवार को अवैध देसी शराब के विरुद्ध छापामारी की गयी. इस दौरान नदी किनारे अलग-अलग जगहों पर तीन अवैध शराब भट्ठियों को पुलिस द्वारा ध्वस्त किया गया. इसमें करीब 270 केजी महुआ जावा को नष्ट किया गया. पुलिस की भनक लगते ही अवैध देसी शराब चुलाई करने वाले कारोबारी भाग खड़े हुए. थाना प्रभारी संजीवन उरांव ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गयी है.

दो बाइक भिड़ी, एक गंभीर रूप से घायल

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के बांसदा चौक के समीप एनएच18 पर दो बाइक की आपस में टक्कर हो गयी. इस हादसे में एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया. वहीं दूसरे को हल्की चोटें लगी हैं. घायल की पहचान गुहियापाल पंचायत के दरखुली गांव निवासी मंगल सिंह (25) के रूप हुई है. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और गश्ती वाहन से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा पहुंचाया. फिर आर एम मेडिकल कॉलेज बरिपदा ले गये.

सड़क दुर्घटना एक गंभीर रूप से घायल

तांतनगर। सिंहपोखरिया-बलांडिया मुख्य सड़क पर मंगलवार को झींकपानी थाना क्षेत्र के गुड़ा के पास सड़क दुर्घटना में धर्मेंद्र गोप (35) गंभीर रूप घायल हो गया है. घायल गोप को भूमि बचाओ समिति के अध्यक्ष बिनोद कुमार सावैंया ने अपने निजी वाहन से चाईबासा सदर अस्पताल पहुंचाया. घायल गोप तांतनगर ओपी क्षेत्र के कुम्बराम गांव के निवासी हैं. घायल गोप अपने रिश्तेदार के पास मोटरसाइकिल से बलांडिया जा रहे थे.

कंपनी परिसर में चोरी करते दो गिरफ्तार

जमशेदपुर। जमशेदपुर की बिष्टुपुर पुलिस ने टाटा स्टील कंपनी परिसर में चोरी करते दो चोरों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में सिदगोड़ा ग्वाला बस्ती निवासी धीरज कुमार और साधु चरण प्रधान शामिल हैं. पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी का सामान भी बरामद किया है. इस संबंध में कंपनी के अनुज खालखो के बयान पर बिष्टुपुर थाना में चोरी का मामला दर्ज किया गया है. जानकारी के अनुसार आरोपी कंपनी परिसर में चोरी करने के उद्देश्य से घुसे थे.

बाइक दुर्घटना में महिला हुई घायल

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के चौरंगी चौक के समीप बामडोल बहरागोड़ा मुख्य सड़क पर एक ही बाइक पर सवार मां बेटे को अन्य बाइक सवार ने पीछे से टक्कर मार दिया. इससे मौदा गांव निवासी निर्मला माईती (43) बुरी तरह से घायल हो गई. उसे स्थानीय लोगों की सहायता से 108 एंबुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा लाया गया. यहां प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर चिकित्सा के लिए पीआरएम मेडिकल कॉलेज ले जाया गया.

स्क्रैप चोरी की घटना को किया नाकाम

किरीबुरु। सेल की मेघाहातुबुरु खदान से स्क्रैप की चोरी को सीआईएसएफ के निगरानी विभाग के जवानों ने नाकाम किया. सीआईएसएफ के सूत्रों के अनुसार एक मोटरसाइकिल पर सवार दो स्क्रैप चोर सारंडा के पाडी नाला क्षेत्र से मेघाहातुबुरु खदान का बेयरिंग लगा लोहे का पुल्ली, पाईप व अन्य स्क्रैप ले जाने की कोशिश कर रहे थे. इसका वजन लगभग 70-80 किलोग्राम था. पहले से सारंडा जंगल में एम्बुस लगाकर बैठे सीआईएसएफ जवानों की नजर पड़ गयी.

चोरी के आरोप में चार युवक हुए गिरफ्तार

घाटशिला। घाटशिला थाना प्रभारी विमल किंडो द्वारा चोरी के चार आरोपियों को गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर मंगलवार को गिरफ्तार किया. पूछताछ के बाद सभी चारों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. इस संबंध में जानकारी देते हुए थाना प्रभारी विमल किंडो ने बताया कि पिछले 11 अक्टूबर को बराजुडी गांव से ट्रैक्टर चोरी का मामला दर्ज किया गया था. चोरी के आरोपियों की पुलिस लगातार छापामारी कर रही थी.

पुलिस को चकमा देकर रिम्स से फिर फरार हुआ कैदी

सौरभ सिंह। रांची

रिम्स के कैदी वार्ड की सुरक्षा में बार-बार सेंध लग रही है. इसी दौरान मंगलवार सुबह रिम्स के कैदी वार्ड से पुलिस को चकमा देकर एक सूरज मुंडा नाम का एक कैदी फरार हो गया. मामले की जानकारी मिलने के बाद रिम्स में अफरा-तफरी मच गयी.

बरियातू पुलिस फरार कैदी की तलाश में जुटी है. सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को जानकारी मिली है कि सूरज मुंडा 31 अक्टूबर की अहले सुबह दो से तीन बजे के बीच फरार हुआ है. डेढ़ माह में यह दूसरी घटना है जब रिम्स के कैदी वार्ड से कैदी फरार हुआ है. इससे पहले 12 सितंबर रिम्स अस्पताल में इलाजरत वशीर नाम का कैदी हथकड़ी सहित फरार हो गया था.

10 अक्टूबर को रिम्स में कराया गया था भर्ती

बता दें कि रांची के चुटिया थाना क्षेत्र से सूरज मुंडा नाम को दो माह पूर्व चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. गिरफ्तार करने के बाद उसे रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भेज दिया गया था. वहीं बीते 10 अक्टूबर को उसे इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया था. करीब 20 दिन से सूरज मुंडा का इलाज चल रहा था. लेकिन अहले सुबह वह रिम्स के कैदी वार्ड से फरार हो गया.

रिम्स के कैदी वार्ड की सुरक्षा में बार-बार लग रही सेंध

रिम्स के कैदी वार्ड की सुरक्षा में बार-बार सेंध लग रही है. हर बार रिम्स के कैदी वार्ड में इलाज के लिए आये कैदी फरार हो रहे हैं. कैदी के भागने की घटना के बाद हर बार दोषी पुलिसकर्मी पर कार्रवाई भी की जाती है. लेकिन सवाल यही उठ रहा है कि बार-बार रिम्स से कैदी भागने में कैसे सफल होते हैं. पिछले छह साल के दौरान रिम्स के कैदी वार्ड से 11 कैदी फरार हुए हैं.

डेढ़ माह में दूसरी घटना, 6 साल में 11 कैदी फरार

- **31 अक्टूबर 2023 :** रिम्स से सूरज मुंडा नाम का कैदी फरार हो गया.
- **12 सितंबर 2023 :** रिम्स अस्पताल में इलाजरत वशीर नाम का कैदी हथकड़ी सहित फरार हो गया.
- **16 अक्टूबर 2022 :** रिम्स के कैदी वार्ड से दो कैदी फरार हो गये. इनमें एक नक्सली, जबकि दूसरा छेड़छाड़ का आरोपी था.
- **28 अप्रैल 2022 :** रांची के रिम्स में इलाज कराने पहुंचा एमएस वारिश नाम का कैदी फरार हो गया था.
- **19 सितंबर 2021 :** कोयल शंख जोन का पूर्व जोनल कमांडर कृष्ण मोहन झा उर्फ अभय जी उर्फ विकास जी रिम्स से भाग गया था.
- **06 फरवरी 2021 :** हत्या के आरोप में दुमका जेल से लाया गया कैदी सिद्धेश्वर ओरिया फरार हो गया था.
- **18 अक्टूबर 2019 :** रिम्स के मेडिसिन आईसीयू से एक कैदी फरार हुआ था. रांची के बिरसा मुंडा जेल का कैदी हाथ से रस्सी को सरकाने के बाद खिड़की से कूदकर भाग निकला.

आओ जानें
किस राज्य के जीआरपी द्वारा कितने केस दर्ज किए गए हैं

आंध्र प्रदेश	: 1797	ओडिशा	: 1474
असम	: 567	पंजाब	: 899
बिहार	: 5390	राजस्थान	: 2557
छत्तीसगढ़	: 801	तमिलनाडु	: 4926
गुजरात	: 6424		
हरियाणा	: 1881		
हिमाचल प्रदेश	: 13		
झारखंड	: 658		
कर्नाटक	: 1863		
केरला	: 1088		
मध्यप्रदेश	: 6144		
महाराष्ट्र	: 45341		

दो साल में भी प्रिंस और असली मेजर को पुलिस नहीं पकड़ पायी
कई अपराधियों के एनकाउंटर के बाद ही आतंक का होगा अंत

संवाददाता। धनबाद

धनबाद में पिछले दो साल से लगातार रंगदारी को लेकर हत्या, गोलीबारी, बम से हमला व रंगदारी नहीं देने पर बार-बार फोन पर हत्या करने की धमकी मिलने से हजारों व्यवसायियों और चिकित्सकों समेत आम लोगों में भी काफी आक्रोश है. बैंक मोड़ और पुराना बाजार के एक-दो व्यवसायियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा कि प्रिंस खान और अमन सिंह गैंग के एक दर्जन अपराधियों का एनकाउंटर के बाद ही गैंग का आतंक खत्म होगा. वर्दीवाला से बड़ा कोई गुंडा नहीं है. पुलिस अधिकारियों को बड़ा निर्णय लेने की जरूरत है. सिविल ड्रेस में चिह्नित जगहों पर तेज-तर्रार पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दें. जैसे ही अपराधी फायरिंग कर भागे, वहीं घेरकर एनकाउंटर कर दे.

घटना को अंजाम देने के बाद फरार भी हो जाए, तो खास जगह पर मुठभेड़ में मार गिराए. गुप्त सूचना पर पकड़ने, हथियार बरामद करने और प्रेस कांफ्रेंस कर जेल भेजने से कुछ नहीं होगा. पिछले दो साल में भी वासेपुर के फरार प्रिंस खान और असली मेजर को धनबाद पुलिस नहीं पकड़ पायी. पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह हत्याकांड में जेल में बंद यूपी का कुख्यात अपराधी अमन सिंह का शूटर आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह भी कई वर्षों से फरार है.

बढ़ता अपराध

- अमन का शूटर छोटू सिंह भी कई वर्षों से है फरार
- पुलिस अधिकारियों को बड़ा निर्णय लेने की जरूरत

प्रिंस और छोटू सिंह के घर पुलिस ने चार बार इश्तेहार चिपकाया, फिर भी नहीं किया सरेंडर

जानकारी के अनुसार वासेपुर के प्रिंस खान और हीरापुर के आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह के घर पर दो साल में पुलिस चार बार इश्तेहार चिपका चुकी है. फिर भी दोनों ने कोर्ट में सरेंडर नहीं किया. हर बार पुलिस एक महीने का समय देती है, लेकिन दोनों पर कोई असर नहीं पड़ रहा है. हाल ही में लगभग एक माह पूर्व 4 अक्टूबर को पुलिस ने प्रिंस व छोटू के घर इश्तेहार चिपकाया था और मुनादी करते हुए कहा था कि दोनों एक माह के भीतर सरेंडर कर दें. पुलिस दोनों की तलाश कर रही है, लेकिन पता नहीं चला है. पुलिस का मानना है कि प्रिंस विदेश में है और छोटू दूसरे राज्यों में छिपा है, जो बहुत जल्द ही सरेंडर करेंगे.

प्रिंस खान.

विकास को हथियार सप्लायर व नसीम को एसएसपी ने बताया था असली मेजर

एक अक्टूबर को अंबिकापुरम से विकास सिंह और आसनसोल से नसीम अंसारी समेत चार लोगों को हथियार व गोलियों के साथ गिरफ्तार करने के बाद एसएसपी संजीव कुमार ने पत्रकारों को प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि विकास सिंह ही प्रिंस गैंग को हथियार सप्लाई करता है. जबकि नसीम अंसारी ही असली मेजर हैं, जो दो साल से धनबाद में फायरिंग व बमबाजी के बाद सोशल मीडिया पर लेटर वायरल कर बमबाजी करने में विकास व नसीम के साथ कई लोगों का हाथ है. कारोबारी कहते हैं कि जब नसीम असली मेजर था तो कार सेंटर के संचालक दीपक अग्रवाल पर फायरिंग के बाद लेटर जारी करने वाला मेजर कहां से पैदा हो गया. पूर्व और वर्तमान के लेटर में हैंडराइटिंग एक समान है. पुलिस का दावा हर बार झूठा साबित होता है. पुलिस अबतक एक दर्जन युवकों को मेजर बताकर जेल भेज चुकी है.

अमन सिंह.

घटना की जिम्मेदारी लेता था. जीटी रोड पर शान ए पंजाब, बिहारी लाल चौधरी प्रतिष्ठान व खालसा होटल पर फायरिंग व

पूर्व विधायक के बेटे को धमकाया

संवाददाता। धनबाद

धनबाद में अपराधी तो अपराधी, अब राजनेताओं के पुत्र भी अपनी धमक दिखा रहे हैं. कांग्रेस नेता रणविजय सिंह के पुत्र इन दिनों अपने दबंगई रवैये के कारण सुर्खियों में बने हुए हैं. मंगलवार को दिन में 11.45 बजे धैया रानीबांध के पास रणविजय सिंह के पुत्र रणवीर सिंह ने सिंदरी के पूर्व विधायक व तत्काल झामुमो नेता फूलचंद मंडल के छोटे पुत्र आशीष मंडल की गाड़ी को ओवरटेक कर पिस्टल चमकाते हुए धमकाया. वहीं, फूलचंद मंडल के पुत्र आशीष मंडल ने शिकायत करने बरवाअड्डा थाना पहुंचे. वहां बताया गया कि यह सदर थाना क्षेत्र का मामला है. उसके बाद आशीष मंडल और उनकी पत्नी वीना मंडल और ड्राइवर सदर थाना शिकायत करने पहुंचे. आशीष मंडल ने बताया कि रणविजय सिंह के पुत्र ने सोमवार मेरी गाड़ी को ओवर टेक कर पिस्टल निकाला तो हमलोगों ने पत्थर भी चलाया. वहीं बताया कि सिटी एसपी अजीत कुमार को इसकी जानकारी दी गई है. सदर थाने में शिकायत दर्ज करवायी गयी है.

थाने में शिकायत करने पहुंचे आशीष.

रणविजय सिंह के पुत्र बन रहे दबंग: बता दे की कांग्रेस नेता रणविजय सिंह के पुत्र रणवीर सिंह इन दिनों अपने दबंगई के कारण सुर्खियों में बने हुए हैं. 26 अगस्त 2023 को सरायढेला थाना क्षेत्र में बिल्डर बिक्रम सिंह के पुत्र आकाश सिंह के साथ मारपीट की थी. वहीं, 31 अक्तूबर 2023 को पूर्व विधायक फूलचंद मंडल के छोटे पुत्र आशीष मंडल को पिस्टल चमकाया और धमकाया.

शराब दुकान में 80 हजार रुपये की चोरी

बोकारो। जिले के चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तलगाड़िया मोड़ के पास नेशनल हाईवे स्थित सरकारी शराब दुकान में 80 हजार की चोरी का मामला सामने आया है. इस दौरान दुकान में रखा कैश चेस्ट भी गायब पाया गया. चोरी की घटना के बारे में अभी तक किसी तरह का सुराग नहीं मिल पाया है. उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक कृष्ण प्रजापति के अनुसार ने बताया कि दुकान के बाहर में एक सुरक्षा कर्मी भी तैनात रहता है, इसके बावजूद चोरी की घटना घटी है. उत्पाद विभाग की ओर से जिले की सभी सरकारी शराब दुकानों में कैश चेस्ट दिया गया है, जिसमें 30 अक्टूबर को बिक्री किया गया 80 हजार रखा हुआ था, जो गायब पाया गया है. दुकान में शराब की कोई बोतल गायब नहीं है. फिर भी इसका मिलान किया जा रहा है. रहस्यमय तरीके से हुई चोरी की घटना से उत्पाद विभाग के अधिकारी भी आश्चर्यचकित हैं.

मामूली विवाद में युवक की चाकू से गोदकर हत्या

संवाददाता। जमशेदपुर

परसुडीह थाना अंतर्गत गदड़ा विकास भवन के पास सोमवार की देर रात मामूली विवाद के बाद दो पक्षों के बीच झड़प हो गई. मामला इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर चाकू से हमला कर दिया. इस घटना में स्थानीय निवासी 22 वर्षीय आशू केवट की मौत हो गई जबकि उसका साथी भोला घायल हो गया. घटना के बाद परिजनों ने परसुडीह थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है.

आशु डीजे-बॉक्स बजाने का काम करता था. उसके साथी रौशन ने बताया कि देर रात आशू पास ही लगे बिजली के ट्रांसफॉर्मर में तार लगा रहा था. इतने में पड़ोस के ही रहने वाला सूरज जायसवाल आया और उसे कहा कि तार लगाने से उसके घर की बिजली कट सकती है. इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया. विवाद के बीच सूरज का छोटा भाई शुभम भी आ गया और दोनों मिलकर आशु की पिटाई करने लगे. पास ही मौजूद आशू का साथी भोला बीच-बचाव करने पहुंचा तो दोनों भाइयों ने आशु और भोला पर चाकू से हमला कर दिया.

अस्पताल ले जाने के दौरान तोड़ा दमः रौशन ने बताया कि घटना के बाद घायल अवस्था में दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया. जहां से दोनों को टीएमएच रेफर किया गया. टीएमएच में बेड नहीं होने पर डॉक्टरों ने रिम्स ले जाने की सलाह दी. आशु ने रिम्स लेकर जाने के दौरान रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया. रौशन के अनुसार आशु की छाती पर चाकू से तीन-चार बार वार किया गया है.

दो वाहनों में हुई टक्कर, 10 घायल

संवाददाता। चक्रधरपुर

पश्चिमी सिंहभूम जिला के गोईलकेरा थाना क्षेत्र के गोईलकेरा-चाईबासा मुख्य मार्ग के लाजोरा घाटी में दो टाटा मैजिक सवारी गाड़ी में जोरदार टक्कर हो गई. इस दुर्घटना में लगभग दस लोग घायल हो गए. घायलों में पुरुषों के अलावा महिलाएं व छोटे बच्चे भी शामिल हैं. बताया जा रहा है कि गोईलकेरा-चाईबासा मुख्य मार्ग के लौजोड़ा घाटी में गोईलकेरा से चाईबासा की ओर जा रही थी. जबकि चाईबासा से गोईलकेरा की ओर आ रही टाटा मैजिक सवारी गाड़ी में सीधी टक्कर हो गई.

सभी घायलों को गोईलकेरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया. घायलों में मनीष जामुदा, बरजो गागराई, बसंती अंगरिया, एलेक्स अंगरिया, आसयिान जामुदा, मोनी गागराई, लामुनी गागराई, मरियम कोड़ा, डालका गागराई, दिग्गी अंगरिया व अन्य शामिल हैं.

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में इलाजरत घायल,

दो हाइवा की टक्कर, खलासी की मौत

चाकुलिया। चाकुलिया प्रखंड के श्यामसुंदरपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एनएच 18 पर खड़े खाली हाइवा नंबर जेएच 02 एफ-4566 के पीछे बालू से लदे एक हाइवा संख्या जेएच 05 सीएम-9309 ने जोरदार धक्का मार दिया. बालू से लदे हाइवा के खलासी चेतन हेंब्रम 19 की मौत हो गई. मृतक चेतन हेंब्रम धालभूमगढ़ निवासी है. टक्कर के बाद बालू से लदे हाइवा का चालक भाग निकला. पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और क्रेन तथा जेसीबी की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद दोनों वाहनों को अलग किया. गंभीर रूप से घायल खलासी को पुलिस ने घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया.

सुसाइड नोट में लिखा - बच्चों के लिए कुछ नहीं कर पाया और लगा ली फांसी

जमशेदपुर। जमशेदपुर के कदमा थाना अंतर्गत शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर चार निवासी 41 वर्षीय चंदन कुमार सिंह ने सोमवार सुबह अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. सुबह परिजनों को जानकारी होने पर इसकी सूचना पुलिस को दी. इधर, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. चंदन टाटा स्टील कर्मी थे. उनकी पत्नी और दो बच्चे साकची स्थित निर्मलनगर में रहते हैं, जबकि वे एक महिला के साथ लिव इन रिलेशन में कदमा में रहते थे. परिजनों के बयान पर पुलिस ने अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज किया है. इधर, पुलिस ने जो सुसाइड नोट बरामद किया है उसमें चंदन ने लिखा है कि उसके द्वारा आत्महत्या करने का दोषी कोई नहीं है. नोट में लिखा है कि मरने के बाद प्रशासन किसी को परेशान ना करे. बच्चों के लिए कुछ न कर सका.

सारंडा के रास्ते नक्सली हो रहे फरार!

संवाददाता। किरीबुरु

सारंडा जंग में आये भाकपा माओवादी नक्सलियों का दस्ता पुनः वापस कोल्हान के जंगलों में लौटा. विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार कोल्हान जंगल में पुलिस की बढ़ी दबिश और निरंतर घटता आधार इलाका से घबराकर नक्सलियों के बडे. नेता और कैडर कोल्हान जंगल से भागने की योजना बना रहे हैं. ये नक्सली कोल्हान जंग से सटा सारंडा जंगल स्थित अपने पुराने कॉरिडोर का इस्तेमाल कर सारंडा से सटे ओडिशा के जंगलों में जाना चाहते हैं.

इसी उद्देश्य को लेकर बीते दिनों नक्सलियों की उच्च कमेटी ने अपनी एक छोटी हथियारबंद दस्ता को सारंडा स्थित कुमडीह, हतनाबुरु आदि क्षेत्र के जंगलों में सुरक्षित रूट तैयार करने व जरूरत अनुसार उस क्षेत्र में स्थित अपने संगठन के पुराने साथियों को सहयोग के लिए तैयार रखने के लिए भेजा था. नक्सलियों का यह छोटा दस्ता सारंडा के कुमडीह क्षेत्र के जंगलों की रेकी कर व बडे.नक्सलियों के सारंडा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रोड मैप तैयार कर पुनः वापस कोल्हान स्थित हाकाहाटा, राजाबासा क्षेत्र के जंगलों में लौट गया है. सूत्रों का कहना है कि नक्सलियों का बड़ा दस्ता व बड़ा नेता हाकाहाटा क्षेत्र के जंगलों में कुछ दिनों से शरण लिये हुए हैं. बडे.नक्सली अपनी टीम के साथ 3-4 दिनों में सारंडा के गुआ, छोटानागरा व जराईकेला थाना क्षेत्र के रास्ते ओडिशा सीमा में जाने की तैयारी में हैं. बीते 28 अक्टूबर को नक्सलियों की इस गतिविधियां के मद्देनजर सीआरपीएफ व झारखंड पुलिस के आईजी, डीआईजी व एसपी स्तर के पदाधिकारी कोल्हान व सारंडा जंगल सीमा पर स्थित रोवाम में हेलिकॉप्टर से आये थे व रोवाम कैंप में नक्सलियों के खिलाफ विशेष रणनीति बनाकर वापस लौटे थे. पुलिस नक्सलियों की गतिविधियां पर नजर रखते हुए निरंतर कोल्हान व सारंडा जंगल में ऑपरेशन चला रही है. संभावना जताई जा रही है कि जल्द कोल्हान जंगल को नक्सल मुक्त कर दिया जाएगा.

खास बातें

- कोल्हान जंगल में पुलिस की बढ़ी दबिश, घबराए नक्सली
- सारंडा की ओर से 3-4 दिनों में करने वाले हैं पलायन

गुड न्यूज | नियुक्ति के लिए 23 और 24 नवंबर को जैप-1 डोरंडा में इंटरव्यू होगा
सैप में 368 पदों पर होगी नियुक्ति, निकला विज्ञापन

संवाददाता। रांची

स्पेशल ऑक्सिलियरी पुलिस (सैप) में 368 पदों पर नियुक्ति होगी. सैप के टाटीसिलवे और हलुबदनी वाहिनी में संविदा के आधार पर भूतपूर्व सैनिकों की सैप में नियुक्ति की जाएगी. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने विज्ञापन जारी किया है. जारी विज्ञापन में कहा गया है कि नियुक्ति के लिए 23 और 24 नवंबर को जैप-1 डोरंडा में इंटरव्यू होगा. इंटरव्यू और मेडिकल जांच में योग्य पाये जाने पर योगदान के लिए नियुक्ति पत्र दी जाएगी, जो उम्मीदवार ज्वॉइनिंग के लिए आएंगे, वो अपने साथ बिस्तर, दो माह के भोजन की राशि और कपड़ा लेकर आएंगे.

खास बातें

- झारखंड पुलिस मुख्यालय ने विज्ञापन जारी किया है
- संविदा के आधार पर भूतपूर्व सैनिकों की नियुक्ति होगी

क्यों किया गया है सैप का गठन

झारखंड सरकार विधि व्यवस्था बनाये रखने, नक्सल विरोधी अभियान चलाने और अन्य सुरक्षा संबंधी दायित्व के लिए पर्याप्त सशस्त्र बल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भूतपूर्व सैनिकों की सेवा अनुबंध पर प्राप्त कर सैप की दो वाहिनी का गठन करता है.

जानें किसे कितना मिलेगा वेतन

- सूबेदार मेजर, नायब सूबेदार (सामान्य), नायब सूबेदार (तकनीकी), नायब सूबेदार (वायरलेस) और नायब सूबेदार (रीडर) को 25 हजार रुपए प्रति माह
- प्रधान लिपिक, लिपिक, हवलदार (सामान्य), हवलदार (चालक), सिपाही (सामान्य) और सिपाही(चालक) को 20 हजार रुपये प्रति माह
- सभी की नियुक्ति दो वर्ष के लिए होगी.
- सभी को विशेष पुलिस पदाधिकारी के रूप में शक्ति प्रदान की जाएगी.

कितने पदों पर होगी नियुक्ति

सूबेदार मेजर	: 02
नायब सूबेदार (सामान्य)	: 09
नायब सूबेदार (तकनीकी)	: 02
नायब सूबेदार (वायरलेस)	: 21
नायब सूबेदार (रीडर)	: 01
प्रधान लिपिक	: 01
लिपिक	: 01
हवलदार (सामान्य)	: 65
हवलदार (चालक)	: 04
सिपाही (सामान्य)	: 239
सिपाही (चालक)	: 13
रसोंइया	: 10
कुल	: 368

वन विभाग के क्वार्टर में युवक का सड़ा गला शव हुआ बरामद

संवाददाता। मनोहतपुर

कोयना रेंज वन विभाग के क्वार्टर से मंगलवार की दोपहर को मनोहरपुर पुलिस को एक युवक का सड़ा गला शव मिला है. मृतक युवक 35 वर्षीय सुखदेव शर्मा के पड़ोस में रहने वालों ने उस घर से दुर्गंध आने पर मनोहरपुर पुलिस को सूचना दी गई थी. इसके बाद पुलिस वहां पहुंची और बंद घर की खिड़की से युवक के शव का मुआयना किया. इस घटना की सूचना मृतक युवक के घर वाले बिहार गए हुए हैं. उन्हें तत्काल इसकी सूचना दे दी गई है. परिवार वालों के आने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम हेतु रांची रिम्स या जमशेदपुर एमजीएम अस्पताल भेजा जाएगा. पुलिस के मुताबिक़ उक्त युवक का मृत शरीर पूरी तरह से सड़-गल गया है.

जुआ खेलने गए शख्स की कुएं में मिली लाश

धनवार। मंगलवार को धनवार थाना क्षेत्र के परसन ओपी क्षेत्र में कुएं से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया. जानकारी के अनुसार, बरजो निवासी कालो महतो का 40 वर्षीय पुत्र सीताराम यादव सोमवार रात दीपक यादव के साथ घर से निकला था. रात में वह घर नहीं पहुंचा. लोगों का कहना है कि सीताराम जुआ खेला करता था. नायकडीह गांव में रात में जुआ खेल रहा था. उसके बाद क्या हुआ यह पता नहीं चल पा रहा है. सुबह में ग्रामीण महिला जब गाय चराने के लिए मैदान की ओर गई तो नौकाडीह गांव के पास बालो साव कुएं में शव देख शोर मचाने लगी. फिर लोग जुट गए.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही उत्तम है. पारिवारिक समस्या समाप्त हो सकती है. आर्थिक मामलों में तरक्की होगी. स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें. खानपान पर ध्यान देने की जरूरत है. अन्न का दान करें.

वृषभ कार्य का लाभ मिलेगा. निजी संबंध प्रगाढ़ होंगे. दूसरे से सहयोग लेने में सफलता मिलेगी. कार्य के प्रभाव से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. निवेश करना लाभप्रद रहेगा. शासन सत्ता का सहयोग रहेगा. बच्चों को मिठाई दान करें.

मिथुन किसी परिचित को सहायता का मौका मिलेगा. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी. पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. वाणी पर संयम रखना बेहतर रहेगा. किसी सुदूरवर्ती स्थान की यात्रा पर जाने की संभावना है.

कर्क आय के लिए दिन उत्तम है. दोपहर तक समय बहुत अच्छा है. दाम्पत्य जीवन प्रभावित होगा. संयम बरतें. दूध और दूध की वस्तुओं का दान करें. पुराने मित्रों से भेंट होगी. जल और मिठाई का दान करें.

सिंह सरकारी कार्य में गति और लाभ मिलेगा. आर्थिक पक्ष कुछ कमजोर होगा, जिससे मन अशांत रहेगा. रिश्तों में गलतफहमी, तनाव और टकराव की स्थिति आ सकती है. खानपान में संयम बरतें.

कन्या आय में वृद्धि का योग है. राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी. कार्यक्षेत्र में बाधा आएगी. स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें. आर्थिक मामलों में प्रगति होगी. निवेश करना लाभप्रद रहेगा. गणेश चालीसा का पाठ करें.

तुला किसी महिला से विवाद हो सकता है. किसी अधिकारी से सहयोग मिलेगा. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. किसी कार्य के संपन्न होने से आपके प्रभाव में वृद्धि होगी. इत्र का प्रयोग और दान करें.

वृश्चिक व्यापार में लाभ का योग है. जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. किसी धार्मिक अनुष्ठान का योग है. कहीं यात्रा भी हो सकती है. रिश्तों में सावधानी बरतें. अफवाहों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है.

धनु रोग से बचना चाहिए. व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी. किसी कार्य के संपन्न होने से आपके प्रभाव में वृद्धि होगी. मांगलिक कार्य की दिशा में सफलता मिलेगी. बहुत जरूरी हो तो ही ऋण ले.

मकर संतान के कार्य मे गति मिलने से मन खुश होगा. स्वास्थ्य में सुधार करेगा. व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी. निजी संबंध मधुर होंगे. भागदौड़ की स्थिति सुखद रहेगी. जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा.

कुंभ माता या किसी महिला के स्वास्थ्य में परिवर्तन होगा.आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. रिश्तों में मधुरता आएगी. किसी कार्य के संपन्न होने से आपके प्रभाव में वृद्धि होगी. आलस का त्याग करें.

मीन भाई बहन के साथ कहीं घूमने का योग है. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. किसी प्रियजन से अचानक भेंट होगी. अन्न का दान करें.

74 वां श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ

रांची। श्रीश्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में मंगलवार को हरमूरोड के श्याम मंदिर में 74वां सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ आयोजित किया गया. इस अवसर पर दिनभर मंदिर और आसपास के क्षेत्र में सामूहिक स्वर में संगीतमय पाठ गूंजता रहा. इस अवसर पर सुनील मोदी, आशा मोदी, बलराम मोदी तथा शिखा मोदी ने हनुमान जी के समक्ष अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित करके केसरिया पेड़ा, गुड़-चना, संतरा फल का प्रसाद अर्पित किया. मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने पूजन अनुष्ठान विधिवत संपन्न करवाया. श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद की सेवा मनीष मित्तल एवं राजेंद्र अग्रवाल ने गीरीगोला सेवा निवेदित की. पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने सुरताल के साथ श्री सुंदरकांड का पाठ किया. इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, श्रवण ढानढनिया, स्नेह पोद्दार, श्याम सुंदर जोशी आदि उपस्थित थे.

रवींद्र भवन में पुस्तक मेला 24 से

जमशेदपुर। टैगोर सोसाइटी द्वारा साकची रविन्द्र भवन में 37वां जमशेदपुर पुस्तक मेला का आयोजन 24 नवंबर से 3 दिसंबर तक किया जायेगा. यह जानकारी टैगोर सोसाइटी के महासचिव आशीष चौधरी ने दी. उन्होंने बताया कि इस वर्ष हिंदी, अंग्रेजी, बंगला भाषा सहित अन्य भाषा के लगभग 70 प्रकाशक आयेंगे. मेला में 200 स्टॉक लगाए जायेंगे. उन्होंने कहा कि जमशेदपुर की पहचान बन चुकी बुक फेयर का पुस्तक प्रेमियों को इंतजार रहता है. पिछले वर्ष पुस्तक मेला में उम्मीद से ज्यादा लगभग एक करोड़ रुपए की खरीददारी लोगों ने की थी.

समापन समारोह : दो दिवसीय राजकीय मुड़मा जतरा में दिखी पारंपरिक व्यवस्था की झलक

मुड़मा मेला आदिवासी संस्कृति का समागम : हेमंत

बंसत मुंडा। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को ऐतिहासिक मुड़मा जतरा के समापन समारोह में शामिल हुए. उन्होंने अपना संबोधन राउरे मन के जोहार से शुरू किया. कहा कि मुड़मा मेला अपने आपमें ताकत बन चुका है. मुड़मा मेला आदिवासी संस्कृति का समागम स्थल है. आदिवासी समाज को दुनिया आदिमानव के रूप में देखती है. इस समाज में लोग खुशहाल रहते हैं. ढोल-नगाड़ा बजाते हैं तो आदिवासी समाज पर गर्व महसूस होता है. हालांकि राज्य अलग होने के बाद और पहले समस्या आई है. राज्य का विदेशों में भी चर्चा होती है. देश की हॉकी टीम में झारखंड के बेटियों खेल रही हैं. राज्य बनने के बाद पहली सरकार है, जिसने खिलाड़ियों को सीधी नियुक्ति देने का काम किया है. राज्य खनिज संपदा से भरा है. राज्य के कोयला से पूरा देश उजाला हो रहा है. हमें अलग राज्य लड़ाई से मिली है. इसे बचाने के लिए सबको शिक्षित करना होगा. प्राइमरी स्कूल को उच्च स्तरीय बनाना है. शहीदों के वंशजों को अपने दायित्व का निर्वाह करना होगा. आंदोलनकारी को सम्मान दिया जाएगा. झारखंड वीरों का राज्य है.

शक्ति स्थल आदिवासियों का सुप्रीम कोर्ट : बंधु तिर्की

पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि यह शक्ति स्थल आदिवासियों के लिए सुप्रीम कोर्ट है. पेसा कानून नियमावली को मान्यता देने की जरूरत है. इसी कानून के साथ राज्य के विभिन्न जतरा, पर्व- त्योहार को मान्यता मिलेगी. पेसा कानून से ही ग्राम सभा को मजबूती मिलेगी. गांव के विवाद को निबटारा करने की शक्ति प्राप्त होगी. सैकड़ों बच्चों को सरकार ने विदेश पढ़ने के लिए भेजा. इस राज्य में एशियन हॉकी मैच का आयोजन हो रहा है. कहा कि केंद्र सरकार ने यहां के 8 लाख लोगों को प्रधानमंत्री आवास नहीं दिया है. लेकिन वर्तमान सरकार गरीब व निचले तबके के विकास के लिए अबुआ आवास देने का वादा किया है. हमें अपनी संस्कृति, सभ्यता व धर्म को बचाना होगा.

रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन

दो दिवसीय झारखंड का ऐतिहासिक राजकीय मुड़मा जतरा मंगलवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ. इस जतरा में झारखंड के अलावे देश-विदेश के भी लोग शामिल हुए. जतरा में 40 पड़हा के विभिन्न आदिवासी समाज अपने-अपने प्रतीक चिह्न के साथ शामिल हुए. जतरा में सबसे पहले लुंडरी पड़हा के खोड़हा शामिल हुए. बताया गया कि जतरा में पुरियो, मुड़मा, चान्हो, नगड़ी, लापुंग, मलटोटी और मखमंदरो के किसान 20 लाख रुपये की ईख बेचने पहुंचे थे. आदिवासी समाज में माप-तौल करने वाले सामान पइला और पवा 180-280 रुपये में बिक रहे थे. जतरा में ढोल, नगाड़ा, मांदर मुख्य आकर्षण के केंद्र रहे. मनचलों से निबटने के लिए युवाओं को विशेष ट्रेनिंग दी थी. इन युवाओं द्वारा विभिन्न गांव से आने वाले खोड़हा को मुख्य गेट से शक्ति खूंटा तक शांतिपूर्वक लाया गया.

मेला आयोजन समिति की रही अहम भूमिका

मेले में ऐतिहासिक राजी पड़हा जतरा समिति के मुख्य संयोजक धर्म गुरु बंधन तिग्गा, अध्यक्ष जयराम उरांव, महासचिव विद्यासागर केरकेट्टा, राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय पाहन, भगवान बिरसा मुंडा के पोता सुखराम मुंडा, गया मुंडा के पोता गमय मुंडा, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष रवि तिग्गा, ओड़िशा के अध्यक्ष मणिलाल केरकेट्टा, बंगाल प्रदेश अध्यक्ष जीतू उरांव, नेपाल प्रदेश अध्यक्ष सूर्यदेव उरांव, राष्ट्रीय प्रवक्ता कमले किस्पोट्टा, असम के सांसद नवा कुमार, सुबोध तिर्की, बिहार के पूर्व एसी एसटी अध्यक्ष ललित भगत, सरना सोतो समिति से मथुरा कंडीर शामिल हुए.

बंद...बंद...बंद... चौक-चौराहों पर साटे गए पोस्टर

संवाददाता। धनबाद

फेडरेशन ऑफ धनबाद जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज सहित जिला के सभी 55 चैंबर ने बढ़ते अपराध के विरोध में बुधवार से दुकानें व बाजार बेमियादी बंद रखने का आह्वान किया है मंगलवार को धनबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स, पार्क मार्केट, हीरापुर के द्वारा बंद के समर्थन में प्रतिष्ठानों, चौक चौराहों पर पोस्टर लगाये गये. हर छोटी-बड़ी दुकानों में पोस्टर लगाये गये. सभी दुकानदारों ने बंद को सफल करने की बात कही. मुख्य सड़क, कोर्ट मोड़, विनोद मार्केट, न्यू पार्क मार्केट, माधव अपार्टमेंट, विवेकानंद चौक, पार्क क्लीनिक मार्केट सहित सभी जगहें पोस्टरों से पाट दी गयी, चैंबर ने सभी दुकानदारों से आग्रह किया कि बुधवार को सभी अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद रखें. जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष चेतन गोयनका ने बताया कि व्यापारी उग्र हैं और अब आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार हैं.

चैंबर ने अलग-अलग बुलायी बैठक, प्रचार वाहन निकाला

निरसा चैंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक में होटल, पेट्रोल पंप, दवा दुकानें सहित अन्य संस्थान बंद रखने का आह्वान किया गया. गोविंदपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भी आपातकालीन बैठक कर जिला चैंबर द्वारा आहूत अनिश्चितकालीन बंद का समर्थन करने की घोषणा की. पुटकी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भी बैठक कर बंद का समर्थन दिया. झरिया चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से प्रचार वाहन निकाला गया. वस्त्र व्यवसाय संघ, चॉकलेट नमकीन विक्रेता संघ द्वारा संयुक्त रूप से प्रचार वाहन निकाला गया.

जल्द ही अपराधकर्मी पुलिस की गिरफ्त में होंगे: डीएसपी

व्यापारियों ने अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर बंद का आह्वान किया है, तो दूसरी ओर पुलिस भय मुक्त होकर कार्य करने की अपील व्यवसायियों व आम लोगों से कर रही है. मंगलवार शाम डीएसपी-1 अमर कुमार पांडेय ने अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता कर व्यापारियों से भय मुक्त होकर व्यापार करने की अपील की. कहा कि पुलिस अपना काम कर रही है. पुलिस एक-एक अपराधी को सलाखों के पीछे भेजेगी.

बेमियादी हड़ताल से एक दिन पहले बाजारों में उमड़ी भीड़

जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के आह्वान पर बुधवार से जिले की सभी दुकानें बंद रखने की घोषणा की गयी है. लोगों में अफरा-तफरी का माहौल है. बंद को देखते हुए मंगलवार को बाजारों में राशन दुकानों से लेकर सब्जी बाजार तक में ग्राहकों की भीड़ लगी रही. बंदी के डर से लोग राशन खरीदने बाजार पहुंच रहे थे.

सिंदरी चैंबर ने दुकानें बंद रखने का आह्वान किया

संवाददाता। धनबाद

वासेपुर के प्रिंस खान के गुर्गे ने शनिवार देर रात रंगदारी नहीं देने पर कार सेंटर (बैंक मोड़) के संचालक दीपक अग्रवाल पर फायरिंग की थी. इस गोलीबारी के विरोध में बुधवार से 55 चैंबर ने व्यापार बंद रखने का आह्वान किया है.

धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने भी इसका समर्थन किया है. एसोसिएशन के इस फैसले के बाद जिले की सभी दवा दुकानें बंद रहेंगी. यह जानकारी सिंदरी चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष दीपक कुमार दीपू ने दी. दीपू ने विशेष सूचना जारी कर सिंदरी के व्यापारियों से बुधवार से दुकानें बंद रखने की अपील की है. उन्होंने प्रशासन की अव्यवस्था को इस बंद का जिम्मेदार ठहराया. सिंदरी चैंबर ऑफ कॉमर्स के व्यापारी महेंद्र गुप्ता ने चैंबर पर दोषारोपण किया. उन्होंने कहा कि पूरे बाजार में सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था आज तक नहीं की गयी है. चैंबर ने को-ऑपरेटिव मोड़ के दुकानदारों के सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रयास का भी सहयोग नहीं किया. इस कारण चोरी सहित अन्य घटनाओं पर लगाम नहीं लग रही है. सिंदरी के व्यापारी आज भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं.

बड़ा तालाब छठ पूजा समिति धूमधाम से मनाएगी छठ, समिति का पुनर्गठन

संवाददाता। रांची

स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति 64वें वर्ष छठ पूजा धूमधाम से मनाएगी. यह निर्णय समिति की वार्षिक बैठक में किया गया. बैठक में वर्ष 2022 के आय-व्यय का ब्यौरा दिया गया एवं पुरानी कमेटी भंग कर दी गई। बैठक में स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति के संरक्षक राजीव रंजन मिश्रा ने इस वर्ष छठ पूजा को लेकर जिला प्रशासन एवं नगर निगम से आग्रह किया कि पूजा के पहले बड़ा तालाब सहित राजधानी रांची के सभी तालाबों की साफ सफाई कराई जाए. ताकि छठ व्रतियों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। पूजा से पहले सभी छठ घाटों को साफ किया जाए एवं आसपास की गंदगी भी हटा दी जाए.

बैठक में सर्वसम्मति से समिति का पुनर्गठन किया गया, जिसके मुख्य संरक्षक राजीव रंजन मिश्रा एवं संजय सेठ (सांसद) बनाये गये. इसी प्रकार संरक्षक विनय सरावगी, शमशेर आलम, प्रणय कुमार, रमेश सिंह,

साहेब अली, मो. असलम, मो एहतेसाम(पार्षद), संदीप वर्मा, सुशील केजरीवाल, संयोजक रतन जालान, किशोर साहू, गोपाल पारीक, सूरजभान सिंह, अशोक पुरोहित, कैलाश केसरी एवं महेश चंद्रा बनाये गये. वहीं, अध्यक्ष राम अनुज सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष रमेश केडिया, महामंत्री बंटी सिंह, मंत्री दीपू गाड़ी, उपाध्यक्ष- लंकेश सिंह, राहुल सिन्हा, विशाल मिश्रा, मनोज शर्मा, सह-मंत्री मो रॉकी, नंद किशोर चांगल, अभिनव आनंद, गोपाल चांगल, मो परवेज़, प्रकाश पाल, इंदर सिंह, राजू पोद्दार, प्रचार मंत्री अरविंद सिंह, सह प्रचार मंत्री पिंटू चांगल को बनाया गया. साथ ही 21 सदस्यीय कार्यसमिति की घोषणा की गई.

रक्तदान शिविर में 76 यूनिट किया गया रक्त का संग्रह

जमशेदपु। राष्ट्रीय एकता दिवस पर सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती पर पटेल महापरिवार की ओर से मंगलवार को आठवें रक्तदान शिविर का आयोजन आईडी मैरिज हॉल गदडा.में किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विद्युत वरण महतो, सम्मानित अतिथि पूर्व मंत्री रामचंद्र सहीस उपस्थित थे. कार्यक्रम की शुरुआत सरदार वल्लभ भाई पटेल प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई. कार्यक्रम में समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं युवा वर्ग शामिल हुए. युवाओं ने बढ़ चढ़ कर रक्तदान में हिस्सा लिया. शिविर में 76 यूनिट रक्त संग्रह किया गया. रक्तदान में निहार रंजन ने पहला रक्तदान कर सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की. पटेल समाज के महिला ने नारीशक्ति के रूप में बढ़ चढ़कर रक्तदान में हिस्सा लिया. कार्यक्रम में मुख्य रुप से संस्था के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष शैलेंद्र सिन्हा, तमाम राजनीतिक दल एवं समाजसेवी उपस्थित थे.

श्री महाकालेश्वर छठ घाटपर चला सफाई अभियान

संवाददाता। जमशेदपुर

श्री श्री महाकालेश्वर छठ घाट समिति ने मंगलवार को महाकालेश्वर छठ घाट पर सफाई अभियान की शुरुआत की. इस सफाई अभियान में जुगसलाई नगर परिषद के पदाधिकारी मोटाय बानरा, जुगसलाई थाना प्रभारी कुणाल कुमार, यातायात प्रभारी संगीता कुमारी तथा समाजसेवी सुनील कुमार ने श्रमदान कर कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया.

महाकालेश्वर छठ घाट समिति के अध्यक्ष अमर सिंह ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी समिति द्वारा छठ व्रतधारियों की सुविधा के लिए समिति

रात दिन कार्य करेगी और स्वच्छ घाट, रास्ते पर कालीन, व्रतधारियों के लिए चेंजिंग रूम, चलन्त शौचालय, विद्युत-सज्जा समेत निःशुल्क दूध, दातून, गंगाजल एवं पेयजल व चाय की व्यवस्था की जाएगी. वहीं यातायात प्रभारी संगीता कुमारी ने कहा कि बहुत लोगों से इस छठ घाट की सुविधा तथा साफ-सफाई के बारे में सुनी है. हर तरह से मदद करने को हमलोग तैयार हैं. व्रतधारियों और श्रद्धालुओं को सभी प्रकार की सुविधा मिले, इसको लेकर हम सब सहयोग करेंगे. वही नगर परिषद पदाधिकारी ने अपना पूर्ण सहयोग देने की बात कही. समाजसेवी सुनील अग्रवाल ने कहा कि यह छठ घाट साफ स्वच्छ और सुरक्षित है. यहां की सुविधा और व्यवस्था के कारण हजारों लोग यहां आते हैं. काफ़ी भीड़ होती है. बुजुर्ग और विकलांग लोगों के छठ घाट तक आवागमन के लिए दो टोटो उपलब्ध करवाने की बात कही है.

केंद्रीय भूमि जल बोर्ड के कर्मियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

संवाददाता। रांची

केंद्रीय भूमि जल बोर्ड प्रभाग-5 एवं राज्य एकक कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता के प्रति जागरूक करने को लेकर 1 अक्टूबर से लेकर दिनांक 31 अक्टूबर तक पांच विशेष स्थानों को चयनित कर स्वच्छता अभियान चलाया गया. इस अभियान के तहत हरमू कार्यालय एवं अशोकनगर कार्यालय के आसपास सहित धुर्वा डैम, अरगोड़ा तालाब एवं कांके डैम में भी सफाई अभियान चलाया गया. इस अवसर पर आसपास के निवासियों को अपने आवासीय परिसर को साफ रखने और प्लास्टिक मुक्त रखने की सलाह सहित दैनिक जिंदगी में स्वच्छ और साफ रहने के प्रति जागरूक किया गया. 1 अक्टूबर से लेकर 31

अक्टूबर के दौरान मनाए गए स्वच्छता अभियान के विभिन्न गतिविधियों का समन्वय नोडल पदाधिकारी अतुल बेक, गिरजा शंकर सेनापति ने किया. इस अवसर पर कार्यपालक अभियंता एससी प्रसाद, सहायक कार्यपालक अभियंता मिलन कुमार मल्लिक, सपना साक्षी, अमित कुमार सिन्हा, रंजन कुमार, पवन कुमार दीपक विवेक कुमार सहित कई कर्मचारी एवं अधिकारी मौजूद थे.

हिंदपीढ़ी के मदरसे में हुआ कंबल का-वितरण

रांची। मेरी आवाज मेरी पहचान के द्वारा हिन्दपीढ़ी स्थित मदरसा में मंगलवार को बच्चों को कंबल वितरण किया गाया. रहमानिया बच्चों को ठंड में परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े इसे ध्यान में रखते हुए कंबल दिया गया. मेरी आवाज मेरी पहचान के अध्यक्ष देवेश खान ने हाफिज मिकाईल के कामों की खूब सराहना की. उन्होंने कहा कि ये बच्चों को अच्छी शक्षा दे रहे हैं. यह बच्चों के प्रति काफी गंभीर रहते हैं. रहमानी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष हाफिज मिकाईल ने मेरी आवाज मेरी पहचान के सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया और अच्छे कामों को सराहा. सचिव बुलंद अख्तर ने बच्चों से कहा कि बच्चों को किस्मत से नहीं, मेहनत से कामयाबी मिलती है. शिक्षा से ही तरक्की मुमकिन है. सारे बच्चे एक नमूना बन कर रहे.

वार्षिक महोत्सव में 21 दिसंबर को सजेगा खाटू वाले का दरबार

संवाददाता। जमशेदपुर

सोनारी में श्री श्याम सेवा संघ द्वारा 21 दिसंबर को 22वां वार्षिक श्याम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा. महोत्सव की तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं. इस संबंध में मंगलवार को राजस्थानी महिला सत्संग भवन में संस्था के अध्यक्ष अशोक दीवान की अध्यक्षता में बैठक हुई. मौके पर अशोक दीवान ने बताया कि इस वर्ष भजनों की अमृत वर्षा के लिए राजस्थानी धमालों के लिए प्रसिद्ध भजन गायक विवेक शर्मा (जीतू) को कोलकाता एवं रोमा निषाद को

प्रयागराज से आमंत्रित किया गया है. साथ ही लौहनगरी के भजन गायक महाबीर अग्रवाल मुन्ना भी मंच संचालन करते हुए अपनी हाजिरी बाबा के दरबार में लगायेंगे. इसके अलावा एक विशाल शोभा यात्रा सोनारी राम मंदिर से प्रारम्भ होकर मुख्य मार्गे से गुजरती हुई आयोजन स्थल तक जायेगी. शोभा यात्रा मे इस वर्ष राजस्थान के सूरजगढ़ के निशान का भक्त दर्शन कर पायेंगे. साथ ही मनमोहक झांकी, बैंड बाजा, 351 निशान, बैनर, भजनो की अमृत वर्षा इस शोभा यात्रा का मुख्य आकर्षण होगा. इस शोभा यात्रा के मार्ग में कई तोरण द्वार भक्तो द्वारा लगाए जायेंगे. बैठक मे मुख्य रूप से संदीप मित्तल, समीर दीवान, अजय मित्तल, अरविन्द अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, विकेश दीवान, राजेश टोड़ी, जितेंद्र साबु, अमित अग्रवाल, रुपेश जैन, पंकज अग्रवाल समेत संस्था के सभी सदस्य उपस्थित थे.

आयोजन दिल्ली पब्लिक स्कूल में चल रहे चार दिवसीय चैंपियनशिप का हुआ समापन

योगासन चैंपियनशिप में धनबाद पब्लिक स्कूल ओवरऑल चैंपियन

संवाददाता। धनबाद

दिल्ली पब्लिक स्कूल में चल रहे चार दिवसीय सीबीएसई ईस्ट जोन योगासन चैंपियनशिप-2023 का समापन 31 अक्टूबर को पुरस्कार वितरण के साथ हुआ. प्रतियोगिता में सबसे अधिक पुरस्कार प्राप्त कर धनबाद पब्लिक स्कूल, धनबाद ओवरआल चैंपियन बना. वहीं विवेकानंद विद्या मंदिर धुर्वा रांची को ओवरऑल रनर अप चैंपियन का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. इसके पूर्व अंतिम दिन फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई करने वाले विभिन्न विद्यालयों के ग्रुप इवेंट के प्रतिभागियों ने कई दौर की प्रतियोगिता में विभिन्न योगासनों का

प्रदर्शन किया.

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम : समापन समारोह में समूह गान एवं रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने विजेता प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार का वितरण किया. इस अवसर पर विभिन्न वक्ताओं ने योग की महत्ता पर प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि योग न केवल शरीर को फिट रखने के लिए उपयोगी है, बल्कि यह कई बीमारियों से भी मुक्ति दिलाता है. साथ ही हमारे तन और मन सबको

खास बातें

- विवेकानंद विद्या मंदिर रांची बना ओवरऑल रनर अप चैंपियन
- विभिन्न विद्यालयों के ग्रुप इवेंट के प्रतिभागियों ने किया प्रदर्शन

दुरुस्त रखता है. इसलिए योग को अधिक से अधिक अपनाया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि यह गौरव की बात है कि योग भारतीय विद्या है और हमारे देश के मनीषियों द्वारा कठिन साधना के बाद इसकी खोज की गयी है. हम आधुनिकता की दौड़ में इस विद्या की उपेक्षा करते रहे, जबकि विदेशों में इस विद्या को पूरे उत्साह के साथ न केवल स्वीकार किया गया, बल्कि योगा के रूप में उसका प्रसार पूरी दुनिया में भी किया गया. आवश्यकता है कि हम योग को अपना कर अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करें.

ये रहे उपस्थित: विद्यालय की प्राचार्य सह ऑर्गेनाइजिंग प्रेसिडेंट डॉ. सरिता सिन्हा, सीबीएसई ऑब्जर्वर मृण्मय साहा, सीबीएसई टेक्निकल सात्यकि चक्रवर्ती, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री रेजा इश्तियाक के अलावा उप प्राचार्य कल्याणी प्रसाद, मुख्य अध्यापिका गीता शाह, खेल विभाग के शिक्षक रणजीत सिंह, कुणाल कुमार, आरती सिंह, सोनम सिंह व अन्य शिक्षक-शिक्षिका उपस्थित थे.

दुर्लभ योगों के साथ करवा चौथ आज

संवाददाता। रांची

इस वर्ष करवा चौथ पर्व के अवसर पर तीन दुर्लभ योग बन रहे हैं. यह जानकारी ज्योतिषी आचार्य प्रणव मिश्रा ने दी. उन्होंने बताया कि यह व्रत 1 नवंबर को सुहागिन महिलाओं द्वारा रखा जाएगा. इस वर्ष करवा चौथ व्रत के समय बुधादित्य योग, शिव योग और सर्वार्थसिद्धि योग बन रहे हैं, जो अत्यंत उत्तम है.

उन्होंने बताया कि करवाचौथ एक सांध्य व्यापिनी व्रत है. जिस दिन संध्या काल में चौथ पड़ेगा उसी दिन यह व्रत होगा. इस प्रकार एक नवंबर को यह व्रत पड़ रहा है. एक नवंबर को चंद्रदर्शन रात्रि 8 बजे है. इसलिए 09: 30 बजे रात्रि तक चंद्रमा का पूजन और अर्घ्य अर्पित करने का कार्यक्रम किया जाएगा. कुछ जगहों पर पति-पत्नी एक साथ मिलकर व्रत करते हैं और साथ मिलकर व्रत

तोड़ते भी हैं. ऐसी मान्यता है कि इससे पति-पत्नी के बीच प्यार बना रहता है. उन्होंने बताया कि करवा चौथ 2023 के अवसार पर बन रहे महासंयोग में बहुत लंबे समय के बाद मंगल और बुध एक साथ विराजमान होंगे, उसकी वजह से बुध-आदित्य योग बन रहा है, जो बहुत ही शुभ माना जाता है. इतना ही नहीं, करवा चौथ के दिन शिव योग और सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है.उल्लेखनीय है कि करवा चौथ का यह व्रत सुहागिन स्त्रियां अपने पति की लंबी उम्र के लिए रखती हैं. महिलाएं करवा चौथ के दिन कठिन उपवास रखती हैं और चांद के निकलने तक पानी की एक बूंद भी ग्रहण नहीं करती हैं. दिन भर व्रत रहने के बाद रात में चौथ का चांद देखने के बाद छलनी में पति का चेहरा देखकर ही महिलाएं व्रत का पारण करती हैं. यह व्रत 12 वर्ष या 16 वर्ष तक किया जाता है. बाद में इसका उद्यापन भी किया जा सकता है. कोई सुहागन स्त्री बाद में चाहे तो व्रत को आगे भी कर सकती हैं.

खास बातें

- बन रहे बुधादित्य योग, शिव योग और सर्वार्थसिद्धि योग
- संध्या व्यापिनी व्रत है सुहागिनों के लिए करवा चौथ

हाय महंगाई, तू कहां से आई, तुझे क्यों मौत न आई...

दशकों पहले यह गाना काफी प्रचलित हुआ था. तब देश में बढ़ी महंगाई को देखते हुए इस गाने को लिखा गया था, जिसे काफी सुना गया. लेकिन इतने सालों बाद भी इस गाने की प्रासंगिकता खत्म नहीं हुई है, क्योंकि महंगाई आज भी सिर चढ़कर बोल रही है. लोगों को डरा रही है. इस वजह से कहीं लोगों ने अधिक कीमतों वाले खाद्य पदार्थ को खाना छोड़ दिया है. इसमें जो वर्ग समृद्ध है उसके लिए महंगाई का कोई मतलब नहीं है. उनकी जिंदगी आज भी उसी रफ्तार से चल रही है. लेकिन मध्यम वर्ग इससे सीधा प्रभावित है. इसका सीधा असर आम लोगों से लेकर छोटे दुकानदारों, ठेला-खोमचे पर खाद्य पदार्थ और व्यंजन बेचने वालों पर पड़ा है. जो सड़क किनारे जीवनयापन करते हैं, उन्हें सामान में कटौती करनी पड़ती है, इससे भोज्य पदार्थ की गुणवत्ता घट जाती है. इससे उनकी बिक्री घट जाती है. इसमें सबसे अधिक उपयोगी प्याज है. इसका उपयोग हर तरह के व्यंजन में होता है. इसके बिना भोजन का जायका नहीं बनता है. वहीं मंडी से निकलकर दुकान पहुंचते-पहुंचते सब्जी समेत अन्य खाद्य पदार्थों की कीमत में काफी अंतर हो जाता है. इस अंतर को ग्राहक समझना नहीं चाहते हैं और दुकानदार चाहकर भी कुछ नहीं कर सकते हैं. ऐसे में उनकी दुकानदारी मारी जाती है. शुभम संदेश ने विषय की गंभीरता को देखते हुए उठाया और दुकानदारों से बातचीत कर तैयार की रिपोर्ट.....

गिरिडीह

महंगाई चरम पर पहुंच गया है: आशीष
गावां प्रखंड के व्यवसाई आशीष कुमार ने बताया कि महंगाई चरम पर पहुंच गया है. जो ग्राहक पहले 1000 का सामान ले जाता था वह अब पांच-छह सौ रुपए का ही सामान ले जाता है. दाल, आटा और तेल की बिक्री कम हो गई हैं. उन्होंने कहा कि ग्राहक कहते हैं कि महंगाई इसी तरह बढ़ती रही तो खाद्य सामग्री खरीदना मुश्किल हो जाएगा. तो इसका असर कारोबार पर पड़ेगा. जबकि अभी से ही बढ़ती महंगाई से ग्राहकों के साथ-साथ दुकानदार परेशान हैं. उनकी भी आमदनी काफी कम हो गई है. इसे बढ़ाने की सारी कोशिश बेकार साबित हो रही है.

ग्राहकों की संख्या घटने लगी है: मुकेश
जमुआ प्रखंड के मनकडीहा गांव के छोटे व्यवसाई मुकेश कुमार शर्मा ने कहा कि वह गांव में छोटा-मोटा व्यवसाय करके अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं. बढ़ती महंगाई के कारण अब ग्राहकों की संख्या घटने लगी है. पूंजी कम होने के कारण दुकान में सभी तरह का सामान भी नहीं रख पा रहे हैं. हर चीज की कीमत काफी अधिक हो चुकी है. कई ऐसे ग्राहक है जिन्हें सभी समान नहीं मिलने पर वह दूसरे दुकान चले जाते हैं. बढ़ती महंगाई के कारण छोटे दुकानदारों का बुरा हाल है.

महंगाई से सभी लोग परेशान हैं: जयप्रकाश
तिसरी प्रखंड के व्यवसाई जयप्रकाश वर्णवाल ने कहा कि खाद्य सामग्रियों की बढ़ती महंगाई से सभी वर्ग के लोग परेशान हैं. सबसे ज्यादा परेशानी मध्यम वर्गीय परिवार को झेलनी पड़ रही है. पहले ग्राहक एक सप्ताह और 15 दिन का समान एक साथ ले जाते थे . लेकिन बढ़ती महंगाई के कारण या ग्राहक 1 दिन का सामान खरीद कर ले जाते हैं. उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष से महंगाई के साथ-साथ लोगों की आमदनी भी बड़ी थी लेकिन कुछ महीनों में आमदनी से कई ज्यादा गुना महंगाई बढ़ गई है. यही वजह है कि लोग खासा परेशान है.

हर चीज की कीमत बढ़ी है: साबिर अंसारी
व्यवसाई मो साबिर अंसारी ने कहा कि खाद्य सामग्रियों की कीमतों में बढ़ोतरी होने से व्यवसाय और ग्राहक दोनों ही परेशान हैं. वर्तमान समय में छोटा व्यवसाय करने वाले दुकानदार भी हरी सब्जी नहीं खरीद पा रहे हैं. कम पूंजी होने के कारण दुकान भी खाली-खाली दिखने लगा है. हर चीज की कीमत काफी बढ़ी हुई है. महंगाई पर काबू नहीं पाया गया तो आने वाले दिनों में लोगों की परेशानी और बढ़ सकती है. उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से खाद्य सामग्रियों की महंगाई पर नियंत्रण स्थापित करने की मांग की है.

बोकारो

महंगाई का असर दुकानदारी पर पड़ा है: गौतम मुखर्जी
बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के धधकिया निवासी चाय एवं पान दुकानदार गौतम मुखर्जी ने बताया कि महंगाई का असर हमारी दुकानदारी पर पड़ा है. खाद्य पदार्थों के दाम में बढ़ोतरी से जब चाय की मात्रा में कमी की, तो ग्राहक बहसबाजी करते हैं. पहले दुकान में चार से पांच सौ रुपये तक की बिक्री हो जाती थी, लेकिन इधर पिछ्ले पांच छह महीने से मुश्किल से तीन से चार सौ रुपये तक की चाय की बिक्री कर लेते हैं. राशन दुकानों में खाद्य पदार्थों के दाम लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं, इससे हम जैसे छोटे छोटे दुकानदार की परेशानी बढ़ गयी है.

छोटे दुकानदार हैं परेशान: कार्तिक साव
बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के मोचरो निवासी राशन दुकानदार कार्तिक साव ने बताया कि महंगाई का असर सिर्फ आम जनता ही नहीं, बल्कि हम जैसे छोटे छोटे दुकानदारों को भी झेलना पड़ रहा है. बड़े बड़े सेठ साहूकार के पास पूंजी की कमी नहीं है, इसलिए खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ने से पूर्व वे माल अपने गोदामों में स्टॉक कर लेते हैं. हम जैसे छोटे दुकानदार पूंजी के अभाव में जब दाम बढ़ जाता है, तब सामान की खरीदारी करते हैं. इससे हमें घाटा होता है. इससे दुकानों में बिक्री पर भी असर पड़ता है. छोटे दुकानदारों के हित में सरकारों को सोंचना चाहिए.

लिट्टी का साइज घटाना पड़ा: मुखर्जी
बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के सुरजुडीह निवासी लिट्टी दुकानदार अभिजीत मुखर्जी ने बताया कि खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ जाने से जब लिट्टी चोखा का दाम बढ़ाते हैं, तो दुकान में बिक्री अचानक घट जाता है. लाचार होकर लिट्टी का साइज ही थोड़ा छोटा करना पड़ा है. पहले जब खाद्य पदार्थों के दाम कम थे, तो इस व्यवसाय में फायदा दिख रहा था, लेकिन अब दुकानों में बिक्री तो खूब हो रही है, लेकिन फायदा ज्यादा नहीं हो रहा है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हो या केंद्र सरकार दोनों मिलकर महंगाई रोकने का काम करे, ताकि आम लोगों से लेकर ठेले व खोमचेवाले को भी राहत मिले.

व्यवसाय में घाटा हो रहा है: विवेक महाराज
बोकारो जिले के कसमार निवासी होटल व्यवसायी विवेक महाराज ने बताया कि अब होटल का व्यवसाय लगातार घाटे का व्यवसाय बन गया है. खाद्य पदार्थों के दाम में बढ़ोतरी से दुकान में ग्राहकों की संख्या में पहले की तुलना में कमी आयी है. दुकान में बिक्री कम होने के कारण स्टाफ को दैनिक मजदूरी भुगतान करने में भी परेशानी होती है. उन्होंने झारखंड की हेमंत सरकार एवं केंद्र की मोदी सरकार से आग्रह किया कि महंगाई को रोकने की दिशा में कार्य करे, ताकि आम जनता से लेकर दुकानदारों को राहत मिल सके.

धनबाद

सरकार को कदम उठाना चाहिए: अमर कुमार
हीरापुर हटिया में फल का ठेला लगाने वाले झरिया निवासी अमर कुमार ने बताया कि दो-तीन महीने पहले तक फलों की कीमत में अप्रत्याशित वृद्धि होने की वजह से उनकी आय पर जबरदस्त असर पड़ा था. वहीं अब हरी सब्जी, प्याज व राशन महंगा हो जाने से उनकी आर्थिक स्थिति डांवाडोल हो चुकी है. वर्तमान आर्थिक हालात को देखते हुए महंगाई को कम करने के लिए सरकार को जरूरी कदम उठाने की जरूरत है. ताकि आने वाले दीपावली व छठ का त्योहार लोग अच्छे से मना सकें. नहीं तो आनेवाले समय में मुश्किलों और बढेंगी.

हमलोग अब कहां जाएंगे: सुनील चौरसिया
हीरापुर हटिया में फुटपाथ पर कपड़े का दुकान लगाने वाले दामोदरपुर निवासी सुनील चौरसिया ने बताया कि महंगाई का सीधा असर मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ता है. एक दो महीने पहले टमाटर की कीमत दो सौ रुपया किलो पर पहुंच गया था. इस दौरान लहसुन भी महंगे हो गए थे. अभी इसे उबरे भी नहीं थे कि हरी-सब्जी व प्याज की बढ़ी कीमतों ने घर व किचन का बजट बिगाड़ दिया है. आखिर हमलोग किधर जाएंगे. खाने के लिए कुछ तो खरीदना पड़ेगा. इस तरह से महंगाई बढ़ती रहेगी तो घर चलाना मुश्किल होगा.

महंगाई ने तोड़ दी है कमर : राकेश कुमार
हीरापुर हटिया में ठेले पर जूस का दुकान चलने वाले कार्मिक नगर निवासी राकेश कुमार पंडित ने बताया कि पहले पेट्रोल और डीजल महंगे होने की वजह से महंगाई बढ़ जाती थी लेकिन अब बिना किसी कारण के भी बढ़ रहे महंगाई ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है. पहले कौन से लगाकर सड़कों पर दुकानदारी करने वाले निम्न मध्य वर्गीय परिवार से सबसे ज्यादा प्रभावित होता है. महंगाई बढ़ने से लोगों की कमाई घट जाती है जिससे प्रतिदिन का बिजनेस करने वालों की कमाई पर भी असर पड़ता है. बेटे एक दो सप्ताह से उनका भी बिजनेस गिरा है.

परिवार चलाने में हो रही परेशानी : सोनू कुमार
तेलीपाड़ा में स्टेशनरी व सब्जी का दुकान चलाने वाले सोनू कुमार साव ने बताया कि हरी सब्जी और प्याज की कीमत बढ़ने से सबसे ज्यादा सब्जी दुकान चलाने वाले ही परेशान हैं, क्योंकि एक तो उनके घर व किचन का बजट बिगड़ गया है वहीं कीमत बढ़ने से लोग खरीदारी भी कम कर रहे हैं. जिससे उनके आय पर भी प्रभाव पड़ा है. इन वजहों से बीते एक दो महीना से परिवार चलाने में काफी मशक्कत का सामना करना पड़ रहा है. त्योहार का मौसम होने से बढ़ी महंगाई के कारण सिर मुड़ाते ही ओले पड़ने जैसा एहसास हो रहा है.

हजारीबाग

चाय बेचकर गुजारा होता है : उदय कुमार
हजारीबाग में चाय बेचकर जिंदगी का गुजारा करनेवाले सिमरिया के उदय कुमार कहते हैं कि महंगाई से कैसे पार पाएंगे. चाय बेचकर गुजारा कर रहे हैं. डोर-टू-डोर जाकर चाय बेचने पर दिनभर में पांच से सात सौ रुपए कमा रहे हैं. अब तो सब्जी खरीदना भी मुश्किल है. पहले दिन में चाय बेचते थे. अब रात में बस स्टैंड में चार घंटे चाय बेचते हैं, तो कुछ कमाई बढ़ी है.

धंधे पर पड़ रहा इसका असर : अशोक कुमार
अशोक कुमार विष्णुगढ़ के हॉस्पिटल चौक पर ठेला लगते हैं. वह समोसा, चॉप, पकौड़ा, लिट्टी चोखा और चाय बेचते हैं. वह कहते हैं कि महंगाई का असर उनके धंधे में पड़ा है. बिक्री कम हुई है जिससे इनकी आमदनी घटी है. समोसे आदि के दाम बढ़ाने पर ग्राहक कम हो गए. पुराने दर पर बेचते हैं, तो लागत भी नहीं वसूल पाते हैं. समझ में नहीं आता है कि इस महंगाई से कैसे पार पाएं.

दाम बढ़ाया तो घटे ग्राहक : गोरेलाल
बिहार स्थित रजौली के रहने वाले गोरेलाल लगभग 10 वर्षों से विष्णुगढ़ हॉस्पिटल चौक पर ठेला लगाकर गुपचुप बेचते हैं. उनके व्यवसाय पर भी महंगाई का असर हुआ है. बिक्री में गिरावट आई है. वह कहते हैं कि पहले 10 रुपए में तीन गुपचुप देते थे, अब दो देते हैं, तो ग्राहक कम आने लगे. पुराने दर पर बेचने से लागत भी नहीं निकलता है. ऐसे में महंगाई से हमलोग बुरी तरह से प्रभावित हैं.

सरकार को महंगाई कम करना चाहिए : डेगलाल
डेगलाल भी विष्णुगढ़ हॉस्पिटल चौक पर ठेला लगाते हैं. पकौड़ा, समोसा, चॉप और चाय बेचते हैं. इनका धंधा भी महंगाई से प्रभावित हुआ है. पहले के मुकाबले बिक्री घटी है. वह कहते हैं कि मुश्किल से भरपाई कर रहे हैं. बिक्री पर असर पड़ने से परिवार की गाड़ी खींचने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. सरकार को चाहिए कि महंगाई कम करे. ताकि आलोगों को राहत मिल सके.

सामान के दाम बढ़ गए हैं : चेतलाल साव
चौपारण डेली मार्केट में करीब 15 वर्षों से चाट-गुपचुप का ठेला लगाने वाले चेतलाल साव कहते हैं कि पहले की अपेक्षा अब सभी सामान के दाम दोगुने बढ़ गए हैं. पहले सारा सामान 3-4 बजे तक बिक जाता था. अभी शाम तक सामान बिकने का इंतजार करना पड़ता है. उसके बाद भी पूरी कमाई नहीं हो पा रही है. सरकार को महंगाई पर नियंत्रण करने की जरूरत है. ताकि आमलोग चैन से रह सकें और जीवनयापन कर सकें.

घर चलाना मुश्किल हो रहा है: दीपक साव
दारू पुराना दुर्गा मंडप के डेली मार्केट के पास कई वर्षों से दुकान लगाने वाले दीपक साव कहते हैं कि पहले और अब की बिक्री में काफी अंतर आ गया है. महंगाई के कारण बिक्री कम हो गई है. घर चलाना काफी मुश्किल हो गया है. जहां छह बजते-बजते सामान खत्म हो जाता था, अभी 8:00 बजे रात तक भी सामान खपत कर पाना काफी मुश्किल हो रहा है. रेट बढ़ाने पर ग्राहक भड़क जाते हैं.

बिजनेस से अच्छा ड्राइवर की नौकरी थी : लखन
ड्राइवर की नौकरी छोड़कर घूम-घूम कर फुचका बेचने वाले दारू के लखन साव ने बताया कि वह कई वर्षों तक ड्राइवर थे. लेकिन उन्होंने अपने मन में ठाना था कि घूम-घूम कर फुचका बेचकर अधिक कमाएंगे. लेकिन महंगाई के कारण अब काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है. परिवार के भरण-पोषण में काफी कठिनाइयां हो रही हैं. अब तो लगता है कि फिर से ड्राइवर बनना पड़ेगा.

सरकार को पहल करनी चाहिए : अनिता
सोरेन हजारीबाग के चुरचू प्रखंड स्थित बहेरा पंचायत अंतर्गत फुसरी गांव की शिक्षिका अनिता सोरेन ने कहा कि महंगाई रोकने के लिए सरकार को पहल करनी चाहिए. बढ़ती महंगाई ने निम्न और मध्यमवर्गीय परिवार की कमर तोड़ दी है. हमलोग पहले महीने भर का राशन जितने में खरीद लेते थे, अब 15 दिन भी पूरा नहीं हो रहा है. ऐसे में घर का राशन चलाने के लिए मैनेज करना बहुत ही मुश्किल है. चूंकि एक तरफ प्याज रुला रहा है.

चक्रधरपुर

घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ी: महेश कुमार
चक्रधरपुर में फल की ठेले लगाने वाले महेश कुमार ने कहा कि महंगाई बढ़ने के कारण घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है. इससे परिवार चलाना काफी मुश्किल हो रहा है. परिवार में लोगों की संख्या अत्यधिक है और आमदनी बहुत कम. ऐसी हालत में दिन प्रतिदिन महंगाई बढ़ने से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. जन वितरण प्रणाली के राशन दुकानों में सही समय पर अनाज भी नहीं मिलते हैं. जिसके कारण महंगे दाम में बाजार से खाद्यान्न सामान खरीदना पड़ता है.

महंगाई से जीना हुआ मुश्किल: मीरा देवी
चक्रधरपुर निवासी सब्जी विक्रेता मीरा देवी ने कहा कि महंगाई के कारण जीना मुश्किल हो गया है. जिस दिन बिक्री नहीं होती उस दिन उधार लेकर घर परिवार चलाना पड़ता है. महंगाई से किसी प्रकार की राहत नहीं है. प्रत्येक सामान के दामों में तेजी से इजाफा हुआ है. सरकार महंगाई पर लगाम नहीं लग पा रही है. महंगाई बढ़ने के कारण थोक बाजार से भी कम सब्जियां लाकर बेचना पड़ता है. वहीं पहले की तरह अब बिक्री भी नहीं हो रही है.

घर का बजट गड़बड़ाया है: जगन्नाथ मोदक
चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय के समीप ठेला लगाने वाले जगन्नाथ मोदक ने कहा कि बढ़ती महंगाई में परिवार चलाना काफी मुश्किल हो गया है. घर का बजट गड़बड़ा गया है. बच्चों के स्कूल फीस ट्यूशन फीस, घर भाड़ा इत्यादि में ही पैसे खर्च हो जाते हैं. ऊपर से खाने पीने के सामानों के दामों में भी तेजी से वृद्धि हो रही है. आलम ऐसा हो जाता है कि पर्व त्यौहार भी बढ़ती महंगाई के कारण खुशी-खुशी नहीं मना पाते हैं. सरकार को बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण करने की आवश्यकता है.

चंदवा

व्यापार पर पड़ा है महंगाई का बहुत अधिक असर: नितिन कुमार

नितिन कुमार एक फार्चून व्यवसायी हैं. इनका चंदवा स्थित इंदिरा गांधी चौक के समीप दुकान है. ये महंगाई पर अपनी बात रखते हुए कहते हैं कि महंगाई का असर तो व्यापार में पड़ा है. इसके कारण खाद्य पदार्थों के गुणवत्ता पर भी काफी असर पड़ रहा है. केंद्र एवं राज्य सरकार को अब जीरो टैक्स पॉलिसी की तरफ कदम उठाना चाहिए. विभिन्न तरह के करों का महंगाई पर गहरा असर पड़ता है. सरकार को अपने आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित करने चाहिए. जीरो टैक्स पॉलिसी से महंगाई में राहत मिलेगी और बाजार में रौनक वापस आयेगी. नहीं तो आम लोग इससे प्रभावित होंगे. इसका असर दिख रहा है. इसे सरकार को देखना होगा.

सामान की बढ़ती कीमतों ने स्थिति खराब कर दी है: रामजी प्रसाद

चंदवा चौक स्थित चाय नास्ता के होटल व्यवसायी रामजी प्रसाद आज बढ़ती महंगाई पर अपनी बात रखते हुए कहते हैं कि तेल, मैदा आलू, प्याज की बढ़ती कीमतों ने स्थिति खराब कर दी है. महंगाई से हम होटल संचालकों को होटल चलाना मुश्किल हो गया है. इस वजह से सामान का आकार छोटा करते हैं तो ग्राहक आना कानी करते हैं. वे नाराज होकर चले जाते हैं. साइज छोटा नहीं करें तो खर्च बढ़ जाता है. इससे घर के बजट पर असर पड़ता है. आखिर हमलोग कहां जाएं. इसमें स्टाफ को भी पैसा देना पड़ता है. तब हमें बहुत कम बचता है. ऐसे में तो सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए.

किरीबुरू

व्यवसाय में प्रतिस्पर्द्धा बढी.है: केदार चौधरी
मेघाहातुबुरु के मीना बाजार में स्थित के के होटल के मालिक केदार चौधरी ने बताया की खाद्य पदार्थों व सब्जियों की कीमत में भारी वृद्धि के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. व्यवसाय में प्रतिस्पर्द्धा काफी बढी.हुई है. ऐसे में हम होटल के समानों की कीमत बढा.नहीं सकते हैं. लेकिन उक्त समानों की वृद्धि एवं अपना आर्थिक नुकसान नहीं हो इसलिये प्याज, अदरक, हरी मिर्च आदि महंगी सामानों की क्वांटिटी में कमी कर अपने आप को बैलेंस करने की कोशिश कर रहे हैं. इसके बावजूद कारोबार पर असर पडा.है जिससे आर्थिक नुकसान हो रहा है.

कम करेंगे तो स्वाद प्रभावित होगा: श्यामल
फास्ट फूड दुकानदार श्यामल कांति चक्रवर्ती ने बताया की फास्ट फूड में इस्तेमाल होने वाली सभी सामग्री की कीमत में भारी वृद्धि हो गई है. हम फास्ट फूड में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को कम नहीं कर सकते हैं. क्योंकि कम करेंगे तो स्वाद प्रभावित होगा, जिससे ग्राहक टूटेंगे. बाजार की स्थिति देखकर अपने समानों की कीमत भी नहीं बढा.सकते हैं. ऐसी स्थिति में शून्य लाभ कर काम इस आशा व विश्वास के साथ कर रहे हैं कि आने वाले दिनों में खाद्य पदार्थों व सब्जियों की कीमत में गिरावट होगी. इससे लोगों को राहत मिलेगी.

लाभ में गिरावट आयी है: राकेश जयसवाल
मीना बाजार में पराठे की दुकान का संचालक राकेश जयसवाल ने बताया की पिछले कुछ दिनों से अचानक खाद्य पदार्थों व सब्जियों की कीमतों में हुई भारी वृद्धि के कारण उनका लाभ में भारी गिरावट आयी है. इस नुकसान की कुछ हद तक भरपाई तो वह समानों की मात्रा में कमी करके कर रहे हैं. लेकिन यह नाकाफी है. इससे गुणवत्ता से समझौता करना पड़ता है. इससे कारोबार पर असर पड़ता है. वर्तमान में यह घाटे का सौदा है. अगर यहीं महंगाई आगे समय तक जारी रहा तो संभव है कि समानों की दामों में वृद्धि किया जाये.

स्टाफ को समय पर पैसा देना होता है: नव किशोर
मेघाहातुबुरु का जेना कैंटिन के संचालक नव किशोर जेना ने कहा कि पिछले 10 दिनों के दौरान रहर दाल 170, जीरा लगभग 1000 रुपये, आटा 45 रुपये, प्याज 80 रुपये, हरी मिर्च 150, लहसुन 200, अदरक 150, टमाटर 50-60 रुपये किलो हो गई. लगभग हर सामान की कीमत में भारी वृद्धि होने की वजह से हमारा कारोबार नुकसान से भरा है. हम होटल के सामानों की कीमत में कोई वृद्धि नहीं किये हैं. होटल के मिस्त्री व स्टाफ को समय पर पैसा देना होता है. ग्राहक भी कम हो रहे हैं. ऐसी स्थिति में होटल का संचालन कर परिवार का पेट पालना कठिन हो रहा है.

इस आटा गिला कर दिया है: संजीव गुप्ता
सेल की गेस्ट हाऊस-टू का कैंटिन संचालक संजीव गुप्ता ने बताया की तमाम प्रकार के खाद्यान्न व सब्जियों की कीमतों में वृद्धि से भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है. उसने बताया की सेल का कैंटिन निविदा की कडी. स्पर्धा के बीच लिये हैं. इस कैंटिन का खाना काफी गुणवत्ता पूर्ण बनती है, जिसे सेल अधिकारी समय-समय पर जांच करते हैं. खाना का दर सेल प्रबंधन द्वारा निर्धारित है. कीमत में न वृद्धि कर सकते हैं और न हीं गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता किया जा सकता है. यहां का खाना आर्चरी अकादमी के खिलाड़ी, सेल अधिकारी, बाहरी पर्यटक व आम लोग प्रतिदिन खाते हैं.

आदित्यपुर

हम जैसे व्यवसायी को भी मुश्किल हो रही है: वीरेंद्र
आदित्यपुर के पूर्व पार्षद और हरी सब्जियों के व्यवसायी वीरेंद्र गुप्ता बढ़ती महंगाई और सब्जियों की कीमतों में उछाल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहते हैं कि इस महंगाई से आमलोगों ही नहीं हम जैसे व्यवसायी को भी मुश्किल हो रहा है. व्यवसाय में मंदी आ गई है और घर चलाना मुश्किल हो गया है. उन्होंने कहा कि हरी सब्जियां इतनी महंगी इस सीजन में कभी नहीं होती थी. इस सीजन में सब्जियों के कीमत आसमान छू रहे है. प्याज की कीमत 60 रुपये हो गया है. आम लोग खरीद नहीं पा रहे हैं. पैकेट वाले दूध की कीमत एक साल में 62 रुपये प्रति लीटर हो गया है. कोई भी हरी सब्जियां लें 40 रुपए से प्रति किलो से कम नहीं है. दुकानदार तो किलो नहीं पाव की कीमत ग्राहकों को बता रहे हैं. ऐसे में हम जैसे व्यवसायी हों या आम लोग सबों को घर चलाना मुश्किल हो रहा है. हमें पूंजी जिस अनुपात में लगाना पड़ रहा है उस अनुपात में आमदनी नहीं हो रही है. बाजार का हाल बुरा है.

महंगाई के अनुपात में आय नहीं बढ़ी: दिवाकर
प्याज, हरी सब्जियों और दूध जैसे आवश्यक चीजें की आसमान छूती महंगाई के सवाल पर आदित्यपुर के वरिष्ठ समाजसेवी दिवाकर झा कहते हैं कि हमलोग किसी तरह अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं. वो कहते हैं कि केवल अनाजों के ही नहीं आज के परिवेश में शिक्षा, स्वास्थ्य और खाद्य पदार्थों की कीमतें दोगुनी हो गई हैं. महंगाई के अनुपात में लोगों की आय नहीं बढ़ी है. अगर कुछ बढ़ा है तो बेरोजगारी. नौजवान पढ़ लिखकर प्राइवेट सेक्टर की अल्प आय की नौकरी करने को विवश हैं. जिसके वजह से लोगों का घर चलाना मुश्किल हो गया है. बाजार में हर चीज महंगी है. आज हरी सब्जियां और दूध तो हर दिन महंगे हो रहे हैं. हम लोग तो रिटायर पर्सन हैं पेंशन के सहारे घर चलाते हैं, बहुत मुश्किल से घरबार चल पा रहा है.

चांडिल

सब्जियों के दाम भी बढ़े हैं: कुमुदिनी
चांडिल निवासी गृहिणी कुमुदिनी प्रमाणिक ने कहा कि दिन पर दिन बढ़ती मंहगाई से खाने का जायका ही बिगड़ गया है. वर्तमान में हरी सब्जियों के दाम भी आसमान छूने लगे हैं. ऐसे में रसोई का बजट बिगड़ गया है. मंहगाई से घर चलाना मुश्किल हो रहा है. राज्य और केंद्र सरकार को मध्यम वर्ग की जनता के बारे में भी सोचना चाहिए. महंगाई की मार गरीब और मध्यम वर्ग की जनता को ही अधिक पड़ रही है. कई परिवार में तो हरी सब्जी बनना ही बंद हो गया है. टमाटर के बाद अब प्याज के दाम लोगों को रूला रहा है.

खर्चा पूरा करना मुश्किल : अनुराधा
चांडिल निवासी गृहिणी अनुराधा महतो ने कहा कि बढ़ते महंगाई के कारण घर का खर्च पूरा करना अब मुश्किल हो रहा है. रोज बढ़ती महंगाई के कारण कई मामलों में समझौता करना पड़ रहा है. पर्व-त्योहार के मौसम में ही गरीब वर्ग के लोगों पर महंगाई की मार पड़ती है. राज्य और केंद्र की सरकार को इसे नियंत्रण में करते हुए लोगों को राहत दिलाने की कोशिश करनी चाहिए. राशन के सामान के साथ अब सब्जियों के दाम बढ़ने से खाने के साथ भी समझौता करना पड़ रहा है. खाने की थाली से कई महत्वपूर्ण चीजें गायब होती जा रही है.

परिवार चलाने में हो रही परेशानी : दुखनी
चांडिल निवासी गृहणी दुखनी माझी ने कहा कि बीते कुछ सालों से महंगाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन आय वहीं पुरानी वाली ही है. ऐसे में परिवार का कुशल संचालन संभव नहीं हो रहा है. बढ़ती महंगाई के कारण परिवार चलाने में अब परेशानी होने लगी है. हरी सब्जियों के बढ़ते दामों से खाने का स्वाद ही बदल कर रख दिया है. राशन के बाद अब सब्जी खरीदना भी मुश्किल हो गया है. दिन पर दिन बढ़ती महंगाई पर रोक लगनी चाहिए. इसका सबसे अधिक असर घर के गृहणियों को हो रहा है. रसोई में महिलाओं को दिक्कत होने लगी है.

अब लोगों को रूला रहा प्याज : अष्टमी
चांडिल निवासी अष्टमी रूहि दास ने कहा कि टमाटर के बाद अब प्याज के दाम लोगों को रूला रहा है. केंद्र की भाजपानीत सरकार में महंगाई चरम पर पहुंच गया है. खाद्य सामग्रियों के बाद अब हरी सब्जियां भी महंगी हो गई है. ऐसे में गरीब जनता क्या खाएगा. घर चलाने वाली महिलाओं को सबसे अधिक इसका सामना करना पड़ रहा है. हरी सब्जी के स्थान पर अब लोग चोखा के साथ भोजन कर रहे हैं. सरकार को देश के गरीब जनता के बारे में भी सोचने की जरूरत है. खाने की थाली से पौष्टिक आहार गायब होते जा रहे हैं.

जमशेदपुर

थोड़ी सब्जी से काम चला रहे हैं: मनोरंजन
सब्ज़ी बेचने वाले मनोरंजन माइती कहते हैं कि पहले मैं सब्ज़ी बेचकर ही इतना कमा लेता था कि पांच लोगों के परिवार का गुज़ारा बड़े आराम से हो जाता था. भाई-बहनों की स्कूल फ़ीस भी चुका देता था. लोग कहते हैं कि सब्ज़ियां महंगी हो गई हैं. पहले जो आधा किलो सब्ज़ी ख़रीदते थे वही अब पाव भर से काम चला रहे हैं. कुछ बिचौलिए ज़रूर कमा रहे हैं, लेकिन हमारी आय घटकर आधी रह गई है. ऐसे में घर भी चलाना मुश्किल होता जा रहा है. मंहगाई बढ़ती ही जा रही है. पहले पचास रुपए में दो दिन की सब्ज़ी आ जाती थी.

व्यापार पर असर नहीं हुआ है: विश्वजीत
नाश्ता ठेला लगाने वाले विश्वजीत कहते है कि उनके व्यापार में खासा असर नहीं हुआ है पर आमदनी घट गई है. पहले जितने लोग आते थे और भी उतने ही लोग आते है. हालांकि समानों के दाम बढ़ने से लागत भी बढ़ी है जिससे लाभ कम हुआ है. अब वे सामानों के दाम बढ़ाने पर विचार कर रहे है. जिससे घट रहे लाभ को बढ़ाया जा सके. गैस के दाम में भी बढ़ोतरी से असर पड़ा है. इसे भी सरकार को देखना चाहिए. अगर सरकार सख्त रहेगी तो कोई दाम बढ़ाने की कोशिश नहीं करेगा. इससे आमलोगों को फायदा होगा. यही सरकार से उम्मीद है.

कप छोटा कर दिया गया है: सुरेश कुमार
चाय बेचने वाले सुरेश कुमार के अनुसार दूध व गैस के दाम बढ़ने पर उन्होंने कप छोटा कर दिया है. इस छोटे कप में पहले वाले कप से करीब 20 प्रतिशत कम चाय देनी पड़ेगी. अब वह कप भरकर चाय नहीं दे रहे है. दूध एवं गैस के दाम भी बढ़ गए है. वे कई सालों से लोगों से चाय के दस रुपये ही लेते आ रहे है. सामानों के दाम बढ़ने पर चाय के दाम तो नहीं बढ़ाए पर चाय कम दे रहे हैं. जिससे लोगों को परेशानी भी नहीं हो रही है. वे भी इसे स्वीकार कर रोजाना दुकान पर आते हैं. हमारा तो यही रोजगार है. चाहे जो हो सामान तो खरीदना होगा.

हम पर कोई असर नहीं पड़ा है: मनोज दास
किराना दुकान चलाने वाले मनोज दास कहते है कि महंगाई से दुकान पर कोई असर नहीं पड़ा है. पहले जिस दाम में दुकान के लिए सामान खरीदकर लाते थे उसे लाभ पर ही बेचते थे और आज भी जिस दाम में समान खरीदकर लाते है उसे भी लाभ पर ही बेचते है. यह हमारा रोज का काम है. हालांकि लोगों ने अपनी आदतों में बदलाव किया है और कुछ समान कम खरीद रहे है. इससे दुकानदारी पर अधिक असर नहीं पड़ा है. वहीं घर खर्च भी बढ़ गया है जिससे थोड़ी पेरशानी हो रही है. फिर भी हमें तो इसी स्थिति में रहना है.

लातेहार

बेतहाशा बढ़ रही है महंगाई: अविनाश
इलेट्रानिक दुकान चलाने वाले अविनाश कुमार ने कहा कि महंगाई बेतहाशा बढ़ रही है. महंगाई ने लोगों की कमर तोड़ दी है. सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं. बाजार में कोई भी सब्जी 40 रूपये किलो से कम का नहीं है. प्याज का रेट तो और भी हाई है. अगर यही हाल रहा तो खाने की थाली से सब्जियां गायब हो जायेगी. यह सब बिचौलिया और भंडार वालों के कारण हो रहा है. बिचौलिया किसानों से कम दामों में सब्जियां खरीद कर ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं. वे तो फायदे में रहते हैं, लेकिन हमलगों को नुकसान होता है.

बढ़ती महंगाई चिंता का विषय है: बसंत
टेंपो चलाने वाले बसंत प्रसाद ने कहा कि बढ़ती महंगाई चिंता का विषय है. अगर महंगाई कम नहीं हुई तो हम जैसे लोगों के समक्ष आफत आ जायेगी. दहलन से लेकर तमाम सब्जियां महंगी हो गयी हैं. इससे बाजार में ग्राहकों की संख्या घटने लगी है. आम आदमी परेशान है. प्याज तो लोगों को रूला रहा है. इसकी कीमत में आग लगी है. दिन भर जितनी कमाई नहीं होती है, उतनी तो सब्जी एवं अन्य खाने के सामानों में खर्च हो जाता है. सरकार को महंगाई कम करने के लिए पहल करनी चाहिए.

किसानों को नहीं हो रहा है लाभ: श्यामदेव
कचहरी में मुंशी का काम करने वाले श्यामदेव सिंह ने कहा कि इन दिनों सब्जियों के दाम आसमान छू रहा है. लेकिन इसका लाभ किसानों को नहीं मिल पा रहा है. बिचौलिया गांवों में घुम घुम कर किसानों से सस्ते दामों मे सब्जियां खरीद रहे हैं और उच्चे दामों में बाजार मे बेच रहे हैं. इसमें किसानों की मेहनत मारी जा रही है. प्रशासन पर इस पर नजर रखनी चाहिए. जो किसान कर्जा ले कर दिन भर मजूरी कर अपनी फसल उगाता है, उसे उसकी फसल का मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है.

गोड्डा

महंगाई गरीबों के लिए ही है: रामलाल
बाजार में सब्जी बेच कर गुजारा करने वाले रामलाल ब्रह्म कहते हैं कि महंगाई तो हम नित कमाने खाने वाले के लिए ही होती है. हमारा तो रोज महंगाई से सामना होता है. लेकिन सरकार इस पर ध्यान नहीं देती है. सब्जी के कारोबार में इतनी बचत नहीं है कि आराम से घर परिवार चल सके. लेकिन कोई उपाय नहीं है तो यही करना पड़ता है. वहीं महंगाई से काफी परेशानी होती है. दिन भर की मेहनत के बाद किसी तरह दो वक्त की रोटी मिल पाती है. हमलोग गरीब परिवार से हैं.

सब्जी के दाम में तेजी नहीं आई है: संदीप साह
ठेला लेकर घूम घूमकर सब्जी बेचने वाले संदीप साह कहते हैं कि सब्जी के दाम में बहुत तेजी नही आई है. इससे ज्यादा महंगा तो बाजार में खाने के दूसरे सामान मिलते हैं. दिनभर ठेला लेकर घूमते हैं तब जाकर किसी तरह परिवार का पेट भर पाते हैं. सब दिन एक समान बिक्री भी नही होती है. लेकिन इसे सुननेवाला कोई नहीं है. नेता तो सिर्फ भाषण देकर चला जाता है और परेशानी हमलोगों को झेलना पड़ता है. वहीं कच्चा सामान होने होने की वजह से सड़ता है. इससे हमें काफी नुकसान उठाना पड़ता है.

महंगाई की मार से सभी त्रस्त हैं: मुस्तकीम
कारोबारी मुस्तकीम बताते है कि महंगाई की मार से सभी त्रस्त हैं. सभी को महंगाई झेलनी पड़ रही है. चाहे वह गरीब हो या अमीर, सभी के साथ एक ही समस्या है. वहीं गरीबों को महंगाई झेलने की ताकत कम होती है. उस पर इसका असर तुरंत पड़ जाता है. जबकि अमीर महंगाई को झेल लेते हैं. उन्हें इसका अधिक असर नहीं होता है. जबकि कम आय वाले परिवार पर ज्यादा असर पड़ता है. वही अभी हो रहा है. हमलोगों को काफी सोचकर पैसे निकलने पड़ते हैं. नहीं तो पूरा बजट गड़बड़ हो जाएगा.

चाईबासा

कीमतें आसमान छू रही हैं: लक्ष्मी देवी
गृहिणी लक्ष्मी देवी ने कहा कि हरी सब्जी की कीमतें आसमान छू रही हैं. सब्जी खरीदना मुश्किल हो गया है. रसोई का जायका बिगड़ गया है. पिछले कई महीनों से खाद्य सामग्री के साथ-साथ हरी सब्जियों की कीमत में काफी वृद्धि हुई है. बढ़ती महंगाई के कारण गृहणियों को काफी परेशानी हो रही है. उन्हें ही घर का बजट संभालना पड़ता है. इसलिए इस पर सरकर को ध्यान देना चाहिए.

रसोई का बजट पूरी तरह से बिगड़ा है: जेमा कुई
गृहिणी जेमा कुई ने कहा कि कमरतोड़ महंगाई रसोई का बजट पूरी तरह से बिगाड़ दिया है. हर खाद्य पदार्थ का दाम बढ़ने लगी है. चीज के कीमतों में बढ़ोतरी हुई है. मध्यम वर्गीय परिवार के अलावा रोज़ कमाने खाने वाला मजदूर वर्गों की स्थिति काफी दयनीय है. ग़रीब जनता कुपोषण के शिकार हो रहें है. पौष्टिक आहार की कमी से आम मजदूरों में विकट समस्या उत्पन्न हो गई है.

अब घर चलाना हुआ मुश्किल: रूपा तिर्की
गृहिणी रूपा तिर्की ने कहा कि हरि सब्जी टमाटर, प्याज, लहसुन आदि महंगी हो गई है. जिससे खाने की थाली से प्याज़ ग़ायब हो गए है. कहा कि सरकार बडे व्यापारी जो जमाखोरी कर अपने मुनाफा के लिए कीमत बढ़ा रहे हैं. उनके खिलाफ सरकार कठोर कार्रवाई करें व इस महंगाई से निजात दिलाये. आखिर इसे देखना सरकार का काम है. सरकार सख्त होगी तो सुधार होगा.

सरकार को देखना चाहिए: करिशा टोप्पो
गृहणी करिशा टोप्पो ने कहा सब्जियों की निरंतर बढ़ रही है. बढ़ती मंहगाई से घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है. सब्जियों की कीमतों में भारी वृद्धि हो गई है. ऐसे में घर का बजट पूरी तरह से बिगाड़ कर रख दिया है. किसानों को सुविधा सरकार दे. सिंचाई की सुविधा ग्रामीण क्षेत्र में अधिक होनी चाहिए. गांव में पानी का सप्लाई हो रहा है, घर-घर पानी पहुंचा रही है. यह एक सराहनीय कदम है. लेकिन घर तभी चलता है जब खेती होती है. खेत तक पानी पहुंचाने का सुविधा करनी चाहिए. वहां पर पानी की सुविधा नहीं है. सबसे अधिक खेत स्थान जहां पर है वहीं पर सिंचाई की सुविधा होनी चाहिए.

‘शुभम संदेश’ की झील बचाओ मुहिम को मिल रही सराहना

संवाददाता। हजारीबाग

हर हाल में झील को बचाना है

झील की होती साफ-सफाई और प्रतिक्रिया देते डॉ. सुकल्याण मोइत्रा.

अपनी धरोहर

- झील की सुंदरता बचाने के प्रति शहरवासी मुखर
- मिलकर प्राकृतिक धरोहर को बचाने की आवाज हुई तेज

हजारीबाग झील की नैसर्गिक सुंदरता बचाने के प्रति शहरवासी मुखर होने लगे हैं. साथ ही ‘शुभम संदेश’ की झील बचाओ मुहिम को भी सराहा. प्रत्येक दिन झील आने वाले विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पीआरओ सह राजनीति विज्ञान पीजी के विभागाध्यक्ष डॉ. सुकल्याण मोइत्रा ने कहा कि झील जैसी जगह को ठेकेदारी का अड्डा बना देना गलत है. यह प्राकृतिक धरोहर है और इसे उसी रूप में बनाए रखने की जरूरत है.

उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह से झील के आसपास कंक्रीट से निर्माण कार्य चल रहा है, यह कहीं न कहीं इसकी सुंदरता के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है. उन्होंने ‘शुभम संदेश’ की टीम को भी साधुवाद देते हुए कहा कि खबरों के माध्यम से झील के प्रति आम जनता को जागरूक करने का काम किया है. इसका प्रतिफल भी दिख रहा है. साफ-सफाई और मिट्टी गिराने का काम शुरू कर दिया गया है. उन्होंने जिला प्रशासन से मांग भी की है कि इस क्षेत्र को यथावत छोड़ दिया जाए, ताकि झील की नसैर्गिक सुंदरता बरकरार रखा जा सके.

वहीं, समाजसेवी और स्ट्रीट डॉग लवर के रूप में जाने जाने वाले उज्जवल कुमार ने भी ‘शुभम संदेश’ के बारे में कहा कि युवा कैसे इस मुहिम को आगे बढ़ाएं, इसके लिए जानकारी दें. उन्होंने कहा कि डॉग लवर्स टीम भी चाहती है कि हजारीबाग झील की प्राकृतिक सुंदरता कायम रहे. यहां की प्रकृति सुंदरता के साथ खिलवाड़ नहीं हो. उन्होंने यह भी कहा कि बीच-बीच में झील के आसपास साफ-सफाई और लोगों को जागरूक करने का काम भी वह करते रहे हैं. अब ‘शुभम संदेश’ ने पर्यावरणहित में जो मुहिम छेड़ी है, उस टीम के साथ वह भी शामिल होना चाहते हैं.

विड हार्वेस्टिंग को लाया गया झील, साफ-सफाई शुरू : हजारीबाग की सुंदरता और पहचान झील से है. पिछले चार दिनों से ‘शुभम संदेश’ झील की स्थिति को लेकर एक मुहिम शुरू की थी. धीरे-धीरे मुहिम का असर भी हो रहा है. ‘शुभम संदेश’ ने झील की साफ-सफाई और ठेकेदारी के नाम पर हो रही लूट को लेकर कई सवाल खड़ा किया था. नगर निगम में अब झील की सफाई की शुरुआत कर दी है. दो करोड़ से अधिक मूल्य के विड हार्वेस्टिंग को धोबिया तालाब में रखा गया था. वहां इसका उपयोग ही नहीं हो रहा था. खबर लिखने के बाद वीर हार्वेस्टर वह फिर से झील में लाया गया है. अब जलकुंभी की सफाई शुरू

युवाओं को भी आगे आना होगा : मोनालिसा

अधिवक्ता मोनालिसा ने भी जोर देते हुए कहा कि हजारीबाग की पहचान पूरे राज्य भर में झील से है. अगर झील अपनी प्राकृतिक सुंदरता खो रही है, तो इसके लिए यहां का हर एक व्यक्ति जिम्मेवार है. जिस तरह से ‘शुभम संदेश’ ने सामाजिक दायित्व को पूरा करते हुए लोगों को जागरूक करने का काम किया है, यह काबिले तारीफ है. अब युवाओं को भी आगे आना होगा, तभी झील को बचाया जा सकेगा.

टीम वर्क के साथ काम जरूरी : भैया अभिमन्यु

पिछले 10 साल से प्रत्येक दिन झील आने वाले भैया अभिमन्यु प्रसाद ने भी ‘शुभम संदेश’ की झील बचाने की मुहिम की तारीफ की है. उन्होंने ‘शुभम संदेश’ की टीम के साथ पूरे झील का मुआयना भी किया और बताने की कोशिश की कि कौन-कौन से क्षेत्र झील के लिए महत्वपूर्ण हैं. उन्होंने यह भी कहा कि झील बचाने के लिए एसी कमरे से बाहर निकलना होगा. सभी लोगों को एक टीम वर्क के साथ काम शुरू करने की जरूरत होगी. जो झील प्रेमी इसे बचाना चाहते हैं, उनके साथ प्रशासन को काम करना होगा, तभी झील की सुंदरता को कायम रखा जा सकता है.

‘शुभम संदेश’ के पाठक एम हक भारती की कलम से ...

हजारीबाग झील के अस्तित्व पर मंडरा रहे संकट के गहरे बादल, जिम्मेवार कौन ? कनाल को मिटाने की साजिश... शीर्षक खबर ‘शुभम संदेश’ में पढ़कर और आकर्षित हुए बिना नहीं रह सका. हजारीबाग झील का इतिहास तो जानता नहीं... पर कभी अपने बुजुर्गों से जरूर सुना था कि अंग्रेजों द्वारा इस झील का निर्माण किया गया था. शहर के निचले हिस्सों में विराट झील का निर्माण हुआ था, ताकि शहर के चारों तरफ शहर का बरसाती पानी इन झीलों में समा जाए. झील इतना स्वच्छ पानी से लबालब रहता था और पीने के प्रयोग में आता था. अंग्रेजों द्वारा कई तालाबों का निर्माण हुआ था. इस शहर में उनमें से एक मीठका तालाब, जो डेली मार्केट के बगल में आज भी जीवित है. तालाब से पानी आम लोग बिना फिल्टर किए अपनी प्यास बुझाते थे. यादगार बात बता दूं कि मीठका तालाब के किनारे ग्रामीण तालाब की पानी में सत्तू सान कर खाते थे. मैं भी अपने दादा के साथ उक्त तालाब में सत्तू खाने का आनंद उठा चुका हूं. तब मैं 8-9 वर्ष का था. हजारीबाग में टूरिस्ट्स आते थे. तब हजारीबाग का झील, कैनेरी पहाड़ी, छड़वा डैम, नेशनल पार्क आदि दि सैलानियों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र हुआ करता था और हजारों बागों का शहर हजारीबाग घिरा रहता था. अब सब लुप्त प्राय हो चले. ‘शुभम संदेश’ की पहल काबिले तारीफ है.

ब्रीफ खबरें

बाल विवाह को रोकने की ली गई शपथ

गढ़वा। देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर समाज को बाल विवाह मुक्त करने की शपथ ली गई. समाजसेवी अमरेंद्र कुमार लोहरदगा ग्राम स्वराज संस्थान के बैनर तले काफी दिनों से निरंतर प्रखंड और पंचायतों के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर बाल विवाह को लेकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं. समाजसेवी अमरेन्द्र कुमार ने ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्प्रभाव के बारे में बताया और कहा कि बेटी की शादी 18 वर्ष औ बेटे की शादी 21 वर्ष से पहले न करें. ऐसा करने से युवाओं को कई तरह की शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ती है.

5 तक दीनदयाल स्टेशन जाएगी वाराणसी एक्स.

धनबाद। वाराणसी यार्ड में हैवी कंजेक्शन के कारण कई ट्रेनों को आंशिक समापन कर चलाया जा रहा है. रेलवे सूत्रों के अनुसार ट्रेन नंबर 13553 आसनसोल-वाराणसी एक्सप्रेस 05 नवंबर तक वाराणसी के बजाय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन तक ही जाएगी. जबकि ट्रेन नंबर 13554 वाराणसी-आसनसोल एक्सप्रेस 06 नवंबर तक वाराणसी के बजाय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से आसनसोल के लिए चलेगी. इसके अलावा 06 नवंबर तक बरकाकाना से खुलने वाली ट्रेन नंबर 03359 बरकाकाना-वाराणसी पैसेंजर स्पेशल पंडित दीनदयाल उपाध्याय तक जाएगी.

अवैध खनन की रोक के लिए दिए निर्देश

धनबाद। उपायुक्त वरुण रंजन की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक उपायुक्त के सभागार में की गई. उपायुक्त और एसएसपी संजीव कुमार ने कोयले के अवैध खनन, परिवहन, भंडारण के रोकथाम व कोयले के अवैध खनन में संलिप्त लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज करने के लिए दिशा निर्देश दिया है. खनन क्षेत्र में अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश के रोकथाम के लिए कोयला कंपनी बीसीसीएल व उनकी आउटसोर्सिंग एजेंसी, सीआईएसएफ हेतु एसओपी की समीक्षा व कार्य योजना तैयार करने को लेकर चर्चा की गई.

राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई ‘लौह पुरूष’ सरदार पटेल की जयंती

पटेल की सेवा का कर्जदार रहेगा देश

आयरन मैन की उपाधि से विभूषित सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ कई जिले, प्रखंडों तथा पंचायतों में मनाई गई. पटेल के जयंती के उपलक्ष्य में पूरे देश में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के कई आईआईटी कॉलेजों, यूनिवर्सिटी, स्कूलों के शिक्षक व छात्रों ने रैलीयां निकाली. कई लोग साइकल और बाईक से रैलियों में सम्मिलित हुए.

देश के पहले गृह मंत्री : सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म गुजरात में सन् 1875 में हुआ था. सरदार पटेल पेशे से एक वकील थे और वह एक बड़े कांग्रेस नेता बनकर उभरे. आजादी की लड़ाई में वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से जुड़ गए. उन्होंने अंग्रेजों से भारत को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. आजाद भारत के पहले गृह मंत्री के रूप में उन्हें सैकड़ों रियासतों को भारत में एकजुट करने का श्रेय दिया जाता है.

रखी गई ‘मेरा युवा भारत’ संगठन की नींव : गौरतलब है कि पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में ऐलान किया था कि 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर ‘मेरा युवा भारत’ नामक एक संगठन की नींव रखने का ऐलान किया था.

पटेल एकता के प्रतीक थे : डीसी

देवघर। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148वीं जयंती के मौके पर देवघर जिला प्रशासन की ओर से रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया. जिसे समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर डीसी विशाल सागर ने रवाना किया। डीसी समेत अन्य पदाधिकारियों ने चौक पर स्थित लौह पुरुष के आदमकद मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। मौके पर देवघर डीसी ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल एकता के प्रतीक थे.

प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

बोकारो। लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई. इस अवसर पर गरगा पुल स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक, चास एसडीओ दिलीप प्रताप सिंह शेखावत समेत अन्य अधिकारियों ने माल्यार्पण कर सरदार पटेल को नमन किया. मौके पर उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल ने विभिन्न भारत को एकीकृत करने में अग्रणी भूमिका निभाई.

अधिकारियों को दिलाई गई शपथ

गोड्डा। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को पूरे देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है. इस अवसर पर समाहरणालय परिसर में उपायुक्त जिशान कमर की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में जिला के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मियों ने शामिल होकर राष्ट्र की एकता,अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए शपथ लिया. कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त सहित अन्य पदाधिकारियों के द्वारा शपथ लिया गया.

डीवीसी कर्मियों ने ली शपथ

लातेहार। शहर के जुबली रोड में दामोदर वैली कॉरपोरशन (डीवीसी) कार्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में डीवीसी के कर्मियों ने राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ ली. मौके पर खनन प्रबंधक अरविंद कुमार ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारत के राजनीतिक एकीकरण में प्रमुख भूमिका निभायी थी.

रेलकर्मियों ने ली एकता दिवस पर शपथ

जमशेदपुर। चक्रधरपुर मंडल रेल मुख्यालय में मंगलवार को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया. इस अवसर पर रेल कर्मचारियों के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें डीआरएम अरुण जे राठौर ने रेल अधिकारियों व कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता व सुरक्षा को बनाये रखने की शपथ दिलायी, जिसके तहत समस्त शासकीय कार्यालयों में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाता है.

स्काउट एंड गाइड ने किया मार्च पास्ट

जमशेदपुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस) के अवसर पर समाहरणालय सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें पदाधिकारियों, कर्मियों एवं स्काउट एंड गाइड की टीम ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. इस अवसर पर सभी को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ दिलायी गयी.

पाकुड़ डीसी मृत्युंजय ने ली शपथ

पाकुड़। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर समाहरणालय सभागार में अधिकारियों और कर्मचारियों को दिलाई राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ, मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूं कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करूंगा.

एकता दौड़ में शामिल पूर्व डीआईजी

जमशेदपुर। लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को बिरसा युवा मंच ने एकता दौड़ का आयोजन किया. मानगो गांधी मैदान से शुरू हुई दौड़ मानगो शहीद खुदीराम बोस चौक पर जाकर समाप्त हुई. इसमें काफी संख्या में लोग शामिल हुए और एकता का संदेश दिया. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व डीआईजी सह भाजपा नेता राजीव रंजन सिंह शामिल थे.

बीडीओ व कर्मचारियों ने ली शपथ

गावां। गावां प्रखंड सह अंचल कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रीय एकता की शपथ ली गई. बीडीओ महेंद्र रविदास ने देश की एकता एवं अखंडता बनाये रखने की शपथ दिलाई. सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस अवसर पर राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने की शपथ ली.

न्यूज अपडेट

झंडा मैदान से किया गया रन फॉर यूनिटी

गिरिडीह। भाजपा के गिरिडीह कमेटी ने शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया. अहले सुबह ही शहर के झंडा मैदान में सबसे पहले रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया. जिसमे डीएसपी संजय राणा, एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह, भाजपा नेत्री विनिता कुमारी, विनय सिंह, संजीव कुमार, शिक्षक वीरू चंद्रवंशी, भाजपा युवा मोर्चा के मिथुन, सर जेसी बॉस स्कूल के प्रिंसिपल मुन्ना कुशवाहा समेत स्कूल की छात्राएं और महिला आईआरबी बटालियन की जवानों के साथ सार्जेंट अभय सिंह जिला पुलिस बल के जवान भी शामिल हुए. इस रन फॉर यूनिटी में अधिकारी और बच्चों के साथ मैदान से दौड़ते हुए निकले.

सीसीएल में याद किए गए सरदार पटेल

बेरमो। सीसीएल के कथारा कार्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल की फोटो पर महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता, विभागाध्यक्ष (कार्मिक) जयंत कुमार, उप प्रबंधक (सीएसआर) चंदन कुमार समेत तमाम अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने माल्यार्पण कर सरदार पटेल को नमन किया. लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने विभिन्न रियासतों को भारत संघ में एकीकृत करने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए उन्हें याद किया. भारत की आजादी में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है. उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए. सरदार पटेल ने राष्ट्र की एकता बनाए रखने की सीख दी है. महाप्रबंधक ने कहा कि युवाओं को इन महापुरुषों के विचारों से सीख लेनी चाहिए.

वरीय पदाधिकारीयों ने किया माल्यार्पण

साहिबगंज। मंगलवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती के अवसर पर शहर के पटेल चौक स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर अनुमंडल पदाधिकारी सदर साहिबगंज रवि जैन समेत जिला आपूर्ति पदाधिकारी अमर प्रसाद, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी कार्यपालक दंडाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया. वहीं सदर अनुमंडल पदाधिकारी रवि जैन ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि देश सदैव सरदार पटेल के समर्पण एवं दूरदर्शी नेतृत्व को याद रखेगा तथा देश हित में किए गए उनके कार्य, राष्ट्रीय एकता के लिए उनकी प्रतिबद्धता, आज भी हमारा मार्गदर्शन करते हैं.

प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने का उत्तम अवसर : चौधरी

जामताड़ा। लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर मंगलवार को जामताड़ा जिले भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. सरकारी विभागों के साथ ही स्कूलों और राजनीतिक दलों के कार्यालय में भी लोगों ने उन्हें पुष्प अर्पित कर याद किया. इस मौके पर अंचलाधिकारी अभिश्वर मुर्मू ने कहा कि विगत कई वर्षों से सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है. यह देश की सुरक्षा एकता और अखंडता को मजबूती प्रदान करने एवं अक्षुण्ण बनाए रखने की प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करने का उत्तम अवसर है. प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी अशोक चौधरी ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस देश की एकता और अखंडता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया. मौके पर प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी अशोक चौधरी, बीपीओ कुमार अनुराग, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी राजू भगत सहित पंचायत सचिव के अलावा अन्य कर्मी उपस्थित थे.

पुलिस मुख्यालय में मना राष्ट्रीय एकता दिवस

रांची। सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती मंगलवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनायी गयी. इस अवसर पर डीजीपी द्वारा पुलिस मुख्यालय में पुलिस पदाधिकारियों और पुलिसकर्मियों को शपथ दिलाकर उमंग के साथ इस दिवस को मनाया गया. ज्ञात हो कि एकता, अखंडता और सुरक्षा की भावना को मजबूती प्रदान करने के लिए राज्य पुलिस और अन्य वर्दीधारी बलों द्वारा आज के दिन मार्चपास्ट, शपथ ग्रहण एवं अन्य प्रकार से इस दिवस को मनाये जाने की परंपरा रही है. कार्यक्रम में डीजीपी अजय कुमार सिंह के अतिरिक्त एडीजी मुरारी लाल मीणा, संजय आनंद राव लाठकर, प्रिया दूबे, आईजी मनोज कौशिक, अमोल विनुकांत होमकर, प्रभात कुमार, डीआईजी अन्नेषु विजया लक्ष्मी व कर्मियों ने भाग लिया.

पेज 1 का शेष...

चारों ओर से खुले रोजगार के दरवाजे: सीएम

किसानों का खेत-खलिहान और पशुधन ही उनका बैंक खाता है : सीएम ने कहा झारखंड की गिनती देश के पिछड़े राज्यों में होती है. यहां के किसान- मजदूर गरीब हैं. उनके पास कोई कोई जमा धन नहीं होता है. वे रोज कमाते हैं और रोज खाते हैं. उनका खेत- खलिहान और पशुधन ही उनका बैंक खाता है. सरकार किसानों- मजदूरों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही है, ताकि, उनकी आय को बढ़ाने के साथ जीवन स्तर को भी बेहतर बना सकें.

बातचीत

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है, शारीरिक बाधाएं भी उसे रोक नहीं पाती है

दृष्टिबाधित निशी ने राज्य स्तरीय कला उत्सव में सभी को किया प्रभावित

आशीष टैगोर। लातेहार

खास बातें

- रांची में हुआ था राज्य स्तरीय कला उत्सव
- 29 और 30 अक्टूबर को आयोजन हुआ था

कहते हैं कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है. शारीरिक बाधाएं भी उसे रोक नहीं पाती है. यह साबित कर दिखाया है लातेहार की दृष्टिबाधित निशी रानी ने. निशी रानी ने गत 29 व 30 अक्टूबर को रांची में आयोजित राज्य स्तरीय कला उत्सव में अपनी प्रतिभा से न सिर्फ सबों को प्रभावित किया वरन पुरस्कार भी जीते. उसने शास्त्रीय व लोकगीत गायन की श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार जीत कर लातेहार का मान बढ़ाया है. लातेहार में कक्षा 12वीं की छात्रा निशि रानी ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया था. वहां भी उसने अपना जलवा बिखेरा और शास्त्रीय संगीत व लोक संगीत दोनों श्रेणियों में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया.

निशी रानी एक उभरती प्रतिभा : दृष्टिबाधित निशि रानी आज न सिर्फ लातेहार वरन पलामू प्रमंडल में संगीत के क्षेत्र में उभरता हुआ एक नाम है. आज निशी रानी किसी प्रतिभा की मोहताज नहीं है. जिला स्तरीय हर संगीत कार्यक्रम में निशी रानी की भागीदारी रहती है. साल 2016 में कला एवं पर्यटन विभाग के द्वारा आयोजित सुबह सबेरे कार्यक्रम में निशी रानी ने भाग लिया था. उसने ऐ मेरे वतन के लोगों गीत गाकर लोगों को काफी प्रभावित किया था. उस समय उसकी आयु मात्र 12 वर्ष थी. उसके बाद से निशी रानी ने कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा. तत्कालीन कई उपायुक्त व विधायक बैद्यनाथ राम निशी रानी को पुरस्कृत कर चुके हैं.

गानों को सुन कर याद करती है : शुभम संदेश से बातचीत करते हुए निशी रानी ने कहा कि वह गानों को सुन कर याद करती है, उसके बाद उसे हारमोनियम में रियाज करती है. वह लता मंगेश्कर को अपना आदर्श मानती हैं और उनके ही गीतों को गाना पसंद करती है. फिलहाल वह लातेहार में संगीत शिक्षिका स्वाति मिश्रा के सानिध्य में संगीत की तालिम ले रही है. निशी ने बताया कि उसके पिता जीतेंद्र प्रसाद व माता सुनीता देवी के अलावा भाई ने उसका भरपूर साथ दिया. हर कार्यक्रम में वे हमेशा उनके साथ जाते हैं और उनकी हौसला अफजाई करते हैं. बता दें कि दृष्टिबाधित निशी रानी ने मैट्रिक की परीक्षा में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया था.

बदमाशों ने राधा कृष्ण गोयनका कॉलेज के भौतिकी विभागाध्यक्ष रवि पाठक के चैंबर में घुसकर जबड़े में गोली मार दी

अपराधियों ने दिनदहाड़े कॉलेज में घुसकर प्रोफेसर को मारी गोली

संवाददाता । सीतामढ़ी

अपराधियों ने दिनदहाड़े कॉलेज में घुसकर प्रोफेसर को गोली मार दी. इसमें वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए. धटना शहर के राधा कृष्ण गोयनका कॉलेज में हुई. कॉलेज में भौतिकी विभागाध्यक्ष रवि पाठक के चैंबर में घुसकर दो अपराधियों ने उन्हें गोली मारकर घायल कर दिया.

दोनों आरोपी पैदल ही कॉलेज में घुसे और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए. प्रोफेसर के मुंह पर गोली लगी और जबड़ा फट गया. शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है. सूचना मिलने पर डीएसपी समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई. जानकारी के मुताबिक एसआरके कॉलेज में दो बदमाश घुस गए. उन्होंने दिनदहाड़े चेंबर में घुसकर एक प्रोफेसर को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया.

अपराधी बेलगाम

- रवि उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के मूल निवासी हैं
- रवि पाठक कॉलेज में 2018 से पढ़ा रहे हैं
- दो बदमाश पैदल ही गेट से कॉलेज में आए थे

महिला को गोली मारकर किया घायल

आरा में अपराधियों ने एक महिला को गोली मारकर घायल कर दिया. घटना धनगाई थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव की है. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और छानबीन में जुट गई. लोगों का कहना है कि रात में चोर भैंस चोरी करने के लिए घुसे थे. चोरी करते देख भैंस मालिक मुंद्रिका प्रसाद की पत्नी माना देवी ने देख लिया. वह शोर मचाकर चोरों का विरोध करने लगी. आसपास के लोगों हंगामा सुनकर जुटने लगे. इतने में अचानक चोरों ने महिला को गोली मार दिया. महिला घायल होकर जमीन पर गिर गई. घटना के बाद अपराधी फरार हो गए. स्थानीय लोगों ने महिला को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया. महिला फिलहाल खतरे से बाहर है. डॉक्टरों का कहना है कि महिला के दाहिने हाथ मे गोली लगी है. भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार द्वारा जानकारी दिया गया कि भैंस चोरी का विरोध करने पर महिला को गोली लगने की सूचना है.

आओ जानें सामान्य ज्ञान

- बिहार में बाबू कुंवर सिंह की जन्मस्थली कहां है – **जगदीशपुर**
- स्वतंत्रता के बाद किस वर्ष से भारत ने अपने सिक्के जारी किये – **1950**
- लेंस की शक्ति का मात्रक होता है – **डायोप्टर**
- गुजरात की पहली हेरिटेज ट्रेन को किसने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया – **नरेंद्र मोदी**
- बिहार में 1951 में कितने पंजीकृत कुटीर और लघु उद्योग थे– **2231**
- नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र की स्थापना किसने की थी – **जवाहर लाल नेहरु**
- थर्म किसका यूनिट है – **ऊष्मा का**
- राष्ट्रीय एकता दिवस प्रतिवर्ष कब मनाया जाता है – **31 अक्टूबर**
- गांधीज़ एमिसरी नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं – **सुधीर घोष**
- बिहार के किस जिले में फायर क्ले पाई जाती है – **मुंगेर**

ब्रीफ खबरें

दुर्घटनाग्रस्त कार से शराब की जमकर लूट

गया। डोभी थाना क्षेत्र के डोभी-चतरा मोड़ के पास विदेशी शराब लेकर जा रहे एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके बाद कार में सवार सभी शराब धंधेबाज कार छोड़कर भाग खड़े हुए. इस दौरान दुर्घटना को देखते हुए आसपास के लोग बचाव के लिए दौड़े, परंतु कार में कई कार्टन में शराब देखा. जिसके बाद कार में शराब होने की सूचना पर स्थानीय लोग और ट्रक चालकों ने कार में रखे बड़ी मात्रा में शराब की लूट मचा दी. घटना की सूचना स्थानीय थाना को मिला. जिसके बाद पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची.

दिव्यांग नाबालिग के साथ गैंगरेप, 1 गिरफ्तार

सुपौल । जिले में एक दिव्यांग नाबालिग के साथ गैंगरेप का मामला उजागर हुआ है. पीड़िता लड़की ना बोल सकती है और ना सुन सकती है. पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो फरार हैं. मामला भीमनगर सहायक थाना क्षेत्र का है. घटना के बारे में बताया जा रहा है कि पीड़िता गाय चराने गई थी. इस दौरान वहां कोई और मौजूद नहीं था. इसका फायदा उठाकर गांव के तीन युवकों ने घटना को अंजाम दिया. इस दौरान वहां छठ घाट बनाने जा रहे युवकों ने बच्ची के साथ हैवानियत करते देख लिया.

शिक्षक बहाली में नीतीश पर धांधली के आरोप लगाते हुए मांझी ने कहा

नीतीश इंपोर्ट कर शिक्षक लाए हैं

संवाददाता । पटना

बिहार में शिक्षकों की बहाली जोरों पर है. दूसरी तरफ इस पर राजनीति भी जारी है. बीपीएससी शिक्षक बहाली में धांधली के आरोप लगाते हुए विपक्ष नीतीश सरकार पर हमलावर है. अब पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव पर हमला बोला है. उन्होंने आरोप लगाया कि गया जिले में नीतीश दूसरे राज्यों से इंपोर्ट करके शिक्षक लाए हैं. उन्हें यहां बिहारी अभ्यर्थी ही नहीं मिले. हम सुप्रीमो मांझी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अच्छे तो उनके बड़े भाई (लालू यादव) थे. जिन्होंने जमीन लेकर ही सही लेकिन नौकरी तो बिहारियों को दी. जीतनराम मांझी ने मंगलवार को ट्वीट कर बीपीएससी शिक्षक बहाली को लेकर नीतीश सरकार पर हमला बोला. मांझी ने एक बार फिर डोमिसाइल नीति हटाने के सरकार के फैसले को गलत ठहराया. साथ ही सरकारी नौकरियां पैसे लेकर बेचने के आरोप लगाए. कहा कि दुनिया को ज्ञान का प्रकाश देने वाले गया जिले के फतेहपुर में नीतीश सरकार को बिहारी अभ्यर्थी ही नहीं मिले. इसलिए यहां के बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षक इंपोर्ट करके लाए गए हैं. मांझी ने लालू प्रसाद यादव का नाम लिए बिना ही उनपर तंज कसा. उन्होंने कहा कि आपसे अच्छे तो बडे भाई थे, जमीन लेकर ही सही पर नौकरी तो बिहारियों को दी. आप भी नौकरी यहीं के लोगों को बेच देते. इससे पहले मांझी ने रेलवे में लैंड फॉर जॉब की तर्ज पर बीपीएससी शिक्षक बहाली में मनी फॉर जॉब घोटाला होने के आरोप लगाए थे. बता दें कि बीपीएससी शिक्षक बहाली में चयनित अभ्यर्थियों को दो नवंबर को नियुक्ति पत्र बांटे जाएंगे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद पटना के गांधी मैदान में इस समारोह की शुरुआत करेंगे. बीपीएससी शिक्षक भर्ती के जरिए लगभग सवा लाख अभ्यर्थी चयनित हुए हैं. इनमें से करीब 12 फीसदी बाहरी यानी दूसरे राज्यों के हैं. शिक्षक बहाली से डोमिसाइल नीति इसी साल हटाई गई थी, जिसके बाद दूसरे राज्यों के अभ्यर्थियों को भी बिहार में शिक्षक बनने का मौका मिला है.

कसा तंज

- जीतनराम ने ट्वीट कर नीतीश पर हमला बोला
- मांझी ने नीतीश सरकार के फैसले को गलत ठहराया
- लगभग सवा लाख शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे

2 को गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र मिलेगा

वहीं 2 नवंबर को पटना के गांधी मैदान में नवचयनित स्कूली शिक्षकों के बीच नियुक्ति पत्र वितरण की तैयारी जोरों पर है. इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में 25 हजार शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे. राज्य भर में 1 लाख 20 हजार 336 शिक्षकों को 2 नवंबर को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे. माध्यमिक शिक्षा निदेशक कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव ने कहा कि हमने सभी जिलों में इसी तरह के समारोह आयोजित किए हैं. जिले के संबंधित प्रभारी मंत्री शिक्षकों के बीच नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे. पटना के गांधी मैदान में सीएम नीतीश कुमार अपने हाथों से 5000 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे. बाकी 20 हजार शिक्षकों को कैबिनेट मंत्रियों से जॉब लेटर मिलेगा. मंच पर नवनियुक्त शिक्षकों के वीडियो क्लिप भी दिखाए जाएंगे, जिसमें वे परीक्षा और प्रशिक्षण के बारे में अपने अनुभव साझा करेंगे. गांधी मैदान के गेट नंबर 1 के पास तीन शेड के साथ एक बड़ा मंच तैयार किया गया है.

स्कूल के शिक्षकों को मिलेगा आवास

संवाददाता । पटना

बिहार में अब जल्द ही सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को आवास मिलेगा. शिक्षकों को अब सरकार आवास उपलब्ध कराएगी. इसके बाद बिहार देश का पहला ऐसा राज्य होगा जहां शिक्षकों को सरकारी दिया गया हो. बिहार सरकार ने शिक्षकों को एचआर देने के बदले आवास उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है. इसके लिए सरकार पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर मकान, फ्लैट लीज पर लेगी और उन्हें अलॉट करेगी.

साथ ही सरकार शिक्षकों के आवास के लिए नई इमारत बनाने की भी तैयारी कर रही है. बिहार सरकार ने इसको लेकर विज्ञापन भी निकाला है. बिहार सरकार स्कूल अवधि में पूरी तरह से पढ़ाई हो यह सुनिश्तित कराना चाहती है. इसलिए शिक्षा विभाग की कोशिश है कि शिक्षक स्कूल के समय में उपस्थित रहे. वह स्कूल में पूरा समय दे उनका कीमती समय आने जाने में खर्च नहीं हो. इसके लिए स्कूल के आसपास ही उन्हें सरकार मकान उपलब्ध कराएगी. बिहार सरकार को अभी शिक्षकों के वेतन मद के अतिरिक्त करीब 8 प्रतिशत राशि यानी 2500 करोड़ रुपये आवास भत्ता के लिए भुगतान करना पड़ता है. सरकार ये ढ़ाई हजार करोड़ रुपए खर्च कर शिक्षकों को आवास उपलब्ध कराएगी. इसमें सरकार पांच लाख शिक्षकों को आवास उपलब्ध कराएगी. शिक्षा विभाग ने कहा है कि हाल में बीपीएससी द्वारा एक लाख विद्यालय के शिक्षकों की नियुक्ति की है. इसके साथ ही पहले से करीब चार लाख शिक्षक कार्यरत हैं.

लिया निर्णय

- एचआर के बदले अब शिक्षकों को आवास मिलेगा
- शिक्षकों के लिए नई इमारत बनाने की तैयारी हो रही है

मलेरिया टीम ने किया डेंगू वार्ड का निरीक्षण

छपरा। जिले में डेंगू मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवा सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी अशोक कुमार सिन्हा व जिला मलेरिया पदाधिकारी की टीम ने छपरा सदर अस्पताल के डेंगू वार्ड का निरीक्षण किया. डेंगू मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में उन्होंने जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ दिलीप कुमार सिंह से जानकारी ली. उन्होंने पूछा कि अभी सारण जिले में डेंगू के एक्टिव केस कितने हैं. उन्हें बताया गया कि जनवरी से लेकर अब तक 707 पॉजिटिव मरीज मिले हैं. फिलहाल 48 एक्टिव केस हैं.

उत्तर बिहार में तार काटने वाला गिरोह है सक्रिय

संवाददाता । मुजफ्फरपुर

उत्तर बिहार में इन दिनों बिजली तार और केबल काटने वाला गिरोह पूरी तरह सक्रिय है. जिसे पुलिस रोकने में विफल साबित हो रही है. तिरहुत रेंज के मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, वैशाली समेत कई जिलों में लगातार बिजली तार व केबल चोरी करने की शिकायतें मिल रही हैं.

इससे हर साल बिजली विभाग को करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है. स्थिति यह है कि बिजली तार व केबल चोरी की शिकायत दर्ज कराने के लिए भी बिजली विभाग के अभियंता को कई-कई दिनों तक थाने के चक्कर काटने पड़ रहे हैं. कबाड़ व्यवसायी चोरों से बिजली तार व केबल खरीद रहे हैं. तार से एल्यूमीनियम और केबल से कॉपर निकालकर कबाड़ व्यवसायी बेच रहे हैं. लेकिन पुलिस को इसकी खबर नहीं लग पा रही है. कुढ़नी थाना इलाके के ढोढी रतन गांव से रजला तक 26 पोल के बिजली तार चोरों ने काट लिये हैं. बीते 17 अक्टूबर को हुई इस घटना की एफआईआर कई बार दौड़ने के बाद पुलिस ने 25 अक्टूबर को दर्ज की.

कारोबार

एलएंडटी को 15000 करोड़ से अधिक का मिला ठेका

नई दिल्ली । लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को पश्चिम एशिया में 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की एक बड़ी परियोजना का ठेका मिला है. कंपनी 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को 'बड़ी' (अल्ट्रा मेगा) श्रेणी में वर्गीकृत करती है. लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, एलएंडटी के हाइड्रोकार्बन व्यवसाय (एलएंडटी एनर्जी हाइड्रोकार्बन-एलटीईएच) को पश्चिम एशिया में प्रतिष्ठित ग्राहक से एक और 'अल्ट्रा-मेगा' परियोजना के लिए आशय पत्र मिला है.

एप्पल मैकबुक प्रो भारत में 7 से होंगे उपलब्ध

नई दिल्ली। एप्पल के नए मैकबुक प्रो लैपटॉप तथा आईमैक, एम3 चिपसेट के साथ सात नवंबर से भारत सहित 27 देशों में उपलब्ध होंगे. आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई. कंपनी ने कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल से गेमिंग, मनोरंजन पेशेवरों और हाई-रिज़ॉल्यूशन फोटो की आवश्यकता वाले अन्य क्षेत्रों पर नजर रखते हुए नेक्स्ट जनरेशन जीपीयू आर्किटेक्चर और तेज सीपीयू के साथ तीन एम 3 चिपसेट मॉडल जारी करने की घोषणा की. कंपनी ने 14 तथा 16 इंच डिस्प्ले वाले मैकबुक प्रो लैपटॉप के साथ दो मॉडल क्रमशः 1.69 लाख रुपये और 2.49 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर जारी किए

केमिकल्स ने एलओआई पर किये हैं हस्ताक्षर

चेन्नई। विशेष रसायनों के निर्माता केमप्लास्ट सनमार लिमिटेड के कस्टम मैन्युफैक्चर्ड केमिकल्स डिवीजन ने 'सक्रिय घटक' के उत्पादन के लिए एक 'ग्लोबल एग्रोकेमिकल इनोवेटर' के साथ एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए हैं. केमप्लास्ट सनमार लिमिटेड ने बताया कि नए उत्पाद का निर्माण हाल ही में चालू किए गए उत्पादन ब्लॉक में किया जाएगा. आशय पत्र की अवधि पांच वर्ष है. वाणिज्यिक आपूर्ति 2025 में शुरू होने की उम्मीद है. कंपनी के उप प्रबंध निदेशक डॉ. कृष्ण ने कहा कि यह कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है.

एलन मस्क ने ट्विटर यानी एक्स को पिछले साल 44 अरब डॉलर में खरीदा था

एक्स की वैल्यू रह गई है 19 अरब डॉलर

भाषा । नई दिल्ली

जब एलन मस्क ने ट्विटर को खरीदा था तो उम्मीद की जा रही थी कि कंपनी का नेतृत्व बदलने के साथ ही इसकी किस्मत बदलेगी. इसका कारोबार बढ़ेगा. लेकिन रिपोर्ट अच्छी नहीं है. एलन मस्क ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर यानी एक्स को पिछले साल 44 अरब डॉलर की भारी भरकम रकम देकर खरीदा था. लेकिन अब इसकी कीमत आधी रह गई है. ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक कर्मचारियों को जो रेस्ट्रिक्टेड स्टॉक यूनिट्स दिए गए हैं, उनके मुताबिक कंपनी की वैल्यू 19 अरब डॉलर रह गई है. यानी कंपनी का शेयर अब केवल 45 डॉलर का रह गया है. मस्क के मालिक बनने के बाद कंपनी का अधिकांश कर्मचारी निकाले जा चुके हैं या वे खुद ही छोड़कर चले गए हैं. मस्क ने इसका नाम बदलकर X दिया है और कंटेंट रूल्स में भी बदलाव किए हैं. लेकिन इस दौरान कंपनी का एडवरटाइजिंस रेवेन्यू आधे से भी कम रह गया है.

मस्क के मालिक बनने के बाद को वित्तीय मोर्चे पर काफी संघर्ष करना पड़ रहा है. जब उन्होंने ट्विटर को खरीदा था तो डेट और इक्विटी के आधार पर इसकी वैल्यू 44 अरब डॉलर आंकी गई थी. कंपनी की कमान मस्क के हाथ में आने के बाद से उसकी सेल्स में 60 फीसदी गिरावट आई है. साथ ही कंपनी को हर साल कर्ज के ब्याज के रूप में 1.2 अरब डॉलर चुकाने पड़ रहे हैं. मस्क की योजना कपनी को एडवरटाइजिंग से पेड सब्सक्रिप्शन की तरफ ले जाने की है. लेकिन अब तक केवल एक परसेंट यूजर्स ने ही मंथली प्रीमियम सर्विस के लिए साइन किया है. इससे कंपनी को सालाना 12 करोड़ डॉलर की ही कमाई होगी. इस बीच मस्क को सोमवार को 7.14 अरब डॉलर यानी 5,94,34,43,10,000 रुपये की चपत लगी है. अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी के बावजूद मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के शेयरों मे सोमवार को भारी गिरावट देखने को मिली. कंपनी का शेयर 4.79% की गिरावट के साथ बंद हुआ.

इससे कंपनी का मार्केट कैप 627.39 अरब डॉलर रह गया है. मस्क की नेटवर्थ अब 193 अरब डॉलर रह गई है. इस साल इसमें 56.3 अरब डॉलर की तेजी आई है. टेस्ला और ट्विटर के अलावा स्पेसएक्स में भी मस्क की हिस्सेदारी है. लेकिन स्पेसएक्स लिस्टेड कंपनी नहीं है.

कीमत गिरी

- कंपनी का शेयर 45 डॉलर का रह गया है
- कंपनी के अधिकांश कर्मचारी बाह र जा चुके हैं
- कंपनी का एडवरटाइजिंस रेवेन्यू घट गया है

2024 की शुरुआत में हम लाभ कमाएंगे

एक्स सीईओ लिंडा याकारिनो ने पिछले महीने दावा किया था कि कंपनी 2024 की शुरुआत तक लाभदायक होगी, उन्होंने कहा कि प्लेटफॉर्म पर अब 200-250 मिलियन दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता हो सकते हैं. कोड कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि जो अनुमान लगाया जा सकता है, उस पर हमारी अच्छी नजर है. ऐसा लग रहा है कि 2024 की शुरुआत में हम लाभ कमाएंगे.

दुनिया की 65% बिजली मांग को पूरा कर सकते हैं: सिंह

भाषा । नई दिल्ली

केंद्रीय बिजली तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने मंगलवार को कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत 2030 तक दुनिया की कुल बिजली मांग में 65 प्रतिशत और 2050 तक 90 प्रतिशत तक योगदान दे सकते हैं. अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की छठी सभा के उद्घाटन के मौके पर सिंह ने कहा कि अक्षय ऊर्जा स्रोतों में 2030 तक दुनिया की कुल बिजली मांग की 65 प्रतिशत आपूर्ति करने और 2050 तक 90 प्रतिशत बिजली क्षेत्र को डीकार्बोनाइज करने की क्षमता है. उन्होंने बताया कि वैश्विक आबादी का करीब 80 प्रतिशत उन देशों में रहता है जो जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भर हैं. इनकी कुल संख्या छह अरब है. सिंह आईएसए के अध्यक्ष भी हैं. उन्होंने कहा कि हाल ही में नई दिल्ली में हुए जी20 शिखर सम्मेलन में भी स्वच्छ ऊर्जा में बदलाव की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया गया.

बोले मंत्री

- साल 2050 तक 90 प्रतिशत तक योगदान दे सकते हैं
- आईएसए की छठी सभा के उद्घाटन में मौजूद थे मंत्री

माइंडस्पेस का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ हुआ 491 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। माइंडस्पेस बिजनेस पार्क आरईआईटी का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 491 करोड़ रुपये रहा. कंपनी का पिछले वर्ष की समान तिमाही में शुद्ध मुनाफा 417 करोड़ रुपये था. माइंडस्पेस आरईआईटी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि जुलाई-सितंबर में उसकी परिचालन आय 21 प्रतिशत बढ़कर 600 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 497 करोड़ रुपये थी. के रहेजा कॉर्प ग्रुप इंवेस्टमेंट मैनेजर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रमेश नायर ने कहा कि शुद्ध आय के मामले में इस तिमाही में हमने अच्छा प्रदर्शन किया. उन्होंने कहा कि भारत की प्रौद्योगिकी प्रमुखता और जीसीसी द्वारा संचालित कार्यालय स्थान की बढ़ती मांग आशाजनक है. आईटी उद्योग का सप्ताह में पांच दिन काम करने पर विचार कर करना उत्साहजनक है. नायर ने कहा कि हालांकि अल्पकालिक चुनौतियां अपेक्षित हैं, लेकिन उद्योग के दीर्घकालिक भविष्य के लिए हम आशावादी हैं.

संकट कई बैंकों ने चीन के रियल एस्टेट में पैसा लगा रखा है, जिसके साइड इफेक्ट दिखने लगे हैं

एचएसबीसी बैंक को लगा 50 करोड़ डॉलर का झटका

भाषा । नई दिल्ली

चीन के रियल एस्टेट संकट का असर दिखने लगा है. यह दुनिया को अपनी चपेट में लेने लगा है. चीन की इकॉनमी में रियल एस्टेट की करीब 30% हिस्सेदारी है. इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह सेक्टर चीन की इकॉनमी के लिए कितना अहम है. अगर यह डूबा तो इससे बैंकिंग सेक्टर भी तबाह हो जाएगा. दुनिया के कई बैंकों ने चीन के रियल एस्टेट सेक्टर में जमकर पैसा लगा रखा है.

अब उसके साइड इफेक्ट दिखने भी शुरू हो गए हैं. स्टैंडर्ड चार्टर्ड के बाद अब यूरोप के सबसे बड़े बैंक एचएसबीसी को भी चीन 50 करोड़ डॉलर का झटका लगा है. बैंक ने आशंका जताई है कि आने वाले दिनों में स्थिति और विकट हो सकती है.

एचएसबीसी ने सोमवार को अपना रिजल्ट जारी किया जो उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा. बैंक ने चीन के रियल एस्टेट लोन में हुए नुकसान को कवर करने के लिए 50 करोड़ डॉलर का प्रावधान किया है. इससे बैंक का प्रॉफिट प्रभावित हुआ है. यूके के इस बैंक का कहना है कि चीन में आने वाले दिनों में स्थिति और खराब हो सकती है. पिछले हफ्ते एक और बैंक स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने भी कहा था कि चीन के कारण उसका प्रॉफिट प्रभावित हुआ है. चीन में मकानों की बिक्री बुरी तरह गिरी है और एक के बाद एक डेवलपर्स डिफॉल्ट करती जा रही हैं. सरकार ने इसे पटरी पर लाने के लिए कई कदम उठाए हैं लेकिन अब तक उनका कोई फायदा नहीं हुआ है.

इस बीच कमजोर मांग के कारण चीन में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में एक बार फिर गिरावट आई है. अक्टूबर में परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स गिरकर 49.5 पर आ गया जो सितंबर में 50.2 पर था. नॉन-मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई भी 50.6 रह गया जो दिसंबर 2022 के बाद सबसे कम है. पीएमआई इकनॉमिक एक्टिविटी का मंथली इंडिकेटर माना जाता है. यह 50 से ऊपर विस्तार और 50 से नीचे संकुचन दिखाता है.

चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है लेकिन पिछले कुछ समय से यह कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है. लोग खर्च करने के बजाय बचत करने में लगे हैं, बेरोजगारी चरम पर है और एक्सपोर्ट में भी गिरावट आई है. साथ ही अमेरिका के साथ भी तनाव लगातार बना हुआ है.

विकट स्थिति

- चीन में आगे स्थिति और भी खराब हो सकती है
- चीन में मकानों की बिक्री बुरी तरह गिरी हुई है
- अक्टूबर में चीन में पीएमआई 49 .5 पर आ गया

भारत में सोने की मांग 10% बढ़कर 210.2 टन: डब्ल्यूजीसी

भाषा । नई दिल्ली

भारत में चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में सोने की मांग 10 प्रतिशत बढ़कर 210.2 टन हो गई. विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने यह जानकारी दी. दुनिया में सोने के दूसरे सबसे बड़े उपभोक्ता देश भारत में सोने की कीमतों में नरमी और त्योहारी मांग के कारण इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सोने की मांग बढ़ी है. डब्ल्यूजीसी के क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी (भारत) सोमसुंदरम पीआर ने कहा कि पिछली तिमाही में सोने की कीमतों में थोड़ी नरमी आई लेकिन अब इसमें तेजी आनी शुरू हो गई है.

अगले दो महीनों में धनतेरस त्योहार और शादी के सीजन का असर कीमतों पर पड़ेगा. सोने की मांग पर त्रैमासिक रिपोर्ट जारी करते हुए, डब्ल्यूजीसी ने कहा कि 2023 वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में भारत की सोने की मांग बढ़कर 210.2 टन हो गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 191.7 टन थी. रिपोर्ट के अनुसार, समीक्षाधीन तिमाही में आभूषणों की मांग सात प्रतिशत बढ़कर 146.2 टन से 155.7 टन हो गई, जबकि सोने की छड़ तथा सिक्के की मांग 20 प्रतिशत बढ़कर 45.4 टन से 54.5 टन हो गई. तीसरी तिमाही में भारत का सोने का आयात बढ़कर 220 टन हो गया, जो एक साल पहले की अवधि में 184.5 टन था. सोमसुंदरम ने कहा कि चौथी तिमाही में सोने की मांग तीसरी तिमाही के समान ही रहने की उम्मीद है.

पारदर्शिता से परहेज क्यों?

सूचना यानी जानने का अधिकार पारदर्शी समाज, सरकार और देश के लिए एक बुनियादी सवाल है. अपवाद तो केवल राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गोपनीय सवाल ही हो सकते हैं. सुरक्षा के सवालों को पूरी तरह सुरक्षित बनाए रखने की जिम्मेदारी जितनी सरकार की है, उससे कहीं ज्यादा नागरिकों की भी, लेकिन राजनीति से जुड़े मामलों में गोपनीयता को ले कर पूरी दुनिया में सवाल उठते रहे हैं. एक सफल और मजबूत लोकतंत्र सूचनाओं को नियंत्रित नहीं करता, बल्कि वह उसे पूछे जाने पर बताने के अपने कर्तव्य का निर्वहन करता है. दरअसल जबसे पूरी दुनिया में पूंजी की मोनोपोली बढ़ी है और एकाधिकारवादी आर्थिक घरानों का राजनीति को नियंत्रित करने की दिशा में चलन बढ़ा है सूचनाओं को सार्वजनिक करने से रोकने या अंकुश लगाने की प्रवृत्ति भी बढ़ी है. ताजा मामला इलेक्ट्रॉल बॉन्ड को लेकर है. देश के कुछ लोगों-संगठनों ने इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिस पर पांच सदस्यीय संविधान पीठ सुनवायी कर रही है. इन्हीं याचिकाओं के संदर्भ में सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल ने कहा है कि राजनीतिक दलों को मिले चंदे के बारे में जानने का अधिकार जनता को नहीं है. इस तरह की गोपनीयता का कारण समझना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन सूचना के अधिकार कानून को सीमित करने के लिए जिस तरह की बातें की जाती रही हैं, उससे स्पष्ट है कि इस देश में नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों में एक सूचना के अधिकार को ले कर शासक समूह परेशान है. माना जाता है कि जब लोकतंत्र में सूचनाओं को छिपाने की प्रवृत्ति आम होने लगे तो मान लेना चाहिए कि लोकतंत्र की मजबूती को ले कर उठने वाले सवालों में दम है. होना तो यह चाहिए कि सूचना के अधिकार को भी मौलिक अधिकारों की तरह संवैधानिक मान्यता दी जाए, लेकिन देश के ज्यादातर राजनीतिक दल इसके लिए तैयार नहीं जान पड़ते हैं. इलेक्ट्रॉल बॉन्ड को ले कर चार जनहित याचिकाओं पर विचार शुरू हो गया है. जनहित याचिकाकर्ताओं में से एक ने मार्च में कहा था कि चुनावी बॉन्ड के माध्यम से अब तक राजनीतिक दलों को 12,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है और दो-तिहाई राशि एक प्रमुख राजनीतिक दल को गई है. सरकार के मुताबिक़ जारी होने के बाद से अबतक, 19 किस्तों में 1.15 अरब डॉलर क़ीमत के इलेक्टोरल बॉन्ड बेचे जा चुके हैं. 2019 से 2021 के दौरान, बीजेपी को कुल जारी हुए बॉन्ड के दो तिहाई हिस्से दान में मिले. इसकी तुलना में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को महज़ 9 प्रतिशत बॉन्ड ही मिले. इलेक्टोरल बॉन्ड की नीति जारी करते हुए केंद्र सरकार ने कहा था भारत के राजनीतिक दलों के धन जुटाने के संदेहास्पद तौर-तरीक़ों में सुधार लाया जा सकेगा, मगर हुआ इसके उलट.

> दरअसल जबसे पूरी दुनिया में पूंजी की मोनोपोली बढ़ी है और एकाधिकारवादी आर्थिक घरानों का राजनीति को नियंत्रित करने की दिशा में चलन बढ़ा है सूचनाओं को सार्वजनिक करने से रोकने या अंकुश लगाने की प्रवृत्ति भी बढ़ी है.

सुभाषित

चिन्तनीया हि विपदां आदावेव प्रतिक्रिया।
न कूपखननं युक्तं प्रदीप्त वाह्निना गृहे॥

जिस प्रकार से घर में आग लग जाने पर कुआं खोदना आरम्भ करना युक्तिपूर्ण (सही) कार्य नहीं है, उसी प्रकार विपत्ति के आ जाने पर चिन्तित होना भी उपयुक्त कार्य नहीं है. किसी भी प्रकार की विपत्ति से निबटने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए.

कांग्रेस के लिए यह चुनाव आखिरी मौका

कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ 29 मई को दिल्ली में हुई बैठक के बाद आत्मविश्वास से सराबोर राहुल ने दावा किया था कि पार्टी एमपी में भी कर्नाटक दोहराएगी और उसे डेढ़ सौ सीटें प्राप्त होंगी! अपनी ऐतिहासिक 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान एक प्रेस कांफ्रेंस में तो राहुल ने यहां तक कह दिया था कि एमपी में कांग्रेस की सूनामी है. तब तक कांग्रेस की पहली सूची भी बाहर नहीं आई थी और किसी को अंदाज़ा नहीं था कि टिकट वितरण में सिर्फ़ कमलनाथ की ही चलने वाली है.

• देश-काल

श्रवण गर्ग

इस तरह की चर्चाओं के बीच कि बग़ावत जैसी स्थितियों के कारण ही भाजपा की चौथी सूची में शिवराज सिंह और उनके 'दागी' मंत्रियों को भी शामिल करना पड़ा अब फ़ोकस इस सवाल पर केंद्रित है कि मध्यप्रदेश में जीत किस पार्टी की होने जा रही है?

तीन सूचियों में 79 उम्मीदवारों की घोषणा के बाद शिवराज को भी टिकट देने का फ़ैसला निश्चित ही पहली लिस्ट के भारी भरकम नामों (सात सांसदों और एक पार्टी महासचिव) की राजनीतिक हैसियत को भी प्रभावित करने वाला है. दूसरी ओर, ज्योतिरादित्य की बग़ावत के बाद से नेतृत्व के मुद्दे पर कांग्रेस में किसी तरह का तनाव नहीं बचा है. आलाकमान (राहुल गांधी) की मंशा की जाने बग़ैर ही कमलनाथ ने काफ़ी पहले से ख़ुद को 'भावी मुख्यमंत्री' घोषित कर रखा है.कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ 29 मई को दिल्ली में हुई बैठक के बाद आत्मविश्वास से सराबोर राहुल ने दावा किया था कि पार्टी एमपी में भी कर्नाटक दोहराएगी और उसे डेढ़ सौ सीटें प्राप्त होंगी! अपनी ऐतिहासिक 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान एक प्रेस कांफ्रेंस में तो राहुल ने यहां तक कह दिया था कि एमपी में कांग्रेस की सूनामी है. तब तक कांग्रेस की पहली सूची भी बाहर नहीं आई थी और किसी को अंदाज़ा नहीं था कि टिकट वितरण में सिर्फ़ कमलनाथ की ही चलने वाली है, दिल्ली की भी नहीं.

राहुल भी अब सिर्फ़ जीतने की ही बात करते हैं डेढ़ सौ की नहीं. सट्टा बाज़ार, यूट्यूब चैनलों की बहसों और व्यावसायिक एजेंसियों के 'प्रायोजित' सर्वेक्षणों के दावों पर यक़ीन नहीं करना हो तो 'आज की स्थिति में' चुनावी नतीजों के बाद दो संभावनाओं के लिए तैयार रहना चाहिए. पहली यह कि कांग्रेस मतगणना में हार सकती है. दूसरी यह कि अगर सीटें जीत दर्ज कराने जितनी ही मिलीं तो वह जीतने के बाद भी हार सकती है! पहली संभावना का दोषी एकमात्र कारण यही बन सकता है कि कांग्रेस ने कई सीटों पर कमज़ोर उम्मीदवार खड़े कर दिये. ऐसा या तो भारी बहुमत से जीत के अंधे मुग़ालते के आधार पर कर दिया गया या फिर कोई 'अज्ञात' कारण रहा हो! कमज़ोर उम्मीदवारों में शिवराज के ख़िलाफ़ खड़े किए गए उम्मीदवार को भी गिनाया जा सकता है. टिकट-वितरण से मचे घमासान के बाद कुछ सीटों पर किया गया फेर- बदल तो व्यापक असंतोष की सिर्फ़ बानगी है. यही कारण है कि भाजपा के अलावा अपनी ही पार्टी के बाग़ियों से भी अब कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों को मुक़ाबला करना है. विपक्षी गठबंधन इंडिया के सहयोगी दलों (सपा, आप और जेडी-यू) के भी लगभग सौ उम्मीदवार मैदान में हैं. ये सब कांग्रेस के ही क़िले में सैंध लगाएंगे. भाजपा की मदद के लिए बसपा ने भी कई उम्मीदवार खड़े कर दिए हैं. जिस तरह की परिस्थिति है, उसमें कोई ईश्वरीय चमत्कार या भाजपा-विरोधी सूनामी ही एमपी में कांग्रेस को कर्नाटक बना सकती है. ऐसा नहीं हुआ तो दिग्विजय सिंह के इस दावे की पोल खुल जाएगी कि 4,000 आवेदकों में से 230 को चुनने के लिए ज़िला, प्रदेश और एआईसीसी के सचिवों के स्तर पर स्क्रीनिंग कर सिर्फ़ जीतने वाले उम्मीदवारों के नाम ही तय किए गए हैं. चर्चाएं आम हैं कि कर्नाटक में भारी बहुमत से जीत के बावजूद चुनाव परिणामों के दिन से 'आजतक' भाजपा वहां सरकार गिराने की कोशिशों में जुटी हुई है. मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच चल रहे मतभेद अपनी जगह (एमपी में कमलनाथ-दिग्विजय पढ़ सकते हैं) कुछ दिन पहले ही एक असंतुष्ट मंत्री को किसी तरह समझा-बुझाकर बड़ी संख्या में समर्थक विधायकों के साथ मैसूर यात्रा पर रवाना होने के ठीक पहले रोक लिया गया. भाजपा की शह पर जेडी(एस) नेता कुमारस्वामी सरकार गिराने के काम में पहले दिन से जर-जी-जान से लगे हुए हैं. इस बात की जानकारी सार्वजनिक है कि पिछली बार (2018 में) चुनाव नतीजे प्राप्त होने के तत्काल बाद से भाजपा के कई नेता दिल्ली में सिंधिया के संपर्क में थे. कमलनाथ सरकार के ख़िलाफ़ चला 'ऑपरेशन लोटस' केवल एक रात में संपन्न नहीं हो गया था. एमपी में कांग्रेस की जीत अगर हिमाचल और कर्नाटक की तरह नहीं हुई और सीटों का अंतर 2018 की तरह (पांच सीटों) ही रहा तो सरकार फिर से भाजपा की बन जाएगी. मानकर चला जा सकता है कि भाजपा ने दूसरी संभावना पर कांग्रेस के उम्मीदवारों की घोषणा के पहले से काम शुरू कर दिया होगा. उसके लिए यह पता करना मुश्किल नहीं रहा होगा कि इस बार किसके लिये सिंधिया की मदद ली जा सकती है!

एक बड़े वर्ग का मानना है कि उम्मीदवारों के नामों की घोषणा के पहले तक लहर निश्चित ही कांग्रेस के पक्ष में मज़बूती के साथ थी और अब स्थिति चुनौतीपूर्ण बन गई है. कांग्रेस अगर चाहे तो मतदान के पहले अपनी प्रारंभिक मज़बूती को फिर से हासिल कर सकती है. उसके हथियार भी भाजपा ने ही कांग्रेस को सौंप दिए हैं. इनमें यह भी शामिल है कि शिवराज सरकार के ख़िलाफ़ अगर एंटी-इंकम्बेंसी (विरोध की लहर) 2018 के चुनावों से ही चली आ रही थी तो भाजपा आलाकमान के लिए कोई बहुत बड़ी मज़बूरी रही होगी कि मुख्यमंत्री सहित पूरी टीम को फिर से टिकिट थमा दिए गए. 'शिवराज की चुनावी मैदान में उपस्थिति कांग्रेस की ही मदद करने वाली है, भाजपा की नहीं!' दूसरे यह कि अमित शाह पिछले चुनाव की तरह इस बार दावा नहीं कर रहे हैं कि भाजपा दो सौ सीटें हासिल करेगी. उल्टे हो यह रहा है कि अफ़सरों को धमकाया जा रहा है कि 'कमल' के साथ सहयोग नहीं करने के नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहें. ऐसी धमकियां तो कर्नाटक में जनता को भी दी गईं थीं. कांग्रेस के लिए सत्ता में आने का यह आख़िरी मौक़ा है.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

भक्ति और भजन

भक्ति (नवदुर्गा) अनुरागी भक्त का साधना-भजन बाह्य मुखी है, तब तक उसकी लग्न (श्रद्धा) का नाम सती (सत्यमयी वृत्ति) है. और वही सती जब यज्ञ (साधना भजन) में प्रवाहित हो जाती है. पार्वती का जन्म हिमाचल के यहां, मैना के द्वारा हुआ, हिमाचल कहते हैं संयमित हृदय को, मैना अर्थात मैं (अहंकार) ना हो ऐसी स्थिति में प्रेम की जागृति होती है इसलिए नौ प्रकार की भक्ति (नवदुर्गा), अर्थात पार्वती के ही नौ नाम हैं, जिनमें एक नाम शैलपुत्री कहा गया है. उसी दिन से श्वेत बैल धर्म का प्रतीक है. साधक धर्म आचरण में लग जाता है, जब प्रेम जागृत होता है. दूसरा नाम है ब्रम्हचारिणी, जिससे ब्रम्ह की प्राप्ति होता है उस कर्म का आचरण होने लगता है. आचरण जब होने लगता है तब तीसरा नाम चंद्रघंटा की बारी आती है. भजन से संयुक्त मन ही चंद्रमा है, ऐसे मन में ईश्वरी नाद का संचार होने लगता है इसलिए इन्हें चंद्रघंटा कहते हैं. उस ईश्वरी नाद के अनुशासन में भजन होने लगता है तो मन कुशलता पूर्वक ईश्वर में स्थिति प्राप्त करने लगता है इसलिए चौथा नाम कूष्मांडा है. जब कुशलता पूर्वक मन भगवान में लगने लगता है तो स्कंदमाता, स्कंध कहते हैं कार्तिकेय को, सांसारिक कर्म है उसका त्याग होने लगता है इसलिए दुर्गा का एक नाम है स्कंदमाता. जब संसारी कर्मों का त्याग होने लगता है तो ईश्वरी कर्तव्य की जननी कहलाती है इसलिए इनका छठा नाम है कात्यायनी. कर्तव्य की जननी, देवी संपत्ति का उसको आश्रय हो जाता है इसलिए कात्यायनी कहलाती है. जब दैविक संपत्ति आ जाती है तो कालरात्रि, काल के लिए यह रात्रि के समान है. रात्रि में मनुष्य को दिखता नहीं है उसी तरह अब काल ऐसे साधक को विचलित नहीं कर पाता. कबीर कहते हैं कि काल की अखियां बूटी सतगुरु अजब पिलाई बूटी, आठवां नाम है महागौरी, गो कहते हैं मन सहित इंद्रियों को इसको जो काटने वाली है संयत करने वाली है इंद्रियों का दमन करने वाली होने से इसको महागौरी कहते हैं जब इंद्रियां भली प्रकार संयमित हो जाती हैं उनका नाम है सिद्धिदात्री परमशांति, परमात्मा उसको सिद्ध करा देती है इसलिए सिद्धिदात्री कहलाती है.

मेहनत की लूट को बढ़ाने की बेचैनी

•श्रम और श्रमिक

अंजनी कुमार

पिछले दिनों इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायणमूर्ति ने भारत के श्रमिकों को एक विवादास्पद सलाह दी. उनका कहना था कि भारत के युवा श्रमिकों को हफ्ते में 70 घंटे काम करना चाहिए. उन्होंने एक वार्ता के दौरान कहा कि ''इसलिए, मेरा आग्रह है कि हमारे युवा यह जरूर कहें कि यह मेरा देश है. हमें एक हफ्ते में 70 घंटे काम करना है.'' उन्होंने इस वार्ता में और भी बहुत कुछ कहा. उन्होंने काम के घंटे की फैलाव की जगह स्मार्टनेस के साथ काम करने का आग्रह किया, जिसका अर्थ यही है कि प्रति घंट काम की उत्पादकता बढ़ाना जरूरी है. भारत में श्रम उत्पादकता की दर सामान्य से कम मानी जाती रही है. श्रम उत्पादकता को नापने का सबसे आसान सा सूत्र यही है कि कुल जीडीपी को कुल काम के घंटे से भाग दे दिया जाये. कुल जीडीपी में खेती, उद्योग और सेवा तीनों ही उत्पादों के मूल्य को जोड़ दिया जाता है. आर्थिक सूत्रों में निश्चित ही यह एक कठिन प्रक्रिया है और इसमें से श्रम की उत्पादकता को निकालना भी उतनी ही जटिल प्रक्रिया है. 'द इकानॉमिक टाइम्स' की 9 जनवरी, 2020 की योगिमा सेठ शर्मा की रिपोर्ट को देखें, तब उस समय इंडिया रेटिंग्स एण्ड रिसर्च ने कहा था कि यदि हमें 8 प्रतिशत की विकास दर चाहिए तब श्रम की उत्पादकता में 6.3 प्रतिशत दर की जरूरत होगी. यदि इसे 7.3 प्रतिशत बढ़ा दिया जाये तो आर्थिक विकास की दर 9 प्रतिशत हो जायेगी. इस रिपोर्ट में श्रम उत्पादकता को बढ़ाने के लिए दो पक्षों पर जोर दिया था. पहला, यह जीडीपी में सीधी भागीदारी कैसे करे और खुद श्रम की उत्पादकता जिन हिस्सों में पिछड़ रही है, उसे ठीक कैसे किया जाये. उस समय मैन्यूफैक्चरिंग में श्रम की उत्पादकता 7.2 और सेवा क्षेत्र की स्थिति इससे भी बेहतर थी. लेकिन, जिन क्षेत्रों में यह बेहद कम थी उसमें निर्माण, खेती और खदान थे, जिसमें श्रम उत्पादकता क्रमशः 0.4, 3.2 और 4.8 प्रतिशत थी. यहां यह देखना भी उपयुक्त होगा कि इन क्षेत्रों में श्रमिकों का वेतन भी सबसे कम की श्रेणी में है. और, साथ ही पूंजी और श्रम अनुपातिक रिश्ता भी सबसे कम है. और, कुल श्रम भुगतान के मामले में, सभी क्षेत्रों को मिलाकर, अन्य देशों की अपेक्षा बेहद कम है. हम आये दिन मजदूरों के आंदोलनों की खबर पढ़ते हैं. गांव के मनरेगा मजदूरों से लेकर गुड़गांव के ऑटो सेक्टर तक हमें काम के हालात और श्रम भुगतान यानी मजदूरी को लेकर धरना, प्रदर्शन, कार्यस्थगन जैसी खबरें अखबारों और मीडिया के कोने अतरों में खबर दिख जाती है. 'ऑस्पेक्ट ऑफ इंडियन इकानॉमी' अंक 52 में छपे एक लेखः 'बिहाइंड द प्रजेंट वेव ऑफ अनरेस्ट इन ऑटो सेक्टर' का हवाला देना उयुक्त होगाः ''अंसतोष भड़कने की घटना सिर्फ ऑटो सेक्टर तक सीमित नहीं है. लेकिन, यहां अधिक सघन है. पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में तेज गति से वृद्धि हुई है. 2004-05 में 85 लाख गाड़ियां (जिसमें दो पहिया, तीन पहिया, यात्री और व्यावसायिक गाड़ियां शामिल हैं) से बढ़कर 2011-12 में 2 करोड़ चार गाड़ियों का उत्पादन हो रहा था. यात्री गाड़ियों की उत्पादन संख्या 2004-5 में 12 लाख था, बढ़कर 2011-12 में 30 लाख हो गया. संभावित है कि यह और अधिक होगा. पिछले दशक में ऑटो सेक्टर में इस उछाल को 'सफलता की कहानी' कहा गया और सरकार ने ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत को इसका 'हब' बना देने की ओर है, इसमें राज्य की ओर सब्सिडी भी बड़े पैमाने पर दिया गया.

लेकिन, वहीं दूसरी ओर ऑटो सेक्टर में श्रमिकों को दिये गये वास्तविक भुगतान को रहस्य ही बनाकर रखा गया. यदि मुद्रास्फीति की मात्रा को वेतन से निकाल दिया जाये तो मजदूरों को वेतन 2001-2009-10 तक गिरते हुए दिखेगा. (2009-10 में वार्षिक औद्योगिक सर्वे के आंकड़ों के अनुसार) 200-01 में गाड़ी निर्माण में काम करने वाले मजदूरों की वार्षिक आय 79,446 रूपये थी, जो 2004-05 में 88,671 और 2009-10 में 109,575 रुपये हुई.'' यहां यह जानना भी जरूरी है कि भारत की आईटी कंपनियों ने प्रति सप्ताह 5 दिन का कार्यदिवस घोषित कर रखा है. यदि काम के घंटे को नारायण मूर्ति के हिसाब से हफ्ते में 70 घंटे कर दिया जाये, तब प्रतिदिन काम के घंटे 16 हो जायेंगे. ऐसे में संभवतः 5 से 6 घंटे की नींद ही नसीब हो. इंफोसिस में काम करने वाले श्रमिकों को शुरुआती दिनों में 3.5 लाख रुपये प्रतिवर्ष मिलता है और यह कई सालों से स्थिर बना हुआ है.

> आर्थिक सूत्रों में निश्चित ही यह एक कठिन प्रक्रिया है और इसमें से श्रम की उत्पादकता को निकालना भी उतनी ही जटिल प्रक्रिया है. 'द इकानॉमिक टाइम्स' की 9 जनवरी, 2020 की योगिमा सेठ शर्मा की रिपोर्ट को देखें, तब उस समय इंडिया रेटिंग्स एण्ड रिसर्च ने कहा था कि यदि हमें 8 % की विकास दर चाहिए तब श्रम की उत्पादकता में 6.3 % दर की जरूरत होगी.

राजनीति में मुफ्त की रेवड़ियों का नया दौर

• सामयिकी

रोहित

मुफ्त की रेवड़ियों का सबसे ज्यादा शोर मध्य प्रदेश और राजस्थान में सुनाई दे रहा है. रेवड़ी कल्चर को सुप्रीम कोर्ट ने भी गंभीर मुद्दा माना है. बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों की ओर से मुफ्त उपहार का वादा एक गंभीर मुद्दा है, क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था को नुकसान हो रहा है. सुप्रीम कोर्ट में अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त सौगात का वादा करने वाले राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है. चीफ जस्टिस एनवी रमना और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने कहा कि चुनाव के दौरान तर्कहीन मुफ्त सौगात देने का वादा करने वाले राजनीतिक दलों की मान्यता रद्द करने का विचार अलोकतांत्रिक है. पीठ की ओर से चीफ जस्टिस ने कहा कि मैं किसी राजनीतिक दल का पंजीकरण रद्द करने के विषय में नहीं जाना चाहता, क्योंकि यह एक अलोकतांत्रिक विचार है, आखिरकार हमारे यहां लोकतंत्र है. उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान तर्कहीन मुफ्त सौगात देने का वादा एक गंभीर मुद्दा है, लेकिन वे इस संबंध में वैधानिक स्थिति स्पष्ट नहीं होने पर भी विधायी क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं करेंगे. सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमना ने कहा कि कोई नहीं कहता कि यह कोई मुद्दा नहीं है. यह एक गंभीर मुद्दा है. कुछ लोग जिन्हें यह मिल रहा है वे चाहते हैं कि मिलता रहे, क्योंकि हमारा कल्याणकारी राज्य है. वहीं कुछ कह सकते हैं कि वे टैक्स का भुगतान कर रहे हैं और इसका उपयोग विकास के लिए किया जाना है. तो यह एक गंभीर मुद्दा है. दरअसल राजनीतिक दलों के मन में यह बात बैठ चुकी है कि जनता की याददाश्त बेहद कमजोर होती है. इसीलिए पांच साल पहले किए वायदों को पूरे न करने के अपराध को नए वायदों की चकाचौंध में धोने का प्रयास बीते 75 साल से चला आ रहा है. 1971 के चुनाव में इंदिरा जी ने गरीबी हटाओ के नारे पर दो तिहाई बहुमत हासिल कर लिया था. आज नौबत अति गरीब तक आ चुकी है, लेकिन कोई कांग्रेस से उसके बारे में नहीं पूछता. अन्य पार्टियां भी वायदे पूरे करने में विफल रहने के बाद नए झुनझुने पकड़ाकर मतदाताओं को बहलाने का प्रपंच रचती हैं.. इसी तरह मुफ्त और सस्ती बिजली का वायदा तो आकर्षित करता है, किंतु विद्युत उत्पादन बढ़ाने और विद्युत कंपनियों को घाटे से उबारने की कोई कार्ययोजना पेश नहीं की गई. कर्मचारियों को लुभाने के लिए पुरानी पेंशन योजना शुरू करने का वायदा भी कांग्रेस ने किया है. जबकि हिमाचल और कर्नाटक में उसकी सरकार को वेतन बांटने तक में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. यह देखते हुए जरूरी हो गया है कि राजनीतिक दल विकास संबंधी अपनी कार्ययोजना भी वचनपत्र में पेश करें. नई नौकरियों के वायदे तो कर दिए जाते हैं, लेकिन उसे कैसे अमल में लाया जाएगा इसकी कोई रूपरेखा नहीं बताई जाती. बेहतर हो घोषणापत्र को विकास केंद्रित करने की परिपाटी शुरू हो. मसलन सौर ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने, सड़कों का निर्माण, औषधालय, विद्यालय-महाविद्यालय, जल आपूर्ति और जन सुविधा केंद्र जैसी बातों पर ज्यादा जोर दिया जाना जरूरी है. जब तक औद्योगिकीकरण के लिए अनुकूल वातावरण नहीं बनाया जाता, तब तक रोजगार के अवसर पैदा करने की बात सपने देखने जैसा है. सरकारी नौकरियां तेजी से सिमट रही हैं, ऐसे में निजी क्षेत्र ही विकल्प है. राज्य की आर्थिक स्थिति सुधारने के बारे में सभी राजनीतिक दल अपने चुनाव घोषणापत्र में शांत नजर आते हैं. ऐसे में जब प्रदेशों पर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है, तब मुफ्त उपहारों के लिए धन कहां से आएगा इसका उत्तर किसी के पास नहीं है. 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने वाले राजनीतिक दल पेट्रोल-डीजल को सस्ता करने हेतु उसे जीएसटी के अंतर्गत लाने का वायदा क्यों नहीं करते ये बड़ा सवाल है. मध्य प्रदेश देश के उन राज्यों में है, जहां पेट्रोलियम उत्पाद सबसे महंगे हैं. कांग्रेस यदि इनको सस्ता करने का वायदा करती तो उससे समाज का हर वर्ग आकर्षित होता, लेकिन राजनीतिक दलों का उद्देश्य प्रदेश के विकास के बजाय मुफ्तखोरी को बढ़ावा देना रह गया है. सही बात तो ये है कि राजनीतिक दल इतने झूठे वायदे कर चुके हैं कि उनकी विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो चुकी है. इसीलिए वे आजकल नगदी बांटकर मतदाताओं को लुभाने का प्रयास करने लगे हैं.

> पीठ की ओर से चीफ जस्टिस ने कहा कि मैं किसी राजनीतिक दल का पंजीकरण रद्द करने के विषय में नहीं जाना चाहता, क्योंकि यह एक अलोकतांत्रिक विचार है, आखिरकार हमारे यहां लोकतंत्र है. उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान तर्कहीन मुफ्त सौगात देने का वादा एक गंभीर मुद्दा है.

मीडिया में अन्यत्र

2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था

केंद्र सरकार का थिंक टैंक नीति आयोग भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए 25 वर्ष की रूपरेखा तैयार कर रहा है. इस समाचार पत्र में सोमवार को प्रकाशित खबर के मुताबिक इसका लक्ष्य भारत को 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का है. इसके दृष्टिपत्र में अनुमान जताया गया है कि भारत 2030 तक 6.69 लाख करोड़ डॉलर, 2040 तक 16.13 लाख करोड़ डॉलर और 2047 तक 29.02 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है. यह आंकड़ा डॉलर के वर्तमान संदर्भों के मुताबिक है. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार करीब 3.73 लाख करोड़ डॉलर रहेगा. ऐसे में उल्लिखित लक्ष्य को हासिल करने के लिए डॉलर के संदर्भ में 2047 तक सालाना 9 फीसदी वृद्धि हासिल करनी होगी. निश्चित तौर पर थोड़ा महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने में कोई दिक्कत नहीं है. हकीकत यह है कि उनकी मदद से नीतिगत परिवर्तनों को सही दिशा में आगे ले जाने में मदद मिल सकती है. नीति आयोग जिस नीतिगत पथ पर चल रहा है और जिसके लिए वह अन्य सरकारी विभागों के साथ काम कर रहा है और शायद जिसके लिए वह स्वतंत्र और निजी क्षेत्र के अर्थशास्त्र विशेषज्ञों से भी मशविरा करेगा, उस नीति को देखना भी दिलचस्प होगा. चूंकि बीते दशक में डॉलर के वर्तमान संदर्भ में भारत की आर्थिक वृद्धि 7 फीसदी से थोड़ा अधिक रही है, ऐसे में अगले 25 वर्षों तक वृद्धि दर में दो फीसदी या इससे कुछ अधिक का इजाफा करना आसान नहीं होगा. भारत को कई चुनौतियों का सामना करना होगा और दृष्टिपत्र में उनको रेखांकित किया जाना बेहतर होगा. यदि ऐसा किया गया तो सरकार को अपनी नीतियों को सही दिशा में ले जाने में मदद मिलेगी. उदाहरण के लिए वैश्विक वृद्धि निकट भविष्य में अपेक्षा से कमतर रह सकती है. कुछ अर्थशास्त्री यह भी मानते हैं कि वैश्विक ब्याज दरें, खासतौर पर अमेरिका में ढांचागत कारकों के चलते लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहेंगी. ऐसे हालात में वृद्धि दर को लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनाए रखना मुश्किल होगा. निरंतर उच्च बजट घाटा और बढ़ा हुआ सार्वजनिक ऋण सरकार की क्षमता को बाधित कर सकता है और संभव है कि वह आवश्यकता पड़ने पर हस्तक्षेप करने की स्थिति में न हो.

(बिजनेस स्टैंड)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

साध/साधन/साधना

हे प्रभो आनंददाता, कर रहा हूं मैं तुम्हारी साधना, साध मेरी पूर्ण कर दो, जो मुझे पहुंचा सके तेरी शरण तक बस मुझे वह एक साधन चाहिए. किसी कवि के हृदय से निकले इस उद्गार में तीन शब्द महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं-साध, साधन और साधना. पहले किसी साधन को पाने के लिए साध होती है और इसके बाद साध को मूर्त रूप देने के लिए साधना की आवश्यकता होती है. आप साध चाहे जितनी भी क्यों न कर लें, अगर साधना नहीं होगी तो वह साध अधूरी ही रह जाएगी. अर्थात केवल अर्थ ही नहीं, बल्कि भाव के दृष्टिकोण से भी इन तीनों शब्दों के बीच गहरा संबंध है. तो पहले साध को समझते हैं. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार साध शब्द का अर्थ संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में है लालसा, मन्नत, अभिलाषा. साध के और भी मतलब होते हैं. जैसे किसी स्त्री के गर्भवती होने पर सातवें महीने में होने वाले उत्सव को भी साध कहा जाता है. संज्ञा पुल्लिंग के रूप में साध का मतलब है साधु, संत, सज्जन, उत्तरभारत का एक संप्रदाय. जिसके पास जितने साधन होते हैं, वह उतना ही समृद्ध होता है. दूसरे शब्दों में इसे इस प्रकार भी कह सकते हैं कि जिसके पास समृद्धि है, उसके पास सभी साधन आ जाते हैं. यानी साधन और समृद्धि के बीच अन्योनाश्रय संबंध है. साधन का अर्थ है किसी कार्य को पूर्ण करने का माध्यम, किसी कार्य को पूर्ण करने की युक्ति तरकीब, किसी वस्तु आदि को तैयार करने का सामान, सामग्री. साधना तो सामान्यतः कार्य सिद्ध करने की क्रिया या संकल्प को कहा जाता है. एकाग्र तप, कठिन परिश्रम, सिद्धि, आराधना, उपासना भी साधना ही होती है, लेकिन इसका दूसरा अर्थ तीर से निशाना लगाना या तीर संधान भी होता है. तभी तो हमें अखबारों में इस प्रकार का शीर्षक पढ़ने को मिल जाता है-हेमंत ने साधा बाबूलाल पर निशाना.

देख, तेरे संसार की हालत क्या हो गयी

• तीर-तुक्का

प्रमोद यादव

देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान् कितना बदल गया इंसान." अच्छा हुआ...कवि प्रदीपजी कूच कर गए..और अनाप-शनाप दिन देखने से बच गए..वैसे तो यह गीत उन्होंने पूरे संसार को लेकर लिखी, पर अपने देश की पतली हालत से वे ज्यादा परिचित थे..उन्हें उम्मीद थी कि आगे हालात सुधरेंगे..इन्सान सुधरेगा..पर उनके जीवन-पर्यंत तो कुछ भी नहीं सुधरा..न देश, न इंसान..अलबत्ता सब कुछ और जोरों से बिगड़ा और बदला ..वे होते तो ना जाने और क्या-क्या इंसान की फितरत पर.,.देश पर लिखते..उन्हीं के तर्ज पर किसी ने एक गीत लिखा- " अम्मा देख..देख..तेरा मुंडा बिगड़ा जाए..अम्मा देख..देख.." इसका अर्थ (मेरे हिसाब से) यूं है - "मां भारती..देखो..भारतवासी कैसे बरबाद हो रहे (सियासत के फेर में)...देखो...लोक-तंत्र नरक-तंत्र हुआ जा रहा.. देखो..वोट और नोट का चक्कर चल रहा.. प्रजा का दुःख-दर्द कोई समझ नहीं रहा...देखो..सब उसे खसोट रहे..लूट रहे... देखो... कोई पिला रहा चुनावी चाय तो कोई पिलाये दूध..माँ...देखो.." " सुनते हो जी...." पत्नी की तीखी आवाज ने हमेशा की तरह मेरे चिंतन को चिकोट दिया..अच्छा खासा मैं देश-दुनिया और बदलते इन्सान के बवाल पर बालिंग की सोच रहा था कि भूचाल आ गया...इसके पहले कि भूचाल रिपीट हो, मैंने जोर से बिगुल फूंका – "हां..सुन रहा हूँ.....बोलो.." "अरे..आज का अखबार तुमने पढ़ा ?" उसने ऐसे पूछा जैसे उसमें उसकी कोई लाटरी फंसी हो." हां..पहले तो मैं ही पढता हूं ना..तुम्हें तो मालूम है..इसके बगैर मुझे ठीक से हाजमा नहीं होता..अब ऐसा क्या छूट गया जो मैंने नहीं पढ़ा ?" " तुमने पढ़ा न कि चुनाव के चलते पार्टी वाले जगह-जगह लोगों को मुफ्त की चाय पिला रहे हैं.." मैंने तुरंत बात काटी - " अरे बीबीजी..पुराना न्यूज है ये....अब चुनाव करीब है तो गरीब को लुभाने, वोट -बैंक भुनाने ये सब तो करेंगे ही..तुमने भी तो उस दिन अपनी सखियों के साथ मुफ्त की चाय का लुत्फ़ उठाया ..कैसी थी मुफ्त की चाय ? मैंने पूछा. "अजी मत याद दिलाइये ..हम जिस स्टाल पर गई थी, वहां चाय के पूर्व कईयों ने भाषण पिलाये, तब चाय मिली.....पूरे दो घंटे बाद.." " पर मैंने तो सुना है- चाय पहले परोसी जाती है फिर चुस्की के साथ चर्चा..तुम्हारे साथ कैसे उलट हो गया?" " हाँ..हम सब भी यही सोच गए थे जी....चाय का वक्त था..और पीने का मन..पर मुफ्त की चाय बड़ी महंगी पड़ी....छः भाषणों के उपरांत..दो घंटे बाद मिली..वह भी ठंडी और बेस्वाद.."

पैनल में ये शामिल

अनावश्यक सामानों को हटाएं

यह सफाई का सबसे शुरुआती स्टेप है. बेकार सामानों की पहचान करें और उन्हें फेंक दें. टूटे खिलौने, बर्तन, डेकोर आयटम, एक्सपायर्ड दवाएं, न्यूजपेपर, पुराने मेकअप के सामान, इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट...इन सबको बिना मोह घर से बाहर करें. इसी तरह अपने वार्डरोब से वैसे कपड़े निकालें जो अब लंबे अर्से से पहने नहीं जा रहे या जो अब पुराने हो गए हैं. अगर सही कंडीशन में हैं तो इन्हें दान दीजिए.

टॉप टू बॉटम का फार्मूला

पूरे घर की साफ-सफाई करनी है तो इसका एक बढ़िया फार्मूला है टॉप टू बॉटम. यानी सबसे पहले घर की छत, ऊपरी कोनो पर लगे मकड़े की जाल को साफ करें. सीलिंग फैन को साफ करें. एक भींगा कपड़ा लेकर पूरी दीवार को पोछें. फर्नीचर के धूल हटाएं. वैक्यूम क्लीनर से मैट्रेस, सोफा और कार्पेट के डस्ट हटाएं. माइक्रोफाइबर्स क्लॉथ की सहायता से टीवी, फ्रिज, माइक्रोवेव, लैपटॉप, एसी, आदि जैसे इलेक्ट्रॉनिक गजेट्स को साफ करें.

किचन में यहां से शुरुआत

किचन में रैक और बॉक्सेस से शुरुआत करें. इसके बाद कम इस्तेमाल वाले किचन वियर, डिशेज, कटोरों-डोंगो आदि को भी निकाल कर साफ करें. डिब्बों, शीशों की सफाई के लिए गर्म पानी में लिक्विड सोप और विनेगर डाल कर इस्तेमाल करें. दीवारों को साफ करें. मार्बल व टाइल्स फ्लोर पर लगे जिद्दी दागों को छुड़ाएं. किचन की पापइ व सिंक की सफाई करें. गैस स्टोव के बर्नर, पाइप आदि खोल कर डीप क्लीनिंग करें. चिमनी की सफाई करें. किसी अच्छे माइल्ड सोप सॉल्यूशन से रसोई के काउंटर टॉप को अच्छे से साफ करें. उपयोगिता के अनुसार रसोई के सामानों को अलग करें, जैसे गजेट्स (मिक्सी व ब्लेंडर आदि), कुकिंग के बर्तन, कलटरी, स्टोर आइटम आदि. सभी को अलग अलग चिन्हित जगहों पर रखें. फ्रिज के भीतरी हिस्से की सफाई के लिए बोरिक पाउडर, नमक और नींबू का पेस्ट इस्तेमाल करें.

कर्बड से निकालें फालतू

कपड़ों को निकाल कर फिर से व्यवस्थित करें. ताखों के पेपर/कपड़ों को बदलें. कहा जाता है कि पहनने के लिए कपड़े नहीं मिलते लेकिन रखने के लिए जगह नहीं. इस दीवाली ऐसे कपड़े जरूर निकालें जिसे अब नहीं पहनतीं या जो अब फिट नहीं होती. ऐसे कपड़े किसी एनजीओ या संस्था या जरुरतमंद को दान कर दें. नेफ्टलिन या कपूर की गोलियों को कीटाणुओं-कीड़े मकोड़ों को दूर रखने के लिए रखें.

बेड बॉक्स की सफाई

वार्डरोब के समान ही बेड बॉक्स या दीवान की भी सफाई जरूर ही. आमतौर पर इसमें कंबल आदि ही रखे जाते हैं. यदि आपके भी कंबल रखे हैं तो यही समय है कि उन्हें सूर्य की रोशनी में दिन भर रख दें. इससे इसके कीटाणु खत्म हो जाएंगे और एक फ्रेशनेस आ जाएगी. इसी तरह गद्दों व तकियों को दिन भर भी धूप दिखाएं. नेफ्टलिन या कपूर की गोलियों को कीटाणुओं-कीड़े मकोड़ों को दूर रखने के लिए रखें.

दीपावली में अब कुछ ही दिन बचे हैं. साफ-सफाई, सजावट, उपहारों की खरीदारी, मिठाइयों को बनाना-खरीदना...काम की लंबी सूची महिलाओं के दिमाग में दौड़ रही है, पर शुरुआत कहां से करें, यही नहीं जाहिर हो रहा. हमने गृहणियों का एक पैनल बनाया और उनसे जाने साफ-सफाई के सूत्र...

सब कुछ चकाचक

सफाई के ये टिप्स

प्रोफेशनल केयर

बेहतर सफाई, जिद्दी दाग धब्बे दूर करने या कॉक्रोच-छिपकली से मुक्ति के लिए प्रोफेशनल मदद भी ले सकती हैं जो रांची समेत झारखंड के कई शहरों में अब सहजता पूर्वक उपलब्ध हैं. प्रोफेशनल क्लीनिंग एजेंसी से संपर्क कर घर की डीप क्लीनिंग करा सकती हैं.

टाइल्स की सफाई

हाइड्रोजन पैराऑक्साइड और बेकिंग सोडा को मिला कर पेस्ट बनाएं और इससे किचन के टाइल्स पर लगे दाग-धब्बे-चिकनाई की सफाई करें. दो टाइल्स के बीच की सफाई के लिए टूथ ब्रश का इस्तेमाल करें. बोरिक पाउडर में नींबू डाल कर टाइल्स साफ करने से भी टाइल्स में चमक आ जाती.

ग्लास और मेटल के सामानों की सफाई

- बराबर मात्रा में व्हाईट विनेगर और पानी को मिलाएं और खिड़कियों के पैंस पर लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें. फिर न्यूजपेपर या माइक्रोफाइबर कपड़े से पोछ दें. पीतल की मूर्तियों, फूलदान व लैंप आदि जल्दी ही गंदे हो जाते हैं. इनकी सफाई के लिए आधा कप विनेगर में एक छोटा चम्मच नमक और चुटकी भर आटा का मिश्रण बनाएं और पीतल के बने सामानों पर लगाएं. इसे कुछ देर के लिए यूं ही छोड़ दें. फिर ठंडे पानी से धो कर सुखाएं.
- तांबे की मूर्तियों, बर्तनों आदि के लिए दही, बेसन, नींबू, हल्दी और नमक का पेस्ट बनाएं और इसे मूर्ति, बर्तन आदि पर 5-10 मिनट के लिए लगा छोड़ दें. इसके बाद पानी से धो कर साफ कपड़े से पोछ लें. ये पहले की तरह चमक जाएंगे.

- शीशे के बने सामानों की सफाई के लिए उन्हें बराबर मात्रा के विनेगर और पानी के घोल में डुबाएं और फिर सॉफ्ट ब्रश से रगड़ कर साफ कर लें.
- चांदी के सामानों पर जमी गंदगी की सफाई के लिए टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें. थोड़ी देर टूथपेस्ट लगा कर छोड़ दें और फिर इसे पानी से साफ कर लें.
- होम एप्लायंस की सफाई के बाद अगला कदम कपड़ों जैसे पर्दों, बेड शीट, पिलो कवर, सोफा कवर आदि की सफाई का हो. ध्यान रखें कि इन सभी को एक साथ नहीं साफ करें और फैब्रिक के अनुसार सफाई निर्देश का पालन करें. ऐसा भी हो सकता है कि पहले दिन पर्दे साफ कर लें, फिर अगले दिन सोफा कवर व अन्य. इन सब की सफाई के बाद घर की डेकोरेटिव लाइटिंग पर ध्यान दें.

जमीं पर उतर आएगा चांद

त्योहार और फिर तुरंत बाद शादियों का मौसम. जेवरों पर दिल कैसे ना आए! आइए, बात करें ज्वेलरी के कुछ नए ट्रेंड की, जिसे पहने जमीं पर चांद के उतर आने का अहसास गहराएगा .

एमरॉल्ड ज्वेलरी

कियारा आडवाणी ने अपनी शादी में जब से पन्नों की ज्वेलरी पहनी, उसके बाद पन्ने यानी एमरॉल्ड ज्वेलरी का ट्रेंड बना हुआ है. इस दीवाली भी यह पहली पसंद बना हुआ है. इसे डायमंड, गोल्ड, कुंदन आदि के साथ मैच कर पहना जा सकता है.

हैंडमेड ज्वैलरी

आरामदायक है और चोरी-लूट से बेखौफ पहनी जा सकती है. इसे ट्रेडिशनल व वेस्टर्न दोनों तरह की ड्रेसेज पर पहना जा सकता है.

सिल्वर ऑक्सिडाइज्ड

सिल्वर ऑक्सिडाइज्ड ज्वैलरी का इस साल कमबैक हुआ है. इसमें आपको हेवी नेकलेस, झुमके, ब्रेसलेट, पायल सब कुछ मिल जाएंगी, जो आपके इंडियन से लेकर वेस्टर्न आउटफिट तक टीमअप हो सकती है.

पर्ल ज्वेलरी

पर्ल ज्वेलरी, कभी फैशन से बाहर नहीं गया और इस दीवाली भी पहली च्वॉइस में शामिल है. रॉयल टच देने वाली यह ज्वेलरी ट्रेडिशनल व मॉर्डन दोनों आउटफिट पर जंचती है. मल्टी लेयर, स्टोन स्टड व्हाइट पर्ल, चोकर, नेकलेस, ब्रेसलेट किसी रूप में अपना सकती हैं.

टेंपल ज्वेलरी

इस साल क्लासी व हेरिटेज लुक के लिए टेंपल ज्वेलरी का भी लोगों में खूब क्रेज देखने को मिल रहा है. कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज ने भी अपनी शादी पर टेंपल ज्वेलरी को तरजीह दी, वैसे तो ये साउथ इंडियन ट्रेडिशनल ज्वेलरी स्टाइल है, लेकिन अब इसे देश के हर कोने में ब्राइड्स खूब पसंद कर रही हैं.

ये शरबती आंखें...

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

आंखों के नीचे सूजन या पफीनेस आम समस्या है. अगर आप भी आप भी आंखों के नीचे की त्वचा के फूली-फूली होने से परेशान हैं तो....

ये टिप्स आजमाएं.

- एक कटोरे में बर्फ के कुछ क्यूब और पानी लें. अब एक कपड़ा भिगो कर चेहरे पर डालें. ठंडा पानी से रक्त का संचार बढ़ता है और आंखों के नीचे की पफीनेस काफी हद तक दूर हो जाती है. इस प्रक्रिया को आपको 10-15 मिनट के लिए रेगुलर करना है.
- एक कटोरी में फ्रेश एलोवेरा का जेल यानी भीतर का गुदा निकालें और इससे आंखों के नीचे धीरे-धीरे मसाज करें. अब इसे 10-15 मिनट के लिए आंखों पर लगे रहने दें. इसके बाद पानी से चेहरे को साफ कर लें.

- खीरे में विटामिन सी, विटामिन के, मैग्नीशियम आदि कई तत्व होते हैं. इसलिए खीरे की स्लाइस लगाना भी डार्क सर्कल और पफीनेस में फायदेमंद होता है.
- आलू में एंटी फ्लेमेटरी गुण होता है. इस कारण इससे आंखों के नीचे के डार्क सर्कल ही नहीं बल्कि आंखों के नीचे की सूजन भी दूर होती है. इसके लिए आपको सबसे पहले आलू को अच्छे से धो लें. फिर गोल गोल स्लाइस काट या कद्दूकस कर लगाएं और उसे आंखों पर करीब 20 मिनट के लिए लगाएं. फिर मुलायम कपड़े से वह हिस्सा पोछ लें. सप्ताह में तीन दिन यह उपाय अपनाएं.

आज दुनिया वर्ल्ड वीगन डे मना रही है. हिंदी में इसे विश्व शाकाहार दिवस के नाम से जानते हैं, हालांकि वेजिटेरियन और वीगन शब्द में काफी अंतर है. दुनिया भर में लंच-डिनर को आज भी वेज-नॉन वेज के टैग के साथ ही परोसा जाता है, लेकिन जरुरत और परंपरा के अनुसार शाकाहार अपनाने वालों की भी अलग ही दुनिया है. आइए, आज इसके ही कुछ अनोखे रंग से हों रू-ब-रू

वर्ल्ड वीगन डे आज

शाकाहारी कैसे-कैसे!

महान गणितज्ञ पाइथागोरस के बारे में सुना है? वही, जिनके थियोरम से स्कूल के दिनों में गणित के कई सवाल सुलझाए थे. अब यह जानकर आपको हैरानी होगी कि गणित का सूत्र देने वाले इस ग्रीक विद्वान ने खानपान का भी एक फार्मूला दिया था जिसे पूरी दुनिया शाकाहार के नाम से जानती है. प्राचीन ग्रीक में मांस के बिना तैयार होने वाली डाइट पाइथागोरियन डाइट के नाम से जानी जाती थी. उन्हें ही शाकाहार शुरू करने का श्रेय दिया जाता है. लंबे समय तक शाकाहार पाइथागोरियन डाइट के नाम से ही जाना जाता था और उन्हें ही शाकाहार शुरू करने का श्रेय दिया जाता है.

यहां से मुहिम की शुरुआत

पाइथागोरियन की जगह वेजिटेरियन शब्द का सबसे पहले इस्तेमाल हुआ 29 सितंबर 1847 को इंग्लैंड में. तब पहली बार वेजिटेरियन सोसायटी का गठन हुआ. फिर तकरीबन 3 साल बाद अमेरिका में भी विलियम मेटकाफ, सिलवेस्टर ग्राहम, विलियम एल्कॉट आदि के प्रभाव से वेजिटेरियन सोसायटी ने अपनी मुहिम शुरू की. वेजिटेरियन मूवमेंट में अपटॉ सिनक्लेयर के नॉवेल "जंगल" ने भी बेहतर योगदान दिया. 1908 में अंतरराष्ट्रीय शाकाहारी संघ स्थापति हुआ.

मछली-अंडे खाते शाकाहारी!

अपने यहां शाकाहार शब्द का सीधा-साधा अर्थ समझा जाता है मांस, मछली, अंडे का सेवन नहीं करना. जबकि दुनिया भर में शाकाहार कई अंदाज में अपनाए जाते हैं. लैक्टो शाकाहार जहां डेयरी प्रोडक्ट खाते हैं पर अंडे नहीं. वहीं ओवो वेजिटेरियन अंडे तो खाते हैं पर डेयरी प्रोडक्ट नहीं. वहीं ओवो लैक्टो वेजिटेरियन की थाली में दूध, पनीर, बटर आदि के साथ अंडे भी होते हैं. वहीं वेगन दूध, अंडा, मांस, बटर, पनीर कुछ नहीं खाते. शाकाहार का एक प्रकार पेसिटेरियन होता है जो खुद को शाकाहारी तो बताते हैं पर धड़ल्ले से मछलियां खाते हैं. शाकाहार की बात बौद्ध व जैन धर्म के बिना अधूरी है. बौद्ध धर्म में सू-शाकाहार का चलन है. वे प्राणी उत्पादों के साथ एलिअम परिवार की सब्जियां (प्याज-लहसुन आदि) तक नहीं खाते. हिंदू धर्म में भी कई परिवारों की यही परंपरा है.

हमारी जीवन शैली

पश्चिम देशों से शुरू हुई शाकाहार की मुहिम के बाद भी आज भी महज 5% अमेरिकी शाकाहारी हैं जबकि भारत में शाकाहार को जीवनशैली से जोड़ कर देखा जाता है. यहां शाकाहार स्थापति करने में महातमा बुद्ध से महात्मा गांधी तक की लंबी परंपरा रही है. आज भी कई भारतीय हस्तियां शाकाहार को अपनाती है.

OK NOT OK

देखा-देखी करवा चौथ

झारखंड बिहार में सुहाग के पर्व के रूप में तीज, मधुश्रावणी, वट-सावित्री आदि मनाने की परंपरा है तो यूपी, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान आदि प्रदेशों में करवा-चौथ का चलन है. फिल्मों/टीवी का असर कहिए या आस्था का विस्तार, झारखंड के बड़े शहरों क्या कहें, गांव-गांव तक महिलाएं करवा चौथ मनाना शुरू कर रहीं. हमने महिलाओं से पूछा, देखा-देखी करवा चौथ मनाना सही है या नहीं

"व्रत-त्योहार आस्था व परंपरा का विषय है, फैशन का नहीं. जिस व्रत को करने की हमारे घर-परिवार में परंपरा नहीं, उसे क्यों करना? अपने व्रत-त्योहार ही पूरा करना मुश्किल है, ऐसे में देखा-देखी शुरू किया गया त्योहार बेमतलब है.

-वैजयंती सिंह

"बेशक हमारा त्योहार नहीं, पर चांद को अर्ध्य देना, चलनी से पति को देखना और फिर पति के हाथ से व्रत खोलना, एक रोमांटिक अहसास दिलाता है. यह पति-पत्नी के प्रेम व समर्पण को दर्शाता है, रिश्ते को मजबूत करता है. फिर क्यों नहीं करें यह व्रत!

- प्रीति प्रिया

"फिल्मों में धार्मिक कम रूमानी रूप में ज्यादा यह पर्व देखते हमारी पीढ़ी बड़ी हुई. सोशल मीडिया में दिखावे के लिए यहां भी यह व्रत किया जाने लगा है. आस्था पर दिखावा, महंगे कपड़े-जेवर का क्रेज भारी है. इस अंधी दौड़ से बचना चाहिए.

- रश्मि सिंह

"साल में दो चौथ (माघ व भादो) को करने की परंपरा तो हमारे समाज में भी रही है. कार्तिक के करवा चौथ के बारे में पता चला तो करना शुरू की. यह भी तो सुहाग के लिए ही है. हां, हम अपनी परंपरा के अनुसार रात में भी फलाहार पर ही रहते हैं.

- मुक्ता सिंह

"आखिर हर्ज क्या है करवा चौथ मनाने में. सुबह-सुबह की सरगी, फिर मेहंदी-श्रृंगार, रात में पति को छलनी से देखना और फिर कहीं बाहर डिनर... पति-पत्नी का आपसी प्यार बढ़ाने वाले इस पर्व को करना तो अच्छा ही है.

- स्निग्धा दीप

"पड़ोस में रहने वाली मारवाड़ी आंटी को देख कर मैंने शादी के तुरंत बाद से करवा चौथ शुरू किया जबकि हमारे परिवार में यह परंपरा नहीं थी. मुझे अच्छा लगता है. सजना, संवरना, मेहंदी लगाना..आखिर किस सुहागन को नहीं पसंद आएगा यह पर्व. शुरू करने में हर्ज भी क्या है?

- मीरा रानी

"सुहाग का पर्व है, तो करने में हर्ज क्या है! मेरी बहू भी करना चाहती है और मुझे इसमें कुछ गलत नहीं लगता. मिथिला में तीज नहीं होती, लेकिन कुछ लोग शौक से करते ही हैं. करवा चौथ भी महिलाएं परंपरा नहीं रहने पर भी शुरू कर रही हैं.

- नीलम मिश्रा

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

अंक तालिका

रैंक	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
1	भारत	06	06	00	12	+1.405
2	दक्षिण अफ्रीका	06	04	01	10	+2.032
3	न्यूजीलैंड	06	04	02	08	+1.232
4	ऑस्ट्रेलिया	06	04	02	08	+0.970
5	पाकिस्तान	07	03	04	06	-0.020
6	अफगानिस्तान	06	03	03	06	-0.718
7	श्रीलंका	06	02	04	04	-0.275
8	नीदरलैंड	06	02	04	04	-1.277
9	बांग्लादेश (ई)	07	01	06	02	-1.446
10	इंग्लैंड	06	01	05	02	-1.652

एक नजर में

बांग्लादेश	प्लेयर ऑफ द मैच	पाकिस्तान
204/10	फखर जमां	205/3

आगे कौन

सबसे अधिक रन

431

क्विंटन डी कॉक, द. अफ्रीका

सबसे अधिक विकेट

16

एडम जम्पा,ऑस्ट्रेलिया

सिक्सर किंग रोहित शर्मा : 20

बाउंड्री

6	4
399	1436

विश्व कप : पाकिस्तान से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुआ बांग्लादेश

पाक के पास अब भी सेफा में पहुंचने का मौका

भाषा । पुणे

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच यहां खेले गए एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को सात विकेट से हराया. पाकिस्तान की ओर से फखर जमां ने शानदार 81 रनों के पारी से पाकिस्तान ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया. वहीं शफिक ने भी फखर का अच्छा साथ निभाया और 68 रन बनाए. दोनों ने पहले विकेट के लिए 128 रनों की साझेदारी की और बांग्लादेश के हाथ से मैच छीन लिया. वहीं बांग्लदेश के मेहदी हसन ने अपनी टीम के लिए तीन विकेट चटकाए. इससे पहले. शाहीन शाह अफरीदी की अगुआई वाले तेज गेंदबाजी आक्रमण की बदौलत पाकिस्तान ने मंगलवार को यहां विश्व कप मैच में बांग्लादेश को 45.1 ओवर में 204 रन के स्कोर पर समेट दिया. शाहीन ने बांग्लादेश के शीर्ष क्रम को चरमराते हुए नौ ओवर में एक मेडन से 23 रन देकर तीन विकेट झटके जिसकी बदौलत वह वनडे में पाकिस्तान के लिए सबसे तेज 100 विकेट चटकाने वाले गेंदबाज बन गये. मोहम्मद वसीम जूनियर ने फिर पुछल्ले बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर 8.1 ओवर में एक मेडन से 31 रन देकर तीन विकेट हासिल किये जिससे बांग्लादेश की टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी. शाहीन भले ही घुटने की चोट से उबरने के बाद पहले जितनी तेज रफ्तार से गेंद नहीं डाल पा रहे हों लेकिन इस 23 साल के गेंदबाज ने ईडन गार्डन्स की सपाट पिच पर चतुराई भरे 'वैरिएशन' से गेंदबाजी कर स्विंग हासिल की. शाहीन ने अतिरिक्त उछाल और स्विंग से तंजिद हसन को पगबाधा आउट किया जो उनका वनडे में 100वां विकेट था. वह इस तरह सकलेन मुश्ताक को पछाड़कर उनसे दो पारियां पहले पाकिस्तान की ओर से सबसे तेज 100 विकेट हासिल करने वाले गेंदबाज बन गये. फिर उसामा मीर ने फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर डाइव करते हुए शानदार नीचा कैप लपका जिससे शाहीन ने दो ओवर में दो विकेट हासिल किये.

- 7 विकेट से पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराया
- शाहीन व वसीम जूनियर ने लिए 3-3 विकेट

स्कोरबोर्ड

बांग्लादेश	रन	बॉल	4	6
तनजीद एलबीडब्ल्यू बो शाहीन	0	5	0	0
लिट्टन दास कै आगा बो इफ्तिखार	45	64	6	0
शांतो कै उसामा मीर बो शाहीन	4	3	1	0
मुशफिकुर कै रिजवान बो हारिस	5	8	1	0
महमूदुल्लाह बो शाहीन	56	70	6	1
शाकिब कैआगा सलमान बो हारिस	43	64	4	0
तौहीद कै इफ्तिखार बो उसामा मीर	7	3	0	1
मेहदी हसन बो मोहम्मद वसीम	25	30	1	1
तस्किन बो मोहम्मद वसीम	6	13	0	0
मुस्तफिजुर बो मोहम्मद वसीम	3	7	0	0
शोरीफुल इस्लाम नाबाद	1	4	0	0

अतिरिक्त : 9, कुल : 204/10, 45.1 ओवर, विकेट पतन : 0-1, 6-2, 23-3, 102-4, 130-5, 140-6, 185-7, 200-8, 201-9, 204

पाकिस्तान	रन	बॉल	4	6
शफीक एलबीडब्ल्यू बो मेहदी हसन	68	69	9	2
फखर जमां कै तौहीद बो मेहदी हसन	81	74	3	7
बाबर कै महमूदुल्लाह बो मेहदी हसन	9	16	1	0
रिजवान नाबाद	26	21	4	0
इफ्तिखार नाबाद	17	15	2	0

अतिरिक्त : 4, कुल : 205/3, 32.3 ओवर, विकेट पतन : 128-1, 160-2, 169-3, गेंदबाजी : टस्किन अहमद : 6-1-36-0, शोरफुल इस्लाम : 4-1-25-0, मेहदी हसन मिराज : 9-0-60-3, मुस्तफिजुर रहमान : 7-0-47-0, शाकिब अल हसन : 5.3-0-30-0, नजमुल हुसैन शान्तो : 1-0-5-0

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी : चीन ने मलेशिया को 4-0 से हराया

संवाददाता । रांची

झारखंड वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के चौथे दिन का दूसरा मुकाबला चाइना और मलेशिया के बीच खेला गया, जिसमें चीन ने मलेशिया को 4-0 से हराकर पूरे अंक अर्जित किए. इसके साथ ही मलेशिया 4 मुकाबलों में 1 प्वाइंट के साथ अंतिम 4 की रेस से बाहर हो गयी है. चीन के साथ भारत, जापान और कोरिया की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गयी है. मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में खेले जा रहे पहले मुकाबले के पहले क्वार्टर में चाइना और मलेशिया गोल नहीं कर पाई. चाइना ने आक्रामक खेल खेलते हुए एक के बाद एक पेनाल्टी कॉर्नर अर्जित किए. मुकाबले का पहला गोल 16 वें मिनट में आया. चाइना की जियाकी जोंग ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया. मुकाबले का दूसरा गोल मेरिओंग जाऊ ने 22वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया. पहले हॉफ की समाप्ति तक जियाकी जोंग ने एक और गोल कर लीड को 3-0 कर मलेशिया पर दबाव बना दिया. ये गोल मुकाबले के 30वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर से आया. मैच का अंतिम गोल 51वें मिनट में जियाकी ने मलेशिया के डिफेंस को भेदकर फील्ड गोल किया. पूरे मुकाबले में चाइना ने 13 पेनाल्टी कॉर्नर अर्जित किए. जियाकी जोंग को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

- मलेशिया को 4-0 से रौंद चीन के साथ भारत, जापान व कोरिया सेमीफाइनल में
- चीन की जियाकी जोंग ने दागा 3 गोल, बनी प्लेयर ऑफ द मैच
- मलेशिया 4 मुकाबलों में सिर्फ 1 प्वाइंट ही हासिल कर सका, अंतिम 4 की दौड़ से बाहर हुआ

कोरिया ने दर्ज की दूसरी जीत, थाइलैंड को 3-0 से हराया

रांची में चल रहे झारखंड वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के चौथे दिन का पहला मुकाबला कोरिया और थाइलैंड के बीच खेला गया. जिसमें कोरिया ने थाइलैंड 3-0 से हराकर पूरे अंक अर्जित किए. मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम खेले गए इस मुकाबले का पहला क्वार्टर गोलरहित. मुकाबले का पहला गोल कोरिया की यूजीन ली ने 24वें मिनट में किया. उन्होंने थाइलैंड के डिफेंस को भेदकर शानदार फील्ड गोल किया. पहले हॉफ के आखिरी मिनट में कोरिया ने दूसरा गोल दाग लीड को 2-0 किया. मुकाबले के 30वें मिनट में चीयोंग जंग ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया. मुकाबले का तीसरा गोल 32वें मिनट में आया. कोरिया की सिऊंगा पार्क ने शानदार फील्ड गोल कर लीड को 3-0 किया, जिसे कोरिया ने मुकाबले के अंत तक बरकरार रखा. मुकाबले की शुरुआत में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और हॉकी के पदाधिकारी मौजूद थे.

न्यूजीलैंड और द. अफ्रीका के बीच मुकाबला आज

पुणे। सेमीफाइनल में प्रवेश की प्रबल दावेदार न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका विश्व कप के मैच में बुधवार को आमने सामने होंगी तो यह दोनों टीमों के बल्लेबाजों के बीच का मुकाबला होगा. मौजूदा विश्व कप के अधिकांश मुकाबले एकतरफा रहे हैं लेकिन अगर दो करीबी मुकाबले चुने जायें तो चेन्नई में दक्षिण अफ्रीका की पाकिस्तान पर एक विकेट से जीत और न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया रोमांचक मैच था जिसमें 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड टीम पांच रन पीछे रह गई. दोनों टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश की दावेदार हैं और अगर बल्लेबाज चल निकले तो यह रोमांचक मैच होगा. न्यूजीलैंड के छह मैचों में आठ अंक है. लगातार चार जीत के बाद धर्मशाला में नतीजे उसकी अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहे. ऐसे में एक पराजय से अफगानिस्तान (छह अंक) और पाकिस्तान (चार अंक) के रास्ते खुल सकते हैं. दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका (छह मैचों में दस अंक) के जीतने पर 12 अंक हो जायेंगे और वह भारत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच जायेगा. महाराष्ट्र क्रिकेट संघ के इस मैदान पर स्पिनरों को काफी मदद मिली है और इसी के दम पर अफगानिस्तान ने श्रीलंका पर सात विकेट से जीत दर्ज की थी. बल्लेबाजों में यह मुकाबला अनुभव और युवा जोश का भी है.

अभ्यास सत्र में अय्यर ने शॉर्ट गेंद पर जमकर प्रैक्टिस की

भाषा । मुंबई

शॉर्ट गेंद के खिलाफ कमजोरी एक बार फिर सामने आने के बाद भारतीय टीम के चौथे नंबर के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने गुरुवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ विश्व कप मैच से पहले अपनी लंबे समय से चली आ रही परेशानी से पार पाने के उद्देश्य से ट्रेनिंग की. इस वैकल्पिक ट्रेनिंग सत्र में शीर्ष क्रम के किसी भी खिलाड़ी - कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और शुभमन गिल - ने हिस्सा नहीं लिया. इसलिये अभ्यास का केंद्र अय्यर बनाम शॉर्ट गेंद ही थीं. भारत के गेंदबाजी आक्रमण ने भी आराम करने का फैसला किया जिन्होंने रविवार को इंग्लैंड पर 100 रन की जीत के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था. भारतीय टीम विश्व कप अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज है जिससे सेमीफाइनल में उसकी जगह लगभग पक्की हो चुकी है. लेकिन टीम के लिए निहायती जरूरी है कि वह अपनी कमियों को दूर करती रहे. टीम प्रबंधन निश्चित रूप से चाहता है कि अय्यर की शॉर्ट गेंद के खिलाफ परेशानी दूर हो जाये क्योंकि पसंदीदा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के बावजूद वह बड़ा स्कोर नहीं बना सके हैं. मंगलवार को इस सत्र के दौरान अय्यर की इस समस्या से पार पाने की बेताबी भी साफ दिखायी दी. अपने घरेलू मैदान पर दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने कड़ी धूप में करीब दो घंटे तक थ्रोडाउन विशेषज्ञों की काफी शॉर्ट गेंदों का सामना किया. उन्होंने शुरू में कुछ स्थानीय नेट गेंदबाजों की गेंदों का सामना किया लेकिन बाद में उन्होंने भारत के थ्रोडाउन विशेषज्ञ डी राघवेंद्र, बायें हाथ के श्रीलंकाई नुआन सेनेवीरत्ने और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ के साथ कुछ अन्य द्वारा काफी शॉर्ट गेंद का सामना किया.

फुटबॉल मार्टिनेज को विश्व के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और मैनचेस्टर सिटी को क्लब ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला

आठवीं बार लियोनल मेस्सी ने जीता बैलोन डी'' ओर अवार्ड

- मेस्सी ने हालैंड और एम्बापे को पछाड़ कर खिताब जीता

भाषा । पेरिस

फुटबॉल के दिग्गज लियोनल मेस्सी ने आठवीं बार बैलोन डी'' ओर जीता. मेस्सी ने मैनचेस्टेर सिटी के स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड को पछाड़कर इस अवार्ड पर को हासिल किया. मेस्सी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप का खिताब पिछले साल जीता था. मेसी को यह पुरस्कार इंटर मियामी के मालिक और फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी डेविड बेकहम ने दिया है. लियोनल मेसी इससे पहले 2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019 और 2021 में भी बैलोन डी''ओर पुरस्कार जीत चुके हैं. वहीं लगातार दूसरी बार मैनचेस्टर सिटी को क्लब ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला. मैनचेस्टर की टीम पिछले सीजन में चैंपियंस लीग, प्रीमियर लीग और एफए कप का ट्रेबल जीतने वाली केवल दूसरी अंग्रेजी टीम बन गई.

सर्वाधिक बैलोन डी'' ओर जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी

खिलाड़ी	देश	बैलोन डी'' ओर	साल
लियोनल मेसी	अर्जेंटीना	8	2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019, 2021, 2023
क्रिस्टियानो रोनाल्डो	पुर्तगाल	5	2008, 2013 2014, 2016 2017
माइकल प्लाटिनी	फ्रांस	3	1983, 1984 1985
जोहान क्रूफ	नीदरलैंड	3	1971, 1973, 1974
मार्को वैन	नीदरलैंड	3	1988, 1989 1992

बैलन डी'' रैंकिंग 2023 (पुरुष)

1 लियोनेल मेसी	3 किलियन म्बाप्पे	5 केविन डी ब्रुने
2 एर्लिंग हालैंड	4 विनीसियस जूनियर	6 रोड्री

अर्जेंटीना टीम और एस्टन विला के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज को विश्व के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार मिला. मार्टिनेज ने फाइनल में फ्रांस के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट जीत में किंग्सले कोमन से स्पॉट-किक बचाकर कतर में गोल्डन ग्लव जीता था.

महिला वर्ग में स्पेन की ऐताना ने जीता बैलोन डी'' ओर

महिला वर्ग में स्पेन की खिलाड़ी ऐताना बोनामती ने बैलोन डी'' ओर जीता. ऐताना ने इस साल स्पेन के साथ वीमेंस फीफा विश्व कप जीता था. इससे पहले उन्होंने अपने क्लब एफसी बार्सिलोना के साथ वीमेंस चैंपियंस लीग और डोमेस्टीक लीग (लीगा एफ) की ट्रॉफी भी जीती थी.

सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट के क्वाफा में पहुंचा उत्तर प्रदेश

भाषा । मोहाली

अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और फिट हो चुके मोहसिन खान की धारदार गेंदबाजी और नितीश राणा के आक्रामक अर्धशतक से उत्तर प्रदेश ने मंगलवार को यहां गुजरात को छह विकेट से हराकर सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. गुजरात की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 127 रन ही बना सकी. उत्तर प्रदेश ने इसके जवाब में राणा की 49 गेंद में नाबाद 71 रन की पारी की बदौलत आठ गेंद शेष रहते जीत दर्ज की. एक साल से अधिक समय भारतीय राष्ट्रीय टीम से बाहर भुवनेश्वर ने सीम और स्विंग गेंदबाजी का अच्छा नजारा पेश करते हुए चार ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट चटकाए. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन ने 13 रन देकर दो विकेट हासिल किए. गुजरात की ओर से सौरव चौहान (21 गेंद में 32 रन) ही टिककर बल्लेबाजी कर पाए.

लक्ष्य का पीछा करते हुए उत्तर प्रदेश की शुरुआत भी खराब रही और टीम ने चौथे ओवर में 22 रन तक ही दो विकेट गंवा दिए. राणा ने इसके बाद समीर रिज्वी (39 गेंद में 30 रन) के साथ12.1 ओवर में 81 रन जोड़कर टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया. राणा ने अपनी पारी में सात चौके और दो छक्के मारे. ध्रुव जुरेल (नाबाद 13) ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जन नागवासवाला पर चौका और छक्का जड़कर उत्तर प्रदेश को जीत दिलाई.

खास बातें

- नीतीश राणा ने ताबड़तोड़ बैटिंग कर 71 रन बनाए
- भुवनेश्वर कुमार ने 21 रन देकर तीन विकेट चटकाए

रौशन हुआ गोल्डन टेंपल

अमृतसर। 30 अक्टूबर को गुरु नगरी अमृतसर को बसाने वाले और सिक्खों के चौथे गुरु रामदास जी का प्रकाश पर्व मनाया गया था. इस मौके पर स्वर्ण मंदिर करीब 20 टन फूलों और जगमगाती लड़ियों से सजाया गया था और शाम के समय आसमान में आतिशबाजी देखने को मिली. इस मौके पर लाखों श्रद्धालुओं ने मंदिर का रुख किया और स्वर्ण मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब देखने को मिला. श्रद्धालुओं ने श्री दरबार साहिब में मत्था टेका और आस्था की पवित्र डुबकी लगाई. सिक्खों के चौथे गुरु रामदास जी का जन्म 24 सिंतबर के दिन वाराणसी में हुआ था. उन्होंने सिक्ख समुदाय के लिए समृद्ध और सामर्थ्यपूर्ण संस्थानों की स्थापना की और धार्मिक व सामाजिक सुधारों में योगदान दिया. उन्होंने अमृत्सर में हरमिंदर साहिब, जोकि स्वर्ण मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है, की नींव रखी थी और इसे सिक्ख समुदाय के सामाजिक और धार्मिक केन्द्र के रूप में स्थापित किया.

आओ जानें

विश्व में नियमित अंडे की कीमत

स्विट्ज़रलैंड	$6.77	स्वीडन	$3.31	दक्षिण अफ्रीका	$1.71
न्यूज़ीलैंड	$5.41	इटली	$3.28	कज़ाकिस्तान	$1.56
डेनमार्क	$4.32	जर्मनी	$3.22	तुर्की	$1.55
यूएसए	$4.30	कनाडा	$3.17	इंडोनेशिया	$1.54
ऑस्ट्रिया	$4.07	यूएई	$3.03	मिस्र	$1.50
उरुग्वे	$3.92	यूके	$2.87	अर्जेंटीना	$1.48
ग्रीस	$3.91	पोलैंड	$2.79	बांग्लादेश	$1.22
ऑस्ट्रेलिया	$3.65	स. अरब	$2.53	ईरान	$1.14
नॉर्वे	$3.59	स्पेन	$2.49	पाकिस्तान	$1.11
आयरलैंड	$3.55	मेक्सिको	$2.11	रूस	$1.09
फ्रांस	$3.51	ब्राज़ील	$2.03	भारत	$0.94
इज़राइल	$3.41	चीन	$1.78	*नमो (NUMBEO) डेटा के अनुसार	
दक्षिण कोरिया	$3.37	जापान	$1.81		
		फिलीपींस	$1.79		

मणिपुर के मोरेह में एक पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या

भाषा। इंफाल

मणिपुर में तेंगनौपाल जिले के मोरेह में संदिग्ध आदिवासी उग्रवादियों ने मंगलवार को एक उपमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) की गोली मारकर हत्या कर दी. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मोरेह के एसडीपीओ चिंगथम आनंद तब गोली लगने से घायल हो गए जब उग्रवादियों के एक समूह ने पुलिसकर्मियों पर कुकी-ज़ो समुदाय की बहुलता वाले सीमावर्ती शहर में पूर्वी मैदान में नवनिर्मित हेलीपैड के निरीक्षण के दौरान गोली चलाई. एसडीपीओ को मोरेह के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया. अधिकारी ने कहा कि उग्रवादियों को पकड़ने के लिए इलाके में अभियान शुरू कर दिया गया है. यह घटना कई नागरिक समाज संगठनों, विशेषकर मोरेह स्थित संगठनों द्वारा सीमावर्ती शहर से सुरक्षाकर्मियों को हटाने की मांग किए जाने के कुछ सप्ताह बाद हुई है.

सुरक्षा बलों ने हथियार व विस्फोटक किए जब्त

मणिपुर के इंफाल ईस्ट और चुराचांदपुर जिले में सुरक्षा बलों ने हथियार और विस्फोटक जब्त किये हैं. सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटे में इंफाल ईस्ट जिले के संजेनबाम खुल्लन, गौरानगर और तेराखोंग गांव से चार आग्नेयास्त्र, 20 हथगोले और राइफल की पांच खाली मैगजीन जब्त की हैं. इंफाल ईस्ट जिले में संजेनलोक हिल और एशिंगथेम्बी हिल से नौ एमएम की दो पिस्तौल सहित छह आग्नेयास्त्र, 21 हथगोले और एक मोर्टार का गोला बरामद किया है.

ब्रीफ खबरें

स्वास्थ्य आधार पर चंद्रबाबू को मिली अंतरिम जमानत

अमरावती। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने मंगलवार को तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू को आंध्र प्रदेश कौशल विकास निगम में कथित घोटाला मामले में चार हफ्ते के लिए अंतरिम जमानत दे दी. नायडू की ओर से पेश हुए वकीलों ने अदालत को सूचित किया कि उनके लिए मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराना जरूरी है. स्वास्थ्य आधार पर पूर्व मुख्यमंत्री को जमानत देते हुए अदालत ने उन्हें 28 नवंबर या उससे पहले राजामहेंद्रवरम में केंद्रीय जेल के अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया.

ईडी ने गोवा में छह कसीनो पर की छापेमारी

पणजी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुछ जमाकर्ताओं के करोड़ों रुपये के कथित गबन से जुड़ी धनशोधन जांच के तहत गोवा में आधा दर्जन कसीनो पर छापेमारी की है. राज्य में संघीय जांच एजेंसी के अधिकारियों द्वारा सोमवार से लगभग आठ परिसरों की जांच की जा रही है. सूत्रों ने कहा कि इन परिसरों में से छह स्थान कसीनो हैं, जबकि शेष परिसर कुछ संबंधित व्यक्तियों से जुड़े हैं. धनशोधन जांच राज्य में 50 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से संबंधित है जिसमें भोले-भाले निवेशकों से धोखा किया गया.

तमिलनाडु को पानी देने में सक्षम नहीं

बेंगलुरु। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के निर्देशानुसार पड़ोसी तमिलनाडु को पानी जारी करने में राज्य की अक्षमता जाहिर की और कहा कि उसके कावेरी बेसिन में पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं है. सीडब्ल्यूआसी ने सोमवार को अपनी सिफारिश में कहा था कि कर्नाटक को एक नवंबर से 15 दिन तक तमिलनाडु को हर दिन 2,600 क्यूसेक पानी छोड़ना चाहिए जिसके बाद उनका यह बयान आया है.

चीन के 3 अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर लौटे

ताइपे। चीन के तीन अंतरिक्ष यात्री छह महीने तक अपने देश के अंतरिक्ष स्टेशन पर रहने के बाद मंगलवार सुबह पृथ्वी पर लौट आए. आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि जिंग हाइपेंग, झू यांगझू और गुई हाइचाओ गोबी रेगिस्तान के किनारे जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र के पास 'रिटर्न कैप्सूल' से बाहर आए। तीनों का स्वास्थ्य अच्छा है. अंतरिक्ष स्टेशन का नया तीन सदस्यीय दल पिछले सप्ताह तियांगोंग स्टेशन पर पहुंचा. यह नया दल चिकित्सकीय और वैज्ञानिक प्रयोग करने के साथ साथ उपकरणों का रखरखाव करेगा.

प्रसिद्ध जलवायु वैज्ञानिक का निधन

ढाका। दुनिया को गरीब देशों पर वैश्विक ताप वृद्धि के बढ़ते असर को समझने और उससे निपटने के लिए प्रेरित करने वाले बांग्लादेश के अग्रणी जलवायु वैज्ञानिक सलीमुल हक का शनिवार को ढाका में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया. वह 71 वर्ष के थे. हक के परिवार में पत्नी, एक बेटा और बेटी है. वाशिंगटन विश्वविद्यालय के जलवायु वैज्ञानिक ने कहा कि सलीमुल ने हमेशा गरीब और वंचितों पर ध्यान केंद्रित किया.

इजराइली सेना ने गाजा पट्टी में हमास आतंकियों से अपने सैनिक को कराया मुक्त

संघर्ष विराम के पक्ष में नहीं नेतन्याहू

भाषा। खान यूनिस (गाजा पट्टी)

इजराइली सेना, इसके टैंक और बख्तरबंद वाहन सोमवार को गाजा के अंदरूनी इलाकों तक पहुंच गये और उन्होंने हमास के उग्रवादियों द्वारा बंदी बनाई गई एक सैनिक को मुक्त करा लिया. इसके साथ ही इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संघर्ष विराम के आह्वान को मानने से इनकार कर दिया. इजराइली बलों के हवाई हमलों के जरिये उन अस्पतालों के आसपास के क्षेत्र को भी निशाना बनाया गया, जहां हजारों फिलिस्तीनी घायल शरण लिये हुये हैं. इजराइली सेना ने बताया कि सात अक्टूबर को हमास के उग्रवादियों द्वारा घुसपैठ के दौरान बंदी बनाई गई एक महिला सैनिक को गाजा में मुक्त करा लिया गया. दो सप्ताह से अधिक समय से चल रहे इस संघर्ष के दौरान ऐसा पहली बार हुआ है.

सेना ने एक बयान में कहा कि सैनिक ओरी मेगिडिश की चिकित्सीय जांच की गई, जिसमें वह स्वस्थ पाई गई हैं. उन्होंने अपने परिवार से भी मुलाकात की. प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ओरी मेगिडिश की घर वापसी पर उनका स्वागत करते हुए कहा कि इजराइली सेना की यह कामयाबी सभी बंधकों को मुक्त कराने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है. उन्होंने बंदियों की रिहाई या युद्ध समाप्त करने के लिए संघर्ष विराम के आह्वान को भी मानने से इनकार कर दिया है. उन्होंने कहा कि यह करना मुश्किल है तथा अभी लंबे समय तक यही स्थिति रहेगी. नेतन्याहू ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संघर्ष विराम का आह्वान करना इजराइल के लिए हमास के सामने आत्मसमर्पण करने के बराबर है. ऐसा कभी नहीं होगा. माना जा रहा है कि हमास और अन्य चरमपंथी समूहों ने पुरुष, महिलाओ और बच्चों सहित लगभग 240 लोगों को बंदी बनाया हुआ है.

इजरायली हवाई हमले के बाद गाजा पट्टी में उठता हुआ धुआं.

8300 से अधिक लोगों की मौत

संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यालय ने बताया कि गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 8,300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 66 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे हैं तथा हजारों लोग घायल हुए है. यूनीसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने बताया कि मृतकों में 3,400 से अधिक बच्चे शामिल हैं और 6,300 से अधिक बच्चे घायल हुए हैं. उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि गाजा में हर दिन 420 से अधिक बच्चे मारे जा रहे हैं.... यह ऐसी संख्या है जो हमारी आत्मा को झकझोर कर रख देगी. लजारिनी ने कहा कि यह 2019 से अब तक दुनिया के संघर्षरत क्षेत्रों में हर साल मारे गए बच्चों की संख्या से भी अधिक है.

हमले जारी

- गाजा में हर दिन 420 से अधिक बच्चे मारे जा रहे हैं
- मृतकों में 3,400 से अधिक बच्चे शामिल हैं

गाजा में कोई भी सुरक्षित स्थान नहीं

गाजा में कहीं भी, कोई भी सुरक्षित स्थान नहीं है. उन्होंने आगाह किया कि मूलभूत सेवाएं चरमरा रही हैं, दवाओं, खाद्य सामग्री, पानी और ईंधन की किल्लत हो रही है और सड़कों पर सीवर का पानी बह रहा है जो बहुत जल्द ही बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करेगा. सुरक्षा परिषद में ज्यादातर वक्ताओं ने सात अक्टूबर को हमास द्वारा इजराइल पर किए गए हमलों की निंदा की जिनमें 1,400 से अधिक लोग मारे गए थे. इन वक्ताओं ने उग्रवादियों द्वारा बंधक बना कर गाजा ले जाए गए करीब 230 लोगों की तत्काल रिहाई का भी अनुरोध किया. बहरहाल, प्रत्येक वक्ता ने इस बात पर भी जोर दिया कि इजराइल, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत नागरिकों की रक्षा के लिए तथा उनके जीवन के लिए जरूरी अस्पताल, स्कूल एवं अन्य अवसंरचनाओं की रक्षा के लिए बाध्य है. परिषद में, कई दिनों से गाजा की घेरेबंदी कर वहां खाद्य सामग्री, पानी, ईंधन और दवाओं की आपूर्ति रोकने तथा संचार सेवाएं बाधित करने को लेकर इजराइल की आलोचना भी की गई.

तत्काल संघर्षविराम जरूरी : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के प्रमुख फिलिप लजारिनी ने सोमवार को विश्व निकाय की एक आपात बैठक में, इजराइल और हमास के बीच जारी संघर्ष पर कहा कि तत्काल मानवीय संघर्ष विराम जरूरी है क्योंकि गाजा में लाखों लोगों के लिए जीवन और मृत्यु का प्रश्न है. उन्होंने इजराइल पर फिलिस्तीनियों को सामूहिक दंड देने और नागरिकों का जबरन विस्थापन करने का आरोप लगाया. लजारिनी ने आगाह किया कि भोजन और अन्य सहायता की बाट जोह रहे फिलिस्तीनियों द्वारा संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के गोदामों में लूटपाट के बाद नागरिक व्यवस्था ध्वस्त होने से गाजा में संयुक्त राष्ट्र की सबसे बड़ी एजेंसी के लिए अपना काम जारी रखना बेहद मुश्किल हो जाएगा. लजारिनी ने सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले के 23 दिन बाद गाजा में गंभीर मानवीय स्थिति का सुरक्षा परिषद में वर्णन किया.

पूर्व पीएम इंदिरा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर मंगलवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी और देश के निर्माण में उनके योगदान को याद किया. कांग्रेस सांसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने 'शक्ति स्थल' पहुंचकर इंदिरा गांधी की समाधि पर पुष्प अर्पित किए. खड़गे ने एक मजबूत और प्रगतिशील भारत के निर्माण में इंदिरा गांधी के योगदान को याद किया. उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि सशक्त एवं प्रगतिशील भारत के निर्माण में अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, कुशल नेतृत्व, अद्वितीय कार्यशैली एवं दूरदर्शिता से महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री व हमारी आदर्श, इंदिरा गांधी जी के बलिदान दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि.

10 साल में पूर्वोत्तर को तीन लाख करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी

भाषा। गुवाहाटी

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि पिछले 10 साल में करीब तीन लाख रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिससे क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्गों का 45 प्रतिशत (लंबाई के मामले में) विस्तार हुआ. गडकरी ने आगाह किया कि अधिकारियों को नगालैंड तथा मेघालय जैसे कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में भूमि अधिग्रहण की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और यदि मुद्दों को जल्द हल नहीं किया गया तो परियोजनाएं बंद हो सकती हैं.

असम में राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यों की प्रगति की समीक्षा के बाद संवाददाता

सम्मेलन में गडकरी ने कहा कि परियोजनाओं में आगामी, चालू और सम्पन्न हो चुकी परियोजनाएं शामिल हैं. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 2014 में करीब 10,800 किलोमीटर से बढ़कर अब 15,740 किलोमीटर हो गई है. केंद्रीय मंत्री ने असम के लिए दो योजनाओं के तहत 800 करोड़ रुपये की मंजूरी की भी घोषणा की.

'तेलंगाना विकास मॉडल' विस चुनाव में अहम मुद्दा

ऑक्सफोर्ड (ब्रिटेन)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता कल्वाकुंतला कविता ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में अपने दौरे के दौरान कहा कि समावेशी विकास के तेलंगाना मॉडल से समृद्धि आई है और राज्य के आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी का यह मुख्य मुद्दा रहेगा तथा पार्टी तीसरी बार जबरदस्त बहुमत से जीत दर्ज करेगी. बीआरएस की विधान पार्षद को विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में 'समावेशी विकास की खोजः तेलंगाना मॉडल' शीर्षक से एक व्याख्यान में संबोधन देने के लिए आमंत्रित किया गया था. उन्होंने जून 2014 में राज्य के गठन बाद से अपने पिता एवं सीएम के. चंद्रशेखर राव द्वारा शुरू की गई कई नीतियों, रणनीतियों एवं पहलों के बारे में विस्तार से चर्चा की.

पीएम ने पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि राष्ट्रीय एकता के लिए उनकी प्रतिबद्धता आज भी सभी का मार्गदर्शन करती है. मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सरदार पटेल की जयंती पर, हम उनकी अदम्य भावना, दूरदर्शी नेतृत्व और असाधारण समर्पण को याद करते हैं जिससे उन्होंने हमारे राष्ट्र के भाग्य को आकार दिया. राष्ट्रीय एकता के लिए उनकी प्रतिबद्धता आज भी हमारा मार्गदर्शन करती है. हम हमेशा उनकी ऋणी रहेंगे. सरदार पटेल देश के पहले गृह मंत्री थे और उन्होंने आजादी के बाद भारत के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

पटेल की भूमिका को देश के सामने नहीं आने दिया गया : राजनाथ सिंह

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को बिना नाम लिए कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि स्वतंत्र भारत को एक भारत बनाने में सरदार पटेल की जो भूमिका रही, उसे प्रमुखता से देश की जनता के सामने नहीं आने दिया गया. रक्षा मंत्री ने देश के पहले गृह मंत्री 'भारत रत्न' सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती 'एकता दिवस' पर यहां आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में हरी झंडी दिखाई.

पीएम ने हैरिटेज ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

एकता नगर (गुजरात)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को गुजरात की पहली हैरिटेज ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. यह ट्रेन एकता नगर से अहमदाबाद के बीच चलेगी और इससे पर्यटकों को सरदार वल्लभभाई पटेल के स्मारक 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' तक आवागमन में सुविधा होगी. तीन कोच वाली हैरिटेज ट्रेन को एक इलेक्ट्रिक इंजन द्वारा चलाया जाएगा. इसे इस तरह डिजाइन किया गया है ताकि लोगों को भाप इंजन से चलने वाली रेलगाड़ियों की तरह ही अनुभव हो जैसे कि शुरुआती दिनों में धुआं उड़ाती और सीटी बजाती ट्रेनों में लोग अनुभव किया करते थे. मोदी ने यहां एकता दिवस समारोह के दौरान ट्रेन को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि ट्रेन विरासत और आधुनिक सुविधाओं का मिश्रण है.

आगजनी

मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान हिंसा के बाद धाराशिव जिले में कर्फ्यू लागू

भाजपा विधायक प्रशांत बांब के दफ्तर में तोड़फोड़

भाषा। छत्रपति संभाजीनगर

मराठा आरक्षण को लेकर प्रदर्शन के दौरान महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक प्रशांत बांब के कार्यालय में तोड़फोड़ करने के आरोप में पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है. एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. लाठी-डंडों से लैस कुछ मराठा आरक्षण समर्थकों ने सोमवार को यहां गंगापुर इलाके में बांब के कार्यालय में तोड़फोड़ की. उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक के कार्यालय के अंदर खिड़की के शीशे और फर्नीचर को क्षतिग्रस्त कर दिया. पुलिस की विज्ञप्ति में कहा गया है कि सात ज्ञात आरोपियों और 10-15

अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 452, 427, 120 बी, 143 और 144 के तहत मामला दर्ज किया गया है. महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान हिंसा की घटनाओं के बाद धाराशिव जिले में कर्फ्यू लगाया गया है. जिलाधिकारी सचिन ओंबासे द्वारा सोमवार रात को जारी एक आदेश के अनुसार, कर्फ्यू के दौरान पांच से अधिक लोगों के एकत्रित होने पर मनाही है. एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार,

उग्र प्रदर्शन

- पांच से अधिक लोगों के एकत्रित होने पर मनाही
- दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 (2) के तहत कर्फ्यू लगाया

जिले में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 (2) के तहत कर्फ्यू लगाया गया है और अगले आदेश तक कर्फ्यू जारी रहेगा. इसमें कहा गया है कि यह आदेश जिले में स्कूल, कॉलेज और दुकानों पर लागू रहेगा. हालांकि, दवा और दूध की दुकानों, सरकारी कार्यालयों, बैंकों, सार्वजनिक परिवहन सेवाओं, अस्पतालों और मीडिया को इससे छूट दी गयी है.

बीड में हालात नियंत्रण में, 49 लोग गिरफ्तार

महाराष्ट्र के बीड जिले में मराठा आरक्षण के लिए चल रहे आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने 49 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि दंगा करने और जान खतरे में डालने के मामले दर्ज किए गए हैं. अब तक 49 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। रात में किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली और हालात नियंत्रण में है. कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है.

नेपाल के विदेश मंत्री सऊद ने ब्लिंकन से की मुलाकात

भाषा। काठमांडू

नेपाल ने नेपाल व्यापार तरजीही कार्यक्रम (एनटीपीपी) के पुनःप्राधिकरण तथा विस्तार का अनुरोध करते हुए व्यापार व निवेश, बाजार पहुंच, खाद्य सुरक्षा और आईटी जैसे क्षेत्रों में अमेरिका से समर्थन बढ़ाने का अनुरोध किया है. वाशिंगटन में नेपाल के विदेश मंत्री नारायण प्रकाश सऊद और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के बीच एक द्विपक्षीय बैठक में नेपाल की ओर से यह अनुरोध किया गया. सऊद के कार्यालय की ओर से यहां मंगलवार को जारी एक बयान के अनुसार, '' विदेश मंत्री ने देश को सबसे कम विकसित देश की श्रेणी से बाहर निकालने के संदर्भ में नेपाल की विकास प्राथमिकताओं को रेखांकित

किया और व्यापार व निवेश, बाजार पहुंच, खाद्य सुरक्षा तथा आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) सहित अन्य क्षेत्रों में अमेरिका से समर्थन बढ़ाने का आह्वान किया. बयान में कहा गया कि विदेश मंत्री ने नेपाल व्यापार तरजीही कार्यक्रम (एनटीपीपी) और जीएसपी (सामान्यीकृत तरजीही प्रणाली) सुविधाओं के पुनःप्राधिकरण तथा विस्तार का भी अमेरिका से अनुरोध किया.

सत्ता का सेमीफाइनल

अपने ही चेले के सामने मैदान मारने की चुनौती

मध्य प्रदेश में भाजपा ने तीन केंद्रीय मंत्रियों सहित सात सांसदों और एक राष्ट्रीय महासचिव को मैदान में उतारा है. इन सुपर आठ उम्मीदवारों का एक-एक कर जायजा लेती रिपोर्ट की श्रृंखला शुभम संदेश शुरू कर रहा है. पहली कड़ी में पढ़िए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और कद्दावर नेता कैलाश विजयवर्गीय की स्थिति का जायजा लेती रिपोर्ट.

पंकज मुकाती
वरिष्ठ पत्रकार, इंदौर

मध्यप्रदेश में भाजपा ने इस बार अपने सूरमा मैदान में उतारे हैं. सात सांसद. इनमें तीन केंद्रीय मंत्री व एक राष्ट्रीय महासचिव हैं. इंदौर-एक से राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय मैदान में हैं. उनके सामने कांग्रेस के विधायक संजय शुक्ला है. मुकाबला रोचक है. एक तरफ प्रदेश के कद्दावर नेता विजयवर्गीय तो सामने कांग्रेस के उभरते जुझारू नेता संजय शुक्ला.

भजन,भोजन, भंडारे में तो हमारी मास्टरी है. इसमें हमसे कौन जीतेगा. विधानसभा का टिकट मिलते ही भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने यही बयान दिया. आखिर चुनाव में भजन, भोजन, भंडारे की बात से शुरुआत क्यों? क्योंकि विजयवर्गीय का सामना भजन, भोजन, भंडारे मेंउ नके जैसे ही दूसरे खिलाडी कांग्रेस के विधायक संजय शुक्ला से है. शुक्ला को राजनीति का मंत्र परदे के पीछे से कभी विजयवर्गीय ने ही दिया था. उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि शुक्ला के सामने उनको मैदान संभालना पड़ेगा.

दरअसल, अपने राजनीतिक विरोधी सुदर्शन गुप्ता को हरवाने के लिए विजयवर्गीय ने 2018 में परदे के पीछे से कांग्रेस के संजय शुक्ला को चुनावी गुर दिए थे. शुक्ला ने सुदर्शन को हरा दिया. जब इंदौर की विधानसभा-एक से टिकट बांटने की बारी आई तो टिकट बांटने वाले कैलाश को ही भाजपा हाईकमान ने टिकट दे दिया. कांग्रेस ने भी संजय शुक्ला का टिकट बरकरार रखा. शुक्ला ने विजयवर्गीय की ही तरह अपने इलाके में भजन, भोजन और भंडारे की परंपरा को पांच साल से बनाये रखा है. वे जनता को लगातार तीर्थदर्शन भी करवाते रहते हैं. एक तरह से विजयवर्गीय अपने ही बने जाल में फंसे हुए दिख रहे हैं. पहली नजर में आम इंदौरी यही कहेगा - कैलाश जी जीत रहे हैं. फिर थोड़ा ठहरकर बोलेगा - वैसे संजय ने भी मेहनत खूब की है.आसान नहीं रहेगा मामला. कैलाश विजयवर्गीय छह बार लगातार इंदौर से विधायक रहे. तीन अलग-अलग विधासभाओं से जीते. हर बार पार्टी ने उन्हें कांग्रेस के गढ़, में नए इलाके में टिकट दिया. विजयवर्गीय जीतकर लौटे. इंदौर उनको विजेता के तौर पर देखता है.

ये सब कहानी इसलिए क्योंकि कैलाश विजयवर्गीय की जीत की छवि बेहद मजबूत है. वे जनता से जुड़े हुए भी हैं. पर 68 साल के कैलाश नई पीढ़ी के लिए एकदम नए हैं. उनका आखिर चुनाव दस साल पहले का है. इस बीच वे इंदौर डिवीजनल क्रिकेट के अध्यक्ष के दो चुनाव भी हार चुके हैं. इसके विपरीत शुक्ला कोरोना काल में अपने कामों से चर्चा में रहे. कांग्रेस ने उनको इंदौर महापौर का टिकट भी दिया. वे हार गए. पर बड़े नेता बन गए. शुक्ला ने अपने गृह क्षेत्र में कैलाश विजयवर्गीय को मेहमान बताकर प्रचार किया हुआ है.

इंदौर विधानसभा-एक वैसे तो भाजपा के मिजाज का इलाका है. लेकिन संजय शुक्ला ने इसकी तासीर कुछ तो बदली है. अब ये कांग्रेस-भाजपा से ज्यादा संजू भैया का इलाका बन गया है. इस इलाके में सबसे बड़ी संख्या ब्राह्मण वोटरों की है. संजय शुक्ला के पिता विष्णुप्रसाद शुक्ला जनसंघ और भाजपा से जुड़े रहे हैं. वे ब्राह्मण समाज में सम्मानीय चेहरा रहे हैं. ऐसे में ब्राह्मणों का झुकाव शुक्ला परिवार के प्रति है. 2018 में ब्राह्मण वोटर्स ने ही शुक्ला को जितवाया. इसके अलावा, इलाके में मुस्लिम और यादव मतदाताओं की भी बड़ी संख्या है. मुस्लिम कांग्रेस के साथ हैं. यादव वैसे शुक्ला के बहुत समर्थन में नहीं रहते पर वे अपने इलाके में विजयवर्गीय का दखल भी पसंद नहीं करते.

कैलाश विजयवर्गीय का चेहरा निसंदेह बड़ा है. वे जनता के बीच लोकप्रिय हैं. विजयवर्गीय के लिए कई मोर्चों पर संघर्ष है - एक तो बाहरी वाले ''मेहमान'' के तमगे से बाहर निकलना, नई पीढ़ी को साधना और ब्राह्मण मतदाताओं को एक परिवार के प्रति श्रद्धा से अलग अपने पक्ष में लाना. यादवों को जोड़ना भी उनके लिए चुनौती है. संजय शुक्ला धनबल में भी कैलाश से इक्कीस हैं.

कोई कुछ भी कहे. विधानसभा एक में विजयवर्गीय अपनी साख और अनुभव के चलते बेहद मजबूत दिख रहे हैं. पर उनका चेहरा दांव पर है. जीत की राह आसान नहीं है ये खुद विजयवर्गीय भी समझ चुके हैं. इसके विपरीत संजय शुक्ला के सामने मौका है खुद को राष्ट्रीय स्तर पर चमकाने का.

मध्य प्रदेश : 30 सीटों पर भाजपा और कांग्रेस का खेल बिगाडेंगे तीसरे धड़े के दल

राजकुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल

विधानसभा चुनाव में तीसरा धड़ा कांग्रेस और भाजपा के वोट बैंक में सेंध लगा सकता है. इन दलों द्वारा चयनित उम्मीदवारों को देखते हुए यह अनुमान इसलिये भी लगाया गया है क्योंकि, बसपा, सपा और आप जैसे दलों ने सबसे ज्यादा भाजपा और कांग्रेस से आए बागियों को ही मैदान में उतारा है. हालांकि इन बागियों में से कई निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल कर चुके है, लेकिन पाला बदलकर बसपा, सपा और आम आदमी पार्टी का दामन थामने वाले प्रत्याशियों को इनकी अपेक्षा अधिक प्रभावी माना जा रहा है. क्योंकि यह अपने पुराने दल का वोट काटते हुए नजर आ रहे हैं. यह भाजपा और कांग्रेस जैसे दलों के परंपरागत वोट माने जाते हैं. यह बात अलग है कि चुनाव चिन्ह के साथ सौगात में मिले मौजूदा दल के परपंरागत वोटों के जुड़ने के बाद भी अधिकांश जीतने की स्थिति में नजर नहीं आ रहे हैं. बावजूद इसके यह असंतुष्ट करीब 30 से ज्यादा सीटों पर भाजपा व कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने की स्थिति में माने जा रहे हैं.

- **बंट जाते हैं 18 प्रतिशत वोट :**

बागियों और निर्दलीयों के कारण करीब 18 प्रतिशत वोट बंट जाते हैं. जबकि प्रत्याशियों की जीत का आंकड़ा एक प्रतिशत वोट के अंतर को भी नहीं छू पाता है. बीते 2018 के चुनावों में 13 से अधिक सीटें ऐसी रही हैं जिनके जीत का अंतर एक प्रतिशत से भी कम रहा है. क्योंकि नोटा और निर्दलीय प्रत्याशियों के इतर 19.11 लाख वोट बसपा और 2.53 लाख वोट आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों ने समेट लिये थे. इस चुनाव में 3.81 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का उपयोग किया था.

- **कहां से किसके कितने प्रत्याशी :**

विधानसभा चुनाव में बहुजन समाजवादी पार्टी गोगपा (गोंडवाना गणतंत्र पार्टी) के साथ मैदान में उतरी है. गठबंधन के बाद इसके प्रत्याशियों की संख्या जहां 178 है. जिसमें से 52 पर गोंगपा के उम्मीदवार हैं. इसके साथ ही समाजवादी पार्टी ने 99 और आम आदमी पार्टी ने लगभग 70 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं. इन दलों ने प्रमुख स्थानों पर भाजपा और कांग्रेस के बागियों को लड़ाकर स्थिति मजबूत करने का प्रयास किया है.

ग्वालियर चंबल में भी चुनौतियां

- **ग्वालियर चंबल** – तीसरे धड़े में सुमार दल भाजपा व कांग्रेस के लिए परेशानी.
- **ग्वालियर दक्षिण** – टिकट नहीं मिलने से नाराज कांग्रेस विधायक केदार कंसाना बसपा से लड़ रहे हैं.
- **मुरैना** – टिकट नहीं मिलने से नाराज पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह और बेटे राकेश सिंह बसपा में गए.
- **अटेर** – पूर्व विधायक मुन्ना सिंह भदौरिया भाजपा से बसपा में शामिल होकर उम्मीदवार हैं.
- **भिंड** – विधायक संजीव सिंह कुशवाह भाजपा से बसपा में वापस लौट कर चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रवि सेन सपा से चुनाव लड़ेंगे.
- सुमावली – कुलदीप सिकरवार कांग्रेस से बसपा में गए, प्रत्याशी भी बने.

कौन कहां बिगाड़ सकता है खेल

- बुंदेलखंड की 26 सीटों में भाजपा और कांग्रेस के कई दावेदार निर्दलीय या दूसरे दलों के सहारे उतरकर खेल बिगाड़ने के लिये कमर कस चुके हैं.
- सागर – मुकेश जैन
- ढ़ाना – सुधीर यादव,
- छतरपुर – नीलमणी सिंह
- बिजावर – भाजपा से सपा से गईं रेखा यादव
- टीकमगढ़ – पूर्व विधायक केके श्रीवास्तव
- खरगापुर – अजय सिंह यादव (निर्दलीय)
- जतारा – अनीता खटीक
- **लहार** – पूर्व विधायक रसाल सिंह भाजपा से बसपा में, बसपा के अंबरीश शर्मा भाजपा में . दोनों चुनाव मैदान में हैं.

विंध्य की 30 सीटों पर रोचक मुकाबला

बागियों ने विंध्य की 30 सीटों पर मुकाबले को रोचक बना दिया है. सर्वाधिक चर्चा में रही मैहर सीट में नारायण त्रिपाठी जहां भाजपा और कांग्रेस के बजाय विंध्य जनता पार्टी से मैदान में है. वहीं सतना से रत्नाकर चतुर्वेदी भाजपा से बागी होकर बसपा के टिकट पर जनता के बीच गए हैं. त्योंथर से देवेंद्र सिंह बसपा और सीधी से भाजपा विधायक केदारनाथ शुक्ला निर्दलीय चुनाव में है. नागौद में भाजपा के गगनेंद्र सिंह भी बागी के रूप में पार्टी को नुकसान पहुंचाएंगे. पूर्व विधायक यादवेंद्र सिंह कांग्रेस के वोट बसपा में डलवाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाते हुए दिखाई देंगे. देवतालाब सीट पर कांग्रेस के सीमाजयवीर सिंह सपा के टिकट पर चुनाव लड़ रही है.

मिजोरम : शरणार्थियों का मसला ही तय करेगा चुनाव की दिशा

प्रभाकर मणि तिवारी
वरिष्ठ पत्रकार, सिलीगुड़ी

पूर्वोत्तर में म्यांमार और बांग्लादेश की सीमा से सटे पर्वतीय राज्य मिजोरम की चुनावी तस्वीर देश के दूसरे राज्यों के मुकाबले एकदम अलग है. यहां सात नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं. यहां विधानसभा की महज 40 सीटें हैं. पारंपरिक रूप से मुकाबला मिजो नेशनल फ्रंट, जो बीते दस साल से सत्ता में है, और कांग्रेस के बीच होता रहा है. लेकिन इस बार राज्य के राजनीतिक समीकरण बदले हुए नजर आ रहे हैं. इस बार जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) सत्तारूढ़ एमएनएफ को कड़ी टक्कर देती हुई मुकाबले को तिकोना बनाती नजर आ रही है.

राज्य में होने वाला कोई भी चुनाव यंग मिजो एसोसिएशन और चर्च की भूमिका के लिए भी सुर्खियां बटोरता रहा है. वर्ष 2006 में चर्च और यंग मिजो एसोसिएशन (वाईएमए) जैसे असरदार संगठनों के प्रतिनिधियों को लेकर बना मिजोरम पीपुल्स फोरम (एमपीएफ) ही अब चुनावी आचार संहिता को कड़ाई से लागू करने का काम करता है. यह न सिर्फ चुनावी रैली की जगह और समय सीमा तय करता है बल्कि झंडों और पोस्टरों की संख्या और साइज भी तय कर देता है. चुनावी आचार संहिता के मामले में फोरम के निर्देशों की अनदेखी किसी उम्मीदवार की हार की वजह बन सकता है. इस मामले में फोरम की भूमिका चुनाव आयोग से कहीं ज्यादा असरदार है.

एमपीएफ के प्रमुख लालबियाकमाविया बताते हैं कि हमने इस बार भी तमाम दलों के साथ बैठक की है. अब बीते विधानसभा चुनाव से सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए हमने उसके लिए भी दिशा निर्देश तय किए हैं. इसके तहत फेक न्यूज के प्रसारण पर पूरी पाबंदी लगा दी गई है. ऐसी शिकायत मिलने की स्थिति में पुलिस व प्रशासन के साथ मिल कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाती है. चुनावी आचार संहिता के जमीनी स्तर पर बेहद कड़ाई से लागू होने के कारण यहां चुनावी तस्वीर देश के दूसरे राज्यों को मुकाबले भिन्न नजर आती है.

मोदी का दौरा रद्द करना पड़ा राज्य की 87 फीसदी आबादी ईसाई है. पड़ोसी मणिपुर में हुई हिंसा और वहां से कुकी समुदाय के लोगों के भारी तादाद में पलायन ने राज्य में भाजपा के प्रति नाराजगी बढ़ा दी है. शायद यही वजह है कि उन्होंने बीते सप्ताह एक इंटरव्यू में कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य के दौरे में आने पर वे उनके साथ मंच पर मौजूद नहीं रहेंगे. राज्य की जमीनी स्थिति और सरकार के रुख को ध्यान में रखते हुए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चुनावी दौरा भी रद्द कर दिया गया है. जोरमथंगा मणिपुर में हिंसा की शुरुआत से ही कुकी शरणार्थियों के समर्थन में खड़े रहे हैं. उनकी सरकार कुकी तबके के अलावा सीमा पार म्यांमार से आने वाले चिन समुदाय के शरणार्थियों के लिए रहने और खाने की व्यवस्था कर रही है. खुद को भाजपा से अलग दिखाने के लिए राज्य सरकार ने शरणार्थियों का बायोमेट्रिक आंकड़ा जुटाने के केंद्रीय गृह मंत्रालय का निर्देश भी मानने से इंकार कर दिया है.

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बीते सप्ताह मिजोरम को दो-दिवसीय दौरा कर चुके हैं. उन्होंने इस दौरान साफ कर दिया है कि पार्टी अबकी यहां सत्ता हासिल करने के प्रति बेहद गंभीर है. मिजोरम के कांग्रेस अध्यक्ष लालसावता कहते हैं कि हमने भाजपा से मुकाबले के लिए इस बार दो क्षेत्रीय दलों के साथ मिल कर मिजोरम सेक्युलर एलायंस (एमएसए) का गठन किया है.

राजनीतिक पर्यवेक्षक के. वानलालुरेट कहते हैं, "मिजोरम का चुनाव अबकी दिलचस्प है. इस बार यहां सत्ता के तीनों दावेदारों यानी एमएनएफ, जेडपीएम और कांग्रेस की साख दांव पर लगी है. उधर, भाजपा भी अपनी सीटों की तादाद बढ़ाने के लिए जोर लगा रही है. शरणार्थियों के मुद्दे पर आम लोगों की राय ही चुनावी नतीजे में निर्णायक भूमिका निभाएगी."

महत्वपूर्ण तथ्य

- लगभग 15 साल तक केंद्र शासित प्रदेश रहने के बाद फरवरी 1987 में मिजोरम को पूर्ण राज्य का दर्जा मिला था.
- वर्ष 2018 में एमएनएफ ने 26, जेडपीएम ने आठ और यूपीए ने पांच सीटें जीती थी. भाजपा को एक सीट मिली थी.
- इस बार जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) सत्तारूढ़ एमएनएफ के लिए एक मजबूत चुनौती के तौर पर उभरा है.
- जेडपीएम संगठन वर्ष 2017 में बना था. वर्ष 2018 में गैर-पंजीकृत पार्टी के तौर पर आठ सीटों पर जीत दर्ज की थी.
- पूर्व आईपीएस सांसद रहे लालदूहोमा के नेतृत्व वाली जेडपीएम इस बार सभी 40 सीटों पर चुनाव लड़ रही है.
- मुख्यमंत्री जोरमथंगा के नेतृत्व वाला मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) व भाजपा का सहयोगी हैं, पर चुनाव अलग-अलग लड़ रहे हैं.

तेलंगाना : चुनाव नहीं लड़ेगी टीडीपी, कांग्रेस को फायदा

हैदराबाद। चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) तेलंगाना में चुनावी लड़ाई से बाहर रहेगी. इस आशय का निर्णय राजामुंदरी सेंट्रल जेल के अंदर चंद्रबाबू नायडू के साथ तेलंगाना तेलुगू देशम प्रमुख कसानी ज्ञानेश्वर की बैठक के बाद लिया गया. टीडीपी के इस फैसले से कांग्रेस को फायदा होता दिख रहा है. कौशल विकास निगम से कथित तौर पर धन की हेराफेरी करने के आरोप में गिरफ्तार चंद्रबाबू नायडू इस समय जेल में हैं. नायडू ने कहा है कि उनके जेल में रहने से नेतृत्व के लिए तेलंगाना में प्रचार करना संभव नहीं होगा और इसलिए राज्य पार्टी प्रमुख को कैडर को परिस्थितियों के बारे में बताना चाहिए.

वैसे भी, भाजपा ने तेलंगाना में जन सेना के साथ जाने की उत्सुकता दिखाई है, जबकि आंध्र प्रदेश में जन सेना के साथ हाथ मिलाने को लेकर कोई बात नहीं की है. जन सेना ने स्पष्ट कर रखा है कि 2024 का आम चुनाव वह तेलुगू देशम के साथ लड़ेगी. जन सेना के इस रवैये ने चंद्रबाबू नायडू को अजीब स्थिति में डाल दिया है.

तेलुगू देशम का तेलंगाना में जनाधार रहा है, जिसकी बदौलत उसने 2014 में 15 सीटें और 2018 के विधानसभा चुनाव में दो सीटें जीतीं. निर्वाचित विधायकों ने बाद में पाला बदल लिया और केसीआर के साथ चले गए.

तेलंगाना में चंद्रबाबू नायडू के समर्थक इस बात से नाराज हैं कि बीआरएस ने चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए बयान तक नहीं दिया और न ही उन्हें हाईटेक सिटी क्षेत्र में नायडू की गिरफ्तारी को लेकर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति केसीआर प्रशासन द्वारा नहीं दी गई. जब कुछ समूहों ने दबाव बनाते हुए कहा कि वे कांग्रेस को समर्थन करने पर विचार करेंगे, तब जाकर बीआरएस नेतृत्व थोड़ा परेशान हुआ और फिर बीआरएस कई नेताओं ने नायडू की गिरफ्तारी की निंदा करनी शुरू की.

कॅरियर-काउंसिलिंग

इन डिप्लोमा कोर्स को कर आप बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर / रजनीश प्रसाद

डिप्लोमा कोर्स एक कम समय का कोर्स होता है. जिसमें संबंधित संस्थान कोर्स की पढ़ाई करवाता है. इनकी अवधि 6 महीने से 2 साल तक ही होती है. पढ़ाई के खत्म होने के बाद संस्थान के द्वारा एक अंकपत्र और प्रमाणपत्र दिया जाता है. इस प्रमाणपत्र के द्वारा अभ्यार्थी नौकरी की तलाश कर सकता है. डिप्लोमा काफी पॉपुलर कोर्सेज होते हैं और इसकी मांग भी काफी ज्यादा होती है. डिप्लोमा कोर्सेज में थ्योरी ज्ञान के साथ-साथ प्रैक्टिकल नॉलेज भी दी जाती है. डिप्लोमा कोर्सेज में प्रैक्टिकल नॉलेज पर काफी बारीकी से ध्यान दिया जाता है जिससे छात्रों को आगे चल के फायदे हो. डिप्लोमा की अवधि अन्य कोर्सेज से कम होती है, इससे छात्र कम समय में कोर्स को करके अपने क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं. कई सारी सरकारी और कॉर्पोरेट कंपनियां डिप्लोमा धारक छात्रों के लिए समय-समय पर भर्तियां निकालती रहती हैं, जिससे छात्रों के लिए नौकरियों के दरवाजे खुल जाते हैं.

डिप्लोमा इन कंप्यूटर साइंस

आजकल ज्यादातर छात्र कंप्यूटर साइंस में डिप्लोमा को करने के इच्छुक हैं. कंप्यूटर साइंस इन डिप्लोमा में कई सारी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज जैसे-जावा एचटीएमएल, वीबी.नेट, सीसी, पीएचपी तथा डेटाबेस, ऑपरेटिंग सिस्टम, डाटा माइनिंग,डाटा वेयरहाउस, डेट एप्लीकेशन, नेटवर्किंग आदि के बारे में विस्तार से पढ़ाया जाता है. डिप्लोमा इन कंप्यूटर साइंस के बाद भी कई सारे डिग्री कोर्स है जो किए जा सकते हैं .डिप्लोमा कोर्स करके भी कई सारी जॉब्स मिल सकती हैं लेकिन वह आपकी प्रैक्टिकल नॉलेज पर निर्भर करती हैं.

डिप्लोमा इन फायर एंड सेफ्टी टेक्नोलॉजी

यह डिप्लोमा विदेशों में काम करने के लिए शानदार अवसर प्रदान करता है, खासकर गल्फ देशों में इसकी मांग अधिक है और इसमें पे-ऑफ काफी विशाल है. दुनिया भर के संगठनों में सुरक्षा अधिकारियों की बढ़ती मांग ने इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम की मांग को बढ़ा दिया है. यह जोखिम प्रबंधन की अवधारणा और सुरक्षा अधिकारियों द्वारा प्रतिकूल परिस्थितियों में उपयोग किए गए उपायों को सिखाता है .यह कार्यक्रम सुरक्षा अधिकारियों के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए एक बेहतरीन बूस्टर है क्योंकि यह तैयारियों की टिप्स और ट्रिक्स का एक अच्छा ऑप्शन प्रदान करता है. यह आग से हुई दुर्घटनाओं से होने वाली प्रतिकूलताओं से निपटने के इच्छुक लोगों के लिए सबसे अच्छा है.

समुद्री संबंधित डिप्लोमा कोर्स

कई समुद्री-संबंधित डिप्लोमा कोर्सेज ऐसे हैं जो इंजीनियरिंग डिप्लोमा की तुलना में अधिक संभावनाएं प्रदान करते हैं. यह क्षेत्र काफी विशाल है जिसमें आपको अपने कॅरियर से जुड़ी कई संभानाएं देखने को मिल सकती हैं. छात्रों को बेहतर प्रशिक्षण के लिए मर्चेंट नेवी के जहाज और जमीन पर प्रशिक्षण दिया जाता है. यह कोर्स 1 से 3 साल तक होता है जिसमें पहले 7-8 महीने जहाज पर और बाकी समय जमीन पर बिताया जाता है .आप मरीन टेक्नोलॉजी, सेलिंग, मरीन पावर प्लांट इंजीनियरिंग और मरीन इंजीनियरिंग ड्राइंग जैसे कोर्स में डिप्लोमा हासिल कर सकते हैं .आपको समुद्री नौसेना में रुचि है तो यह कोर्स आपके लिए अत्यंत लाभ दायक साबित होगा. कोर्स के दौरान आपको पानी और जमीन का शानदार अनुभव मिलने की संभावना है.

एनीमेशन और मल्टीमीडिया डिप्लोमा कोर्स

आजकल कई मूवीज, वीडियो, विज्ञापनों आदि में एनिमेशन और मल्टीमीडिया देखने को मिलता है. एनिमेशन के जरिए आप उस चीज को भी दर्शा सकते हैं जो असलियत में हमारे सामने नहीं लेकिन उसे कंप्यूटर और अलग-अलग सॉफ्टवेयर की मदद से दर्शाने का प्रयास किया जाता है. कई सारी फिल्मों में एनिमेशन का प्रयोग किया जाता है. मुख्य तौर पर, जहां स्टंट्स हों या अदाकार ऐसा कुछ करता दिखाई दे रहा हो जो असलियत में करना मुमकिन नहीं. उदाहरण के तौर पर अगर आप हॉलीवुड की फिल्मों पर ध्यान दें तो स्पाइडर मैन, सुपर मैन जैसी फिल्मों में इसका अधिक इस्तमाल आपको देखने को मिलेगा. एनिमेशन और मल्टीमीडिया फिल्म, वीडियोज आदि में जान डाल देती है और धीरे-धीरे इसका क्रेज बढ़ता जा रहा .

डिप्लोमा इन एक्टिंग

बढ़ते टीवी शोज के क्रेज के साथ एक्टिंग और एंकरिंग के फील्ड में लोगों का रुझान बढ़ता जा रहा है. एक्टर किसी भी टीवी शो या मूवी की जान होते हैं और अगर आप जानते हैं की आपमें आज के समय के अनुसार बढ़ते कंपीटिटिव वातावरण में अपनी कला को निखारना और पेश करना आता है तो यह कोर्स आपके लिए है. एक आर्टिस्ट अगर पूरी शिद्दत से कुछ पाने की चाह रखता है तो वो अपनी काबिलियत से आगे बढ़ता चला जाता हैं और लोगों के दिलों में राज करता हैं. एंकर के बोलने के तरीके, उसकी पर्सनालिटी, मंच को एक अलग लेवल पर ले जाती है. मंच पर चढ़ते ही जब एक एंकर किसी विशेष इवेंट को इंट्रोड्यूस करता है तो उस इवेंट को एक डेफिनेशन मिल जाती है.

होटल प्रबंधन

आजकल बढ़ती जनसंख्या के साथ-साथ हम लोग तरह-तरह के पकवान को खाने के इच्छुक हो गए हैं. हर घर में स्वाद को प्राथमिकता देने वाले लोग उपलब्ध हैं, जिसके चलते स्वादिष्ट भोजन हर पार्टी की शान माना जाता है. यदि हम अपने चारों ओर देखे तो होटल एक ऐसी जगह है जहां लोग आना पसंद करते हैं. इसी को देख कर कई लोग होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा करने को प्राथमिकता देते हैं. होटल मैनेजमेंट में हाउसकीपिंग से लेकर होटल का प्रबंधन करने तक सब कुछ सिखाया जाता है. होटल प्रबंधन में डिप्लोमा करते वक्त कई विषय सिखाए जाते हैं, जिनमें - फ्रंट ऑफिस मैनेजमेंट, फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन, बेसिक फूड प्रोडक्शन, एनवायरोमेंटल स्टडीज आदि शामिल है. होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा कोर्स 3 साल का होता है.

इंटीरियर डिजाइनिंग में डिप्लोमा कोर्स

भव्य इमारतों का विकास तेजी से बढ़ रहा है उसी के अनुरूप इंटीरियर डिजाइनिंग की मांग भी बढ़ती जा रही है .आज के समय में इंटीरियर डिजाइनिंग एक प्रचलित डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में से एक है. कई सिलेब्रिटीज इसमें रूचि ले रहे हैं और काम कर रहे हैं. यहां तक की बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों में ही कई अभिनेत्रियां अपने अभिनय के साथ साथ इंटीरियर डिजाइनिंग भी कर रहीं हैं. इंटीरियर डिजाइनर का काम होता है इमारतों को सजाना तथा उपयोगी चीजों को अद्भुत आकृति और अद्भुत तरीके से डेकोरेट करना. टीवी शोज में आजकल भव्य मंच बनते हैं जिनमें इंटीरियर डिजाइनर की आवश्यकता होती है. जिसके कारणवर्श आज इसकी मांग बढ़ती जा रही है. यह कोर्स 1 से 2 साल का होता है. इसमें आपकी क्रिएटिविटी, समस्या को सुलझाना, कुछ अलग सोचना, कलात्मक क्षमता आदि की जरूरत होती है. इंटीरियर डिजाइनिंग में डिप्लोमा में कई विषय पढ़ाए जाते हैं जैसे-डिजाइनर स्किल्स, आर्ट एंड क्राफ्ट, कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन, कंप्यूटर ऐडेड ग्राफिक डिजाइन, कलर थ्योरी एंड टेक्निक्स आदि. यदि आप भी इस प्रकार के कार्य में रूचि लेते हैं तो आपके लिए बेहतर विकल्प है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)